सेंसेक्स	~	82,445.21
निफ्टी	~	25,103.20
सोना	~	97690
चांदी	~	1,08,000
डॉलर	~	85.66

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
मंगलवार 10 जून 2025
ज्येष्ठ शुक्ल 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 255
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

चैटजीपीटी प्रोडक्ट की बढ़ती लोकप्रियता, यूजर्स की संख्या 3 मिलियन पार

नई दिल्ली । ओपनएआई ने बिजनेस यूजर्स के लिए चैटजीपीटी में कई नए वर्कप्लेस टूल्स और फीचर्स भी पेश किए हैं। इन नए टूल्स के जरिए कंपनियों को और जटिल और गहन एआई-सक्षम कार्य करने में सहायता मिलती है। वर्तमान में कर्मचारी चैटजीपीटी का उपयोग तुरंत उत्तर पाने के लिए कर सकते हैं। साथ ही, कंपनी ने कनेक्टर्स का बीटा वर्जन जारी किया है, जो ड्रॉपबॉक्स, बॉक्स, शेयरपॉइंट, वनड्राइव और गूगल ड्राइव जैसे लोकप्रिय क्लाउड स्टोरेज प्लेटफॉर्म से जुड़ने की सुविधा देता है। इसके जरिये यूजर्स अपने डेटा को तेजी से खोज और एक्सेस कर सकते हैं। एडमिन्स यह नियंत्रित कर सकते हैं कि किन कनेक्टर्स को वर्कप्लेस में सक्षम किया जाए।

जासूस ज्योति मल्होत्रा को नहीं मिली राहत, 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा को अदालत ने फिर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनके मामले की सुनवाई 23 जून को फिर होगी। यह दूसरी बार है, जब जासूस ज्योति को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इसके पहले 26 मई को उन्हें चार दिन की पुलिस रिमांड पर रहने के बाद 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था। पिछले सप्ताह, एक अन्य यूट्यूबर जसबीर सिंह को पंजाब पुलिस ने पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क में कथित रूप से शामिल होने के आरोप में गिरफ्तार किया था। जसबीर कथित तौर पर ज्योति के संपर्क में था। पंजाब पुलिस के अनुसार, जसबीर सिंह पाकिस्तानी खुफिया अधिकारी शाकिर उर्फ ??जट्ट रंधावा से निकटता से जुड़ा हुआ था, जो भारतीय मूल का व्यक्ति है और जिसके बारे में संदेह है कि वह इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) के लिए काम कर रहा है। सिंह, ज्योति मल्होत्रा ??के कथित तौर पर निकट संपर्क में था, जिसे पाकिस्तान के लिए जासूसी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। पंजाब पुलिस ने सिंह की गिरफ्तारी के बाद दावा किया था कि बल ने एक 'आतंकवाद समर्थित जासूसी नेटवर्क' का पता लगाया है, जो आरोपी को पाकिस्तानी खुफिया और सेना के अधिकारियों से जोड़ता है।

दोषी को दंड और निर्दोष को बचाना सही न्याय, यही भगवान की पूजा-प्रेमानंद

भोपाल। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा ने वृंदावन जाकर सुप्रसिद्ध संत स्वामी प्रेमानंद जी महाराज के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। स्वामी प्रेमानंद जी महाराज ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा, धर्म और न्याय को एक ही मार्ग पर चलना चाहिए। न्याय करते समय दोषी को दंड देना और निर्दोष को बचाना यही न्याय का सच्चा मार्ग है। उन्होंने सचदेवा को आशीर्वाद देते हुए कहा, न्याय के कर्तव्य को पूजा समझकर भगवान को समर्पित करना यही सच्ची पूजा होती है। इसी से भागवत की प्राप्ति होती है। भगवान ने जो सेवा का पद दिया है। निडर और निस्वार्थ भाव से सेवा करेंगे, यही भगवान की सच्ची पूजा होगी। इसी से भगवान प्रसन्न होंगे।

राजा हत्याकांड

सोनम बेवफा है...

इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के आरोप में उनकी पत्नी सोनम और 5 संदिग्धों को पकड़ा गया है। सोनम रविवार देर रात 3 बजे यूपी के गाजीपुर के एक ढाबे पहुंची थी। ढाबा संचालक ने पुलिस को सूचना दी। बाकी 5 आरोपियों को मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश के साथ अलग-अलग जगह रात भर डाली गईं रेड में पकड़ा गया। एमपी के बीना से आनंद को, इंदौर से राज कुशवाहा, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और उत्तरप्रदेश के ललितपुर से आकाश लोधी को हिरासत में लिया गया।

मेघालय एसआईटी के चीफ हर्बर्ट पिनियाड खारकोंगोर ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि राजा पर धारदार हथियार से हमला किया गया था। उसके सिर पर दो चोटें आई थी। इस बीच शाम को मेघालय के शिलॉन्ग से दो लेडीज पुलिस अफसर गाजीपुर पहुंचीं हैं। सखी वन-स्टॉप सेंटर में सोनम रघुवंशी से पुलिस अफसरों की मुलाकात हुई। इसके बाद सोनम को अपनी कस्टडी में ले लिया। उसे शिलॉन्ग ले जाया जा रहा है। सोनम के परिवार का कहना है कि उनकी बेटी बेगुनाह है। राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी 23 मई को मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स जिले के सोहरा क्षेत्र से लापता हो गए थे। 2 जून को राजा का शव एक खाई में मिला, जबकि उनकी पत्नी सोनम की तलाश जारी थी।

-सोनम ने पैसे देकर करवाई थी पति की हत्या

मेघालय पुलिस ने इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड को लेकर बड़ा खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, सोनम रघुवंशी ने अपने प्रेमी राज कुशवाहा के साथ मिलकर पति की हत्या की पूरी साजिश रची थी। जांच में सामने आया है कि सोनम ने इस साजिश को अंजाम देने के लिए सुपारी देकर चार कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को बुलाया था। इनमें से तीन को उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया है, जबकि चौथे आरोपी को मध्यप्रदेश से पकड़ा गया है। फिलहाल सोनम उत्तर प्रदेश पुलिस की हिरासत में है। जैसे ही कानूनी प्रक्रिया पूरी होगी, उसे शिलांग से आई मेघालय पुलिस टीम को सौंप दिया जाएगा ताकि आगे की पूछताछ की जा सके।

प्रेमी राज ने फोन से रची थी पूरी साजिश

राजा रघुवंशी हत्याकांड में आरोपी पत्नी सोनम रघुवंशी ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने इस हत्या की साजिश में शामिल सभी कॉन्ट्रैक्ट किलर्स को भी गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान इन आरोपियों ने चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। पुलिस के मुताबिक, सोनम का कथित प्रेमी राज कुशवाहा कभी भी शिलांग नहीं गया था। उसने पूरे हत्याकांड की साजिश फोन के जरिए रची और सभी निर्देश दूर से देता रहा। सोनम लगातार उससे संपर्क में थी और उसी के निर्देश पर वह पहले से शिलांग में मौजूद कॉन्ट्रैक्ट किलर्स से मिली। इसके बाद सभी चेरापूंजी पहुंचे, जहां सोनम अपने पति राजा रघुवंशी को एक सुनसान जगह पर लेकर गई। वहां पहले से मौजूद तीनों शूटरों ने मिलकर राजा की बेरहमी से हत्या कर दी। पुलिस को अब इस साजिश की पूरी कड़ी एक-एक कर समझ में आ रही है और जल्द ही चार्जशीट दाखिल की जा सकती है।

जाने का टिकट बुक कराया, वापसी का नहीं

बता दें राजा रघुवंशी की शादी के बाद हनीमून पर जाने की योजना थी। टिकट सोनम ने ही बुक किया था लेकिन इस ट्रिप से वापसी की कोई तैयारी नहीं थी ना रिटर्न टिकट, ना कोई प्लान। जब राजा की मौत की खबर सामने आई, तो घरवालों को शक हुआ कि ये सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि पूरी प्लानिंग का हिस्सा है। मप्र पुलिस ने गाजीपुर यूपी पुलिस को कॉल किया था। मप्र पुलिस ने गाजीपुर पुलिस को सोनम की जानकारी और लोकेशन भेजी, जिसके बाद गाजीपुर पुलिस ने सोनम का मेडिकल करवाकर वन स्टॉप सेंटर भेजा। गाजीपुर पुलिस को ये बताया गया था कि मेघालय पुलिस भी मप्र पुलिस के साथ है।

राजा की मां का दावा, यह हादसा नहीं एक सोची समझी साजिश

एक तरफ पूरा परिवार बेटे की मौत के सदमे से टूटा गया है, तो दूसरी ओर मां की आंखों में गुस्से से लाल हैं। राजा रघुवंशी की मां ने बेटे की मौत को लेकर दावा किया है। उन्होंने कहा है कि दुल्हन सोनम ने खुद हनीमून के लिए टिकट करवाया था, इसलिए लौटने का कोई प्लान ही नहीं था।

राहुल गांधी का मोदी सरकार पर हमला

2025 को छोड़कर 2047 के सपने युवाओं को बेच रही

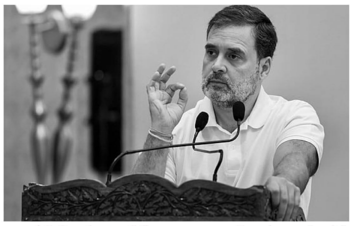

नई दिल्ली । लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र पर निशाना साधकर कहा कि मोदी सरकार ने 11 साल में न जवाबदेही, न बदलाव, सिर्फ अपना प्रचार कराया। मोदी सरकार 2025 पर बात करना छोड़कर, अब 2047 के सपने को बेचने में लगी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल होने पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने निशाना साधकर लिखा, जब मोदी सरकार 11 साल की सेवा का जश्न मना रही है, तब देश की हकीकत मुंबई से आ रही दर्दनाक खबर में दिखती है, ट्रेन से गिरकर कई लोगों की मौत। भारतीय रेल करोड़ों की ज़िंदगी की रीढ़ है, लेकिन आज असुरक्षा, भीड़ और अव्यवस्था की प्रतीक बन गई है।उन्होंने लिखा, मोदी सरकार 2025 पर बात करना छोड़, अब 2047 के सपने बेच रही है। देश आज क्या झेल रहा है, ये कौन देखेगा? मैं मृतकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

केंद्र की मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हुए हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मोदी सरकार पर हमलावार दिखे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है।

बीजेपी-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया। चाहे जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के अधिकारों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे कमजोर किया गया।

समाज में नफरत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक व कमज़ोर वर्गों का शोषण बढ़ रहा है। इनके आरक्षण व बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है।

केरल सरकार ने जंगली जानवरों को मारने के लिए केंद्र सरकार से अनुमति मांगी

नई दिल्ली। केरल सरकार जंगली जानवरों को मारने के लिए अभियान चलाना चाहती है। इसके लिए केंद्र सरकार से उसने अनुमति भी मांगी है। केरल सरकार राज्य वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 में संशोधन चाहती है, ताकि उसे जंगली जानवरों को मारने की अनुमति मिल सके। केरल में कुल 941 गांव हैं। इनमें से 273 गांवों के स्थानीय निकायों को जंगली जानवरों के हमलों क हॉटस्पॉट के रूप में पहचाना गया है। समस्या पैदा करने वाले जानवर मुख्य रूप से बाघ, तेंदुआ, हाथी, बाइसन, जंगली सूअर, बोनेट मैकाक और मोर हैं। हालांकि, बोनेट मैकाक (बंदर की एक प्रजाति) और मोर जीवन के लिए खतरा पैदा नहीं करते हैं, लेकिन उनके बार-बार हमलों ने किसानों को कृषि भूमि के बड़े हिस्से को छोड़ने पर मजबूर कर दिया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, 2016-17 से 2024-25 (31 जनवरी तक) के बीच केरल में वन्यजीवों के हमलों में 919 लोग मारे गए और 8,967 अन्य घायल हुए। केरल के वन मंत्री एके ससीन्द्रन ने कहा कि राज्य चाहता है कि केंद्र 1972 के अधिनियम में संशोधन करे ताकि केरल को सभी नरभक्षी जंगली जानवरों को मारने की अनुमति मिल सके। हम जंगली जानवरों को अंधाधुंध तरीके से मारने के अधिकार की तलाश नहीं कर रहे हैं।

कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के निमंत्रण पर पहुंचा था जश्न में -सिद्धारमैया

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु की टीम ने आईपीएल के 18वें सीजन में फाइनल में जीत हासिल की थी, इसके बाद जश्न मनाने के दौरान बेंगलुरू में भगदड़ मच गई थी। इस घटना के बाद कर्नाटक सरकार को कई आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। आलोचनाओं के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने भी बयान दिया है।

सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि आरसीबी के समारोह में वे सिर्फ इसलिए गए थे क्योंकि उन्हें आमंत्रित किया था। उन्हें यह बताया गया था कि राज्यपाल भी समारोह में आने वाले है। रिपोर्ट के अनुसार सिद्धारमैया ने कहा कि केएससीए यानी कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ के सचिव व कोषाध्यक्ष को भी निमंत्रण देकर बुलाया गया था।

सीएम सिद्धारमैया ने बताया कि केएससीए के सचिव और कोषाध्यक्ष ने आकर मुझे निमंत्रण दिया था। इस समारोह का आयोजन कर्नाटक सरकार की ओर से नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम में राज्यपाल आ रहे है ये भी बताया गया था। मैं सिर्फ वहां पहुंचा था।

जश्न में बड़ी संख्या में वीआईपी की मौजूदगी हो गई थी, इसकारण पुलिस बल की कमी झेलने पड़ी थी। इस जश्न के लिए 1500 पुलिसकर्मियों की संख्या कम मानी गई थी। विपक्ष के नेताओं ने पुलिस की कमी को भगदड़ के मुख्य कारणों में से एक बताया था। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मांग की कि सरकार भगदड़ पर चर्चा के लिए तीन दिनों के लिए राज्य विधानसभा का विशेष सत्र बुलाए, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। विपक्ष ने कहा कि लोग जवाब चाहते हैं।

सीएम सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे भाजपा नेता ने घोषणा की कि उनकी पार्टी के सभी विधायक जरूरतमंद मृतकों के परिजनों को एक महीने का वेतन देने वाले है। साथ ही उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि यदि वह दिवालिया नहीं है, तब मुआवजा राशि बढ़ाकर एक करोड़ रुपये कर देनी चाहिए।

जॉली एलएलबी-3 को लेकर दायर याचिका खारिज, नहीं लगेगी फिल्म पर रोक

कोर्ट ने कहा- फिल्म में न्यायपालिका या वकीलों की छवि धूमिल की जा रही केवल एक अनुमान

मुंबई। 'जॉली एलएलबी' सीरीज की तीसरी फिल्म पर अब एक नया ट्विस्ट सामने आया है। अजमेर जिला बार एसोसिएशन की याचिका पर चल रही सुनवाई में राजस्थान हाईकोर्ट ने साफ कहा है कि फिल्म की शूटिंग पर रोक लगाने की कोई जरूरत नहीं है। कोर्ट ने इसे महज आशंका मानते हुए याचिका खारिज कर दी। जस्टिस अशोक जैन की एकल पीठ ने अपने फैसले में कहा कि फिल्म अभी निर्माणाधीन है। यह कहना कि फिल्म में न्यायपालिका या वकीलों की छवि धूमिल की जा रही है, केवल एक अनुमान है। ऐसे में कोर्ट इस पर कोई रोक नहीं लगा सकता।

कोर्ट ने कहा कि सिनेमैटोग्राफी एक्ट-1952 के तहत फिल्म के रिलीज से पहले उसके कंटेंट को सार्वजनिक नहीं किया जा सकता है। अगर किसी दृश्य से आपत्ति है, तो सेंसर बोर्ड के पास जाने का प्रावधान है। बता दें अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ने फिल्म जॉली एलएलबी-3 के खिलाफ स्थानीय अदालत में केस दायर किया था। उनका कहना था कि फिल्म के पहले दो भागों में भी न्यायपालिका और वकीलों को गलत तरीके से दिखाया गया था। अब तीसरे भाग में भी ऐसी ही आशंका है। इसलिए इसकी शूटिंग पर रोक लगनी चाहिए और एक कमेटी गठित कर जांच की जाना चाहिए। इस याचिका के खिलाफ फिल्म से जुड़े अभिनेता अक्षय कुमार, अरशद वारसी और निर्देशक सुभाष कपूर की ओर से हाईकोर्ट में रिवीजन याचिका दायर की गई थी। इनकी तरफ से सीनियर एडवोकेट आरके अग्रवाल ने दलील दी कि किसी फिल्म की स्क्रिप्ट, सीन या संवाद पर अंतिम फैसला सेंसर बोर्ड का होता है। कोर्ट तभी हस्तक्षेप कर सकती है जब फिल्म सेंसर बोर्ड से पास होकर रिलीज हो, न कि उससे पहले।

बार एसोसिएशन की ओर से तर्क दिया गया था कि फिल्म की शूटिंग सरकारी इमारत अजमेर डीआरएम ऑफिस में बिना अनुमति के की गई है, लेकिन फिल्म निर्माताओं की ओर से अधिवक्ताओं ने अदालत को बताया कि शूटिंग की अनुमति ली गई थी और रेलवे को इसके बदले करीब 25 लाख रुपए का भुगतान भी किया है। शूटिंग 25 अप्रैल से 10 मई 2024 तक चली थी।

कोझीकोड के करीब अरब सागर में विदेशी मालवाहक जहाज में आग

सवार 22 कर्मियों में से 18 को बचाया गया, 4 अभी भी लापता

कोझीकोड। अरब सागर में केरल तट के पास एक बड़े विदेशी मालवाहक जहाज में सोमवार सुबह आग लगाने की सूचना मिली। इसके बाद इंडियन कोस्ट गार्ड ने आपात स्थिति में बचाव अभियान शुरू किया। जहाज मुंबई की ओर आ रहा था, इसमें 20 कंटेनर समुद्र में गिर गए हैं। जहाज पर सवार 22 कर्मियों में से 18 ने समुद्र में छलांग लगा दी। उन्हें बचाया गया है। चार कर्मी अब भी लापता है। बताया जा रहा हैं कि जहाज अभी डूब नहीं है, लेकिन स्थिति गंभीर बनी हुई है।

तटरक्षक बल के अनुसार घटना सोमवार तड़के करीब 40 नॉटिकल मील की दूरी पर कोझीकोड तट से हुई। जहाज पर विदेशी ध्वज है। संभवत: वह सिंगापुर का ध्वज है। आग लगने के कारण कई कंटेनर समुद्र में गिर गए, इससे पर्यावरणीय और मानवीय चिंताएं बढ़ गई हैं। तटरक्षक बल ने तुरंत बचाव जहाज और हेलीकॉप्टर तैनात किए और 18 कर्मियों को बचाव नावों में पहुंचाया गया है। शेष चार कर्मियों की तलाश और जहाज पर आग पर काबू पाने के प्रयास जारी हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि आग और विस्फोटों के कारण जहाज का ढांचा क्षतिग्रस्त हुआ है, लेकिन यह अभी जहाज तैर रहा है।

इस बीच केरल के मुख्यमंत्री ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को निर्देश दिया है कि वे एर्नाकुलम और कोझीकोड जिला कलेक्टरों को आवश्यक तैयारियां करने के लिए कहें, ताकि अगर जहाज के कर्मियों को केरल तट पर लाया जाए, तब उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा मिल सके। तटीय इलाकों में रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी है।

कल स्पेस के लिए उड़ान भरेंगे भारत के शुभांशु, फुल ड्रेस रिहर्सल पूरी, वीडियो जारी किया

नई दिल्ली। नमस्ते, मैं ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला हूं... ये गर्व भरे शब्द भारतीय वायुसेना के जांबाज टेस्ट पायलट शुभांशु शुक्ला के हैं जिन्होंने अंतरिक्ष में अपनी ऐतिहासिक उड़ान से पहले जारी एक वीडियो में यह बात कही है। 15 वर्षों तक एक कॉम्बैट पायलट रहे शुक्ला अब अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) की यात्रा करने वाले पहले भारतीय नागरिक बनने जा रहे हैं। यह ऐतिहासिक मिशन एक्सिओम स्पेस के 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत लॉन्च किया जाएगा, जिसे 'मिशन आकाश गंगा' भी कहा जा रहा है। यह निजी अंतरिक्ष उड़ान 10 जून को नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन सी213

यान के जरिए प्रक्षेपित होगी। लगभग 28 घंटे की यात्रा के बाद, यान 11 जून की रात करीब 10 बजे पर आईएसएस से जुड़ेगा।

अपनी इस यात्रा को लेकर उन्होंने कहा, शुरुआत में मेरा सपना सिर्फ उड़ान भरना था। लेकिन अंतरिक्ष यात्री बनने की राह बाद में खुली। मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं कि मुझे जीवन भर उड़ान भरने का अवसर मिला और फिर मुझे अंतरिक्ष यात्री बनने का आवेदन करने का मौका मिला। और आज मैं यहां हूं। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला, एक्सिओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन पर अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार हैं। यह भारत के लिए एक बड़ी खबर है। इस मिशन के साथ, भारत मानव अंतरिक्ष उड़ान में फिर से कदम रखने जा रहा है। शुक्ला इस मिशन के पायलट होंगे। उनके साथ मिशन कमांडर पेगी व्हिटसन (अमेरिका), मिशन विशेषज्ञ तिबोर कापू (हंगरी), पोलैंड के स्लावोस वुजनांस्की-विस्नेव्स्की (मिशन विशेषज्ञ) और यूरोपीय स्पेस एजेंसी के वैज्ञानिक शामिल भी होंगे।

यह मिशन 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा के रूसी सोयुज टी-11 से अंतरिक्ष में जाने के 41 साल बाद हो रहा है। इस मिशन में कई वैज्ञानिक अनुसंधान किए जाएंगे। इससे मानव स्वास्थ्य और पृथ्वी के बारे में नई जानकारी मिलेगी। शुभांशु शुक्ला जल्द ही अंतरिक्ष में उड़ान भरेंगे। वह एक्सीयओम स्पेस के एएक्स-4 मिशन का हिस्सा हैं। यह मिशन भारत के लिए बहुत खास है। इससे भारत एक बार फिर अंतरिक्ष में मानव मिशन भेजेगा। शुक्ला और उनकी टीम ने लॉन्च की पूरी तैयारी कर ली है। उन्होंने स्पेस एक्स टीम के साथ मिलकर काम किया है। फेलकॉन 9 रॉकेट का स्टैटिक फायर टेस्ट भी किया गया। यह टेस्ट बहुत जरूरी था। इससे रॉकेट की जांच हो जाती है। एएक्स-4 मिशन 10 जून को फ्लोरिडा से लॉन्च होगा। यह नासा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से उड़ान भरेगा। स्टैटिक फायर टेस्ट सफल रहा है। अब टीम डेटा की जांच कर रही है।

शर्मिष्ठ पनोली के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाला वजाहत खान गिरफ्तार

कोलकाता। पुणे की लॉ स्टूडेंट शर्मिष्ठ पनोली के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने वाले वजाहत खान को पश्चिम बंगाल में गिरफ्तार किया गया है। कोलकाता पुलिस ने हेट स्पीच के मामले में वजाहत खान को पकड़ा है। ऑपरेशन सिंदूर और पैंगबर मुहम्मद के खिलाफ टिप्पणी को लेकर वजाहज खान ने गुरुग्राम में रहने वाली शर्मिष्ठा पनोली के खिलाफ कोलकाता में एफआईआर दर्ज कराई थी। इसके बाद वजाहत खान की कुंडली सामने आई थी। इसमें उसके खिलाफ हिंदू देवी-देवताओं के अपमान को लेकर असम और दिल्ली में मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद कोलकाता पुलिस ने भी केस दर्ज किया था। शमिष्ठा पनोली के मामले में शिकायतकर्ता वजाहत खान की गिरफ्तारी के बार में कोलकाता पुलिस ने जानकारी दी है। कोलकाता पुलिस के अनुसार वज़ाहत खान को आज शाम एमहर्स्ट स्ट्रीट पीएस इलाके से गोल्फ़ ग्रीन पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ़ दर्ज एक मामले के सिलसिले में गिरफ़्तार किया गया। उन पर सोशल मीडिया पर कथित तौर पर नफ़रत फैलाने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में बीएनएस धारा 196(1)(ए)/299/352/353(1)(सी) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान की प्रगति कृषि विभाग की प्राथमिकता-कलेक्टर श्री मीना

अभियान में उद्यानिकी विभाग की निराशाजनक प्रगति पर कारण बताओ सूचना पत्र होगा जारी, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग में टारगेट अनुरूप प्रगति लाएंगे सीएमओ, जिले से मजदूरी के लिए पलायन कर चुके लोगों की भी इकेवायसी अत्यंत अनिवार्य

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विकसित कृषि संकल्प अभियान सहकारिता विभाग के साथ ही कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य व पशुपालन के साथ ही कृषि अभियांत्रिकी विभागों की मौजूदगी में नवीन तकनीकों के साथ ही योजनाओँ के विस्तार के लिए प्रारम्भ हुआ है। इस अभियान में कृषिगत कार्यो से जुड़े विभागों के कार्यो की समीक्षा कलेक्टर मृणाल मीना द्वारा समयावधि पत्रों की समीक्षा बैठक में की गई। कलेक्टर श्री मीना ने कहा कि अभियान अब अंतिम चरणों पर है, शेष बचें समय में पशुपालन विभाग व मत्स्य विभाग ज्यादा से ज्यादा किसानों के केसीसी कार्ड बनाने में प्रगति लाएंगे। वहीं कृषि विभाग द्वारा एकत्रित किये गए मिट्टी के नमूनों की जांच के बाद शत प्रतिशत मृदा कार्ड वितरित करेंगे। साथ ही उद्यानिकी विभाग की प्रगति निराशाजनक पाये जाने पर कलेक्टर श्री मीना ने कृषि विभाग उपसंचालक द्वारा नोटिस जारी करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा जल गंगा संवर्धन अभियान के दौरान किये गए कार्यो के सम्बंध में नगरीय निकायों के सीएमओ ने निकाय वार जानकारी दी। अभियान के दौरान नगरीय निकायों में 14 बिगड़े बाग बगीचों का सुधार किया गया। इसी तरह 39 प्याऊ स्थापित की गई, वहीं 19 तालाबो का जीर्णोद्धार, 91 कुओं की सफाई कराई गई। कलेक्टर श्री मीना ने निकायों को 30 जून तक दिए गए लक्ष्य को पूर्ण करने क्र निर्देश दिए है। बैठक के दौरान पीआईयू व पीडब्ल्यूडी के कार्यपालन यंत्रियो की अनुपस्थिति पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त करते हुए एक दिन का वेतन काटे जाने के भी निर्देश दिए है। बैठक में जिपं सीईओ अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, एसडीएम गोपाल सोनी तथा सभी विभागीय अधिकारी शामिल रहें। साथ ही अन्य विभागीय अमला गूगल मीट से जुड़ा रहा।

ड्रिप स्प्रिंकलर में 16 प्रतिशत प्रगति पर उद्यानिकी विभाग

विकसित कृषि संकल्प अभियान के सम्बंध ने जिला मत्स्य अधिकारी पूजा रोड़गे ने बताया कि 200 के टारगेट में 84 पूर्ण हो चुके है। कलेक्टर श्री मीना ने शीघ्र प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए है। उन्होंने कृषि उपसंचालक श्री खोबरागड़े तथा उद्यानिकी विभाग प्रमुख को भी सिंचाई अंतर्गत ड्रिप व स्प्रिंकलर की प्रतिशतता बढ़ाने के लिए कहा है। उद्यानिकी विभाग को ड्रिप स्प्रिंकलर के लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए गए थे। विभाग द्वारा मात्र 16 प्रतिशत प्रगति की गई। जबकि सम्भाग के जिलों में डिंडोरी को छोड़कर बालाघाट का कृषि क्षेत्र अधिक होने के बावजूद 30 प्रतिशत से कम प्रगति हुई है। इस बात पर कलेक्टर श्री मीना ने नाराजगी व्यक्त की साथ ही शेष समय में लक्ष्य पूर्ण करने की हिदायत भी दी। इस दौरान उन्होंने सोइल हेल्थ कार्ड के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। जिस पर बताया गया कि नमूने प्रयोगशाला शाला भेज दिए गए है। कलेक्टर श्री मीना ने नवीन मिट्टी परीक्षण में प्रयोगशाला में युवा उद्यमी संस्थाओ द्वारा मृदा नमूने की भी प्रगति जानी। जिसमे उन्होंने डिपार्टमेंट हेड को निर्देशित किया कि वे सुनिश्चित करे कि डीएमएफ में उनका प्रगति स्तर क्या है और कैसे इसे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही उन्होंने श्री खोबरागड़े को किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरण करने के निर्देश दिए।

सभी सीएमओ रेन वॉटर हार्वेस्टिंग में लक्ष्य अनुरूप प्रगति बढ़ाना करेंगे निर्धारित

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने जल गंगा संवर्धन अभियान की विभागों से अपडेट जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बालाघाट सीएमओ श्री कतरोलिया से अभियान अंतर्गत किये गए कार्यों की अपडेट जानकारी ली। साथ ही पीओ डूडा से जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत रेन वॉटर हार्वेस्टिंग की लक्ष्य अनुरुप प्रगति जानी। शहरी विकास परियोजना प्रभारी श्री राहुल नायक ने बताया कि रेन वॉटर हार्वेस्टिंग में बालाघाट में 1000 के लक्ष्य में 152, लांजी में 300 में 82, कटंगी में 64 और बैहर में 74 ही रेन वॉटर हार्वेस्टिंग के स्ट्रक्चर तैयार किये गए है। कलेक्टर श्री मीना ने सभी सीएमओ को लक्ष्य अनुरूप प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने सभी एसडीएम को रिव्यू करने के लिए कहा गया है।

मजदूरी के लिए पलायित हुए लोगों की रिपोर्ट बनाकर इकेवायसी करना होगा

कलेक्टर श्री मीना ने जिले में इकेवायसी की अपडेट जानकारी लेते हुए जाना कि बैहर, बिरसा एवं कटंगी में इकेवायसी की प्रगति अत्यंत कम है। वहीं बालाघाट में भी 4 दिनों में 3 प्रतिशत ही प्रगति हुई है। कलेक्टर श्री मीना ने संबंधित क्षेत्र के सीएमओ से शीघ्रता के साथ प्रगति लाने के निर्देश दिए है। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि जो व्यक्ति जिले से पलायन कर गए है उनकी रिपोर्ट बनाकर केवाईसी का कार्य सम्पन्न कराए। चूँकि शासन की योजनाओ का लाभ प्राप्त करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति की इकेवायसी होना अनिवार्य है।

समाधान की दृष्टि से करे सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण

बैठक के दौरान कलेक्टर श्री मीना ने विभागवार सीएम हेल्पलाइन लाइन के पेंडिंग प्रकरणों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया कि वे समाधान को दृष्टिगत रखते हुए सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करें। साथ ही उन्होंने 50 दिवसों से लंबित प्रकरणों को लेकर तहसीलदारों से चर्चा करते हुए शीघ्रता से केसेस निराकृत करने के लिए कहा है। कलेक्टर श्री मीना ने खैरलांजी तहसीलदार से विशेष रूप से 50 दिवसों की लंबित शिकायतों का निराकरण करने के लिए कहा है। उन्होंने सभी एसडीएम से लंबित शिकायतों को तत्प्रता के साथ निराकृत करने के निर्देश दिए है।

15 से 30 जून तक चलेंगे पीएम जनमन एवं धरती आबा के शिविर

बैठक में कलेक्टर श्री मीना ने धरती आबा एवं पीएम जनमन की प्रगति को लेकर प्रभारी सहायक आयुक्त राहुल नायक से चर्चा की। उन्होंने बताया कि जिले में 15 से 30 जून तक विशेष शिविर आयोजित किये जायेंगे। कलेक्टर श्री मीना ने शिविर का प्लान तैयार करके तथा टारगेट फिक्स करके शिविर संचालित करने के लिए कहा है।

इस बार भी हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

समय सीमा की बैठक के अंतिम चरणों मे कलेक्टर श्री मीना द्वारा सभी विभागों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन वृहद स्तर पर करने के लिए कहा गया। उन्होंने कहा कि पिछली बार की अपेक्षा इस बार और भी अधिक संख्या के साथ योग दिवस मनाया जाएगा। हर वर्ष 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। जिसमे इस बार करीब 10,000 युवाओं की संख्या में वृहद स्तर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। जिसमे नगर पालिका के साथ ही अन्य विभाग भी अपने अपने स्तर पर दायित्वों का निर्वहन सुनिश्चित करेंगे।

आवारा कुत्ते(श्वान) ने एक व्यक्ति को दांतो से काटकर किया घायल

घायल कुँवर का जिला अस्पताल में चल रहा उपचार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । खेत में काम करने गए एक व्यक्ति पर आवारा कुत्ते(श्वान)ने हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया। जिसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।श्वान के इस प्राण घातक हमले में गंभीर

रूप से घायल व्यक्ति का नाम ग्राम कोसमी वार्ड नंबर 18 निवासी 45 वर्षीय कुंवरलाल पिता नूतनलाल माहुले बताया गया है। जिसका जिला अस्पताल में उपचार जारी है।

तुवल लगाने के लिए मेड़ पर मिट्टी डाल रहा था कुंवर

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोसमी निवासी कुँवरलाल माहुले राजमिस्त्री का काम करता है ।जो बरसात को करीब देखते हुए, खेतों में तुवल लगाने के लिए खेत की मेड़ पर नई मिट्टी डाल रहा था। इसी दौरान एक आवारा कुत्ता (श्वान) कही से दौड़ते हुए आया और उसने कुँवरलाल माहुले पर अचानक से झपटा मार कर हमला कर दिया। जहां इस हमले में दांतो से काटने पर कुँवरलाल के दाहिने हाथ पर गंभीर रूप से चोट पहुंची है। तो वही शरीर के विभिन्न हिस्सों पर नाखून के निशान उभर आए हैं। उधर आवारा श्वान को हमला करते देख आसपास के परिजनो ने हल्ला मचाते हुए दौड़ लगाई ।जिस पर श्वान भाग गया। वही उनके परिजनों ने इस हमले में गंभीर रूप से घायल कुंवरलाल को उपचार के लिए जिला अस्पताल लाकर भर्ती कराया है जहां उनका उपचार जारी है।

जिले भर में भगवान बिरसा मुंडा को किया गया याद

जगह-जगह मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । सोमवार 9 जून को जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसीलो व ग्रामीण अंचलों में धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 125 वी पुण्यतिथि शहादत दिवस के रूप में मनाई गई। देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर क्रांतिकारी बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि पर जिले भर में जगह-जगह विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए ।इसी कड़ी में नगर में मप्र आदिवासी विकाश परिषद के तत्वावधान में जल, जंगल, जमीन के प्रणेता, महामानव जननायक क्रांतिसूर्य धरती आबा बिरसामुण्डा का शहादत दिवस मनाया गया। जिला अस्पताल रोड स्थित बिरसामुण्डा चौक में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान परिषद द्वारा सर्वप्रथम धरतीआबा की प्रतिमा को वंदन कर, माल्यार्पण किया गया। साथ ही बिरसा जी के मिशन ,शहादत और उनकी जीवनी पर प्रकाश डालते हुए उनके बलिदान को याद किया। वही शहादत दिवस पर पहुँचे सभी पदाधिकारियों व सदस्यों ने कार्यक्रम के अंत में प्रतिमा के समीप मोमबत्ती प्रज्ज्वलित कर दो मिनिट का मौन धारण किया ।जहाँ उन्होंने कार्यक्रम समापन के पूर्व बिरसा मुण्डा के विचारो को जन-जन तक पहुँचाने का सन्देश देते हुए पूरे देश मे सामाजिक एकता की बात रखी ।तो वही

उपस्थितजनों ने बिरसा मुंडा की जीवनी से प्रेरणा लेकर उनके नक्शे कदम पर चलने का संकल्प लिया।

बिरसा बिग्रेड सहित विभिन्न संगठनों ने भी दी श्राद्धाजंली

इस दौरान ना सिर्फ मप्र आदिवासी विकाश परिषद बल्कि बिरसा ब्रिगेड, भीम आर्मी, बीएसपी, छात्र संगठनों ने भी जननायक क्रांतिसूर्य धरतीआबा वीर बिरसा मुंडा जी का 125 वा शहादत दिवस मनाया ।जिसमें सर्वप्रथम सप्तरंगी ध्वजारोहण किया गया तत्पश्चात समाज के प्रबुद्ध जनो के महा मानव वीर बिरसा मुंडा जी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया ।जिसके उपरांत सभी साथियों ने राष्ट्रीय सलामी देते हुए उन्हें आदरांजलि अर्पित की गई ।इस अवसर पर सभी संगठनों के पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

महज 25 वर्ष की अल्पायु में दिया था बलिदान

आयोजित कार्यक्रम के दौरान पदाधिकारियो ने बताया कि धरती आबा वीर बिरसा मुंडा जी का जन्म 15 नवंबर 1875 को जन्म हुआ व 9 जून 1900 को देश की रक्षा जल,जंगल, जमीन को बचाने के लिए उन्होंने गोरिल्ला युद्ध जैसे अनेको संघर्ष किये है। 1898 का कानून भूमि संपादन अधिनियम इसी महामानव की देन है और महज 25 वर्ष की आयु में वे बलिदान हो गए। जिनकी शहादत दिवस मनाकर उनकी जीवनी से प्रेरणा ली जा रही है। हम उनकी जीवनी से प्रेरणा लेकर समाज व जल जंगल जमीन को बचाने के लिए काम करेंगे।

बिरसा मुंडा के संघर्षों से प्रेरणा ले समाज- दिनेश धुर्वे

आयोजित कार्यक्रम को लेकर की गई चर्चा के दौरान मध्य प्रदेश आदिवासी विकास परिषद जिला अध्यक्ष दिनेश धुर्वे ने बताया कि आज भगवान बिरसा मुंडा का 125 वा बलिदान दिवस है। सभी समाज के लोग उनकी पुण्यतिथि मना रहे हैं। आज सतरंगी ध्वजा फहराया गया है उनकी जीवनी पर समस्त उपस्थित जनों ने विचार रखे हैं। बिरसा मुंडा जी ने जल जंगल जमीन व स्वतंत्रता की लड़ाई लड़ी है। उन्होंने आने वाली पीढ़ी को दिशा निर्देश दिया है कि जैसा उन्होंने संघर्ष किया है वैसा समाज के लोग जल जंगल जमीन के लिए लड़ाई लड़े ।वे अन्याय के खिलाफ हमेशा संघर्ष करते रहे, उनकी इसी जीवनी से समाज के लोगों को प्रेरणा लेने की आवश्यकता है।

नौतपा की बाद तप रहे मौसम पर बारिश ने लगाया ब्रेक

भीषण गर्मी के बीच देर शाम तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश, चिल्लाती धूप,व उमस भरी गर्मी से मिली राहत, 11 जून तक रोजाना बारिश की जताई गई संभावना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । नौतपा समाप्त होने के बाद रोजाना भट्टी की माफिक तप रहे तापमान पर सोमवार की शाम को हुई झमाझम बारिश ने अचानक से ब्रेक लगा दिया। जिसके चलते नगर वासियों को चिलचिलाती धूप, उमस और भीषण गर्मी से काफी हद तक राहत मिल गई। तो वही मौसम में आए अचानक बदलाव के साथ तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। आपको बताएं कि 25 मई से नौतपा की शुरुआत हुई थी, जो 2 जून तक रही। लेकिन अमूमन दिनों में नौतपा में लगने वाली भीषण गर्मी इस नौतपा में नहीं लगी। जहां नरम-गरम मौसम के बीच प्री मानसून के जिले में प्रवेश के चलते दो-तीन दिनों को छोड़कर नौतपा के ज्यादातर दिनो में प्री-मानसूनी बारिश होती रही। लेकिन नौतपा के बाद भीषण गर्मी ने एक बार फिर अपना रौद्र रूप दिखा दिया और 2 जून के बाद से ही जिले भर में भीषण गर्मी देखी जा रही थी। मानसून की लेट लतीफी के चलते जिले भर में पड़ रही इस भीषण गर्मी ने एक बार फिर अपने पैर पसार लिए । जहां जिले भर में भट्टी की माफिक तापमान लगातार बढ़ता जा रहा था। जहा चिल्लाती धूप से लोग रोजाना ही हलाकान हो रहे थे ।लेकिन सोमवार की शाम करीब 6:30 बजे मौसम ने एक बार फिर करवट बदली और मौसम में अचानक बदलाव आ गया। जहां शाम करीब 6:45 बजे नीले आसमान को काले बादलों ने घेरना शुरू कर दिया और हल्की हवाओं के साथ-साथ 7 बजे हल्की बूंदाबादी के साथ अचानक झमाझम बारिश शुरू हो गई। जो करीब आधे घंटे यानी रात्रि 08 बजे तक चलती रही। जिससे भीषण गर्मी और उमस से लोगों को काफी ज्यादा राहत मिल गई। तो वही देर शाम हुई इस झमाझम बारिश ने तापमान को एक बार फिर से धराशाही कर दिया।

दो बार बदला नगर का मौसम

पिछले चार-पांच दिनों से जिले भर में भीषण गर्मी देखी जा रही है। सोमवार की सुबह से लेकर शाम करीब 4 बजे तक अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, तो वही न्यूनतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। वही रोजाना पड़ रही इस भीषण गर्मी से लोगों को नौतपे का एहसास होता रहा। लेकिन शाम 4 के दरमियान एक बार फिर मौसम में बदलाव आया और मौसम शुष्क हो गया जिसके साथ ही हल्की बूंदाबांदी

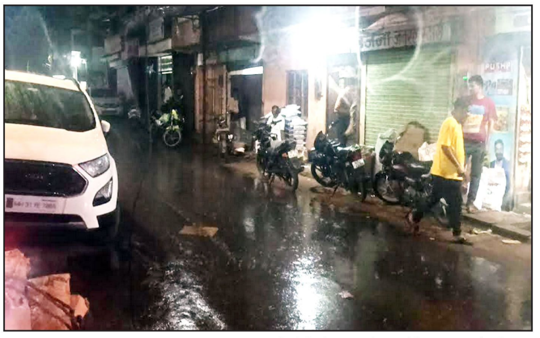

भी देखने को मिली। लेकिन ये बदलाव बहुत ज्यादा देर तक नहीं रहा और मौसम एक बार फिर से खुल गया। वहीं शाम 5 बजे के बाद एक बार फिर मौसम में बदलाव देखा गया। जहां मौसम साफ होते ही भीषण गर्मी और उमस से लोग हलाकान होते रहे। लेकिन शाम 7 बजे के बाद एक बार फिर मौसम में बदलाव आया और नगर में झमाझम बारिश शुरू हो गई, जो रात्रि करीब 8 बजे तक चलती रही।

तापमान हुआ धराशाही 9 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़का

बीते 2 जून को नौतपा खत्म होने के बाद, नौतपे से ज्यादा गर्मी ने लोगों को हलाकान कर रखा था, लेकिन सोमवार की देरशाम को तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से लोगों को पड़ रही तेज गर्मी से राहत मिली है। सोमवार को देरशाम हुई बारिश से पूर्व दोपहर में हल्की बूंदाबांदी हुई थी लेकिन उसके बाद मौसम खुल गया था, लेकिन देरशाम लगभग 7:30 बजे, एकाएक तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई, जो रात्रि करीब 8 बजे तक चली जिसके उपरांत करीब आधा घन्टे यानी रात्रि करीब 8:30 बजे तक बुंदाबांदी होती रही। मौसम में आए अचानक बदलाव के बीच नगर का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से लुढ़कर सीधे 33 डिग्री सेल्सीयस पर आ गया ।जिससे नगरवासियों को काफी राहत मिली है।

11 जून तक इसी तरह बना रहेगा मौसम

बीते जनवरी में पूरे नौतपा के दौरान, बारिश और हवाओं के कारण, मौसम, उतना गर्म नहीं था लेकिन, नौतपा के बाद तेज धूप और गर्मी ने लोगों को हलाकान कर रखा था। सोमवार शाम को ही जिले का अधिकत्तम तापमान लुढकर 36 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। उधर मौसम में आए अचानक इस बदलाव के बीच मौसम विभाग ने 11 जून तक मौसम के कुछ इसी तरह बने रहने के संकेत जारी किए है दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला कृषि मौसम इकाई के वैज्ञानिक धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रिय कार्यालय भोपाल से जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार बालाघाट जिले में आगामी 11 जून तक की अवधी में हल्की वर्षा के साथ मध्यम बादल छाए रहने की संभावना है।

जिला पंचायत स्वास्थ्य एवं महिला बाल कल्याण समिति की बैठक 11 जून को

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला पंचायत की स्वास्थ्य एवं महिला बाल कल्याण स्थाई समिति की मासिक समीक्षा बैठक 11 जून को दोपहर 01 बजे समिति की सभापति श्रीमती केशर बिसेन की

एक व्यक्ति की मोटरसाइकिल सहित नहर के पुलिया में गिरने से मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के रूपझर थाने के ग्राम नकटाटोला से दलदला के बीच एक व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित नहर के पुलिया में गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गया जिसकी मौके पर मौत हो गई। मृतक नरबद मरकाम पिता घुरकु मरकाम 45 वर्ष नक्काटोला दलदला निवासी है। 8 जून को दोपहर में यह घटना उसे समय हुई जब यह व्यक्ति अपनी पत्नी को लेने के लिए नारंगी जा रहा था। उकवा पुलिस ने इस व्यक्ति का शॉप पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों का शव दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार नरबद मरकाम अपने परिवार के साथ खेती मजदूरी करता था जिसके परिवार में दो बच्चे और पत्नी हैं । इन दिनों नरबद मरकाम की पत्नी अपने मायके ग्राम नारंगी में थी। 8 जून को दोपहर नरबद मरकाम अपने गांव नक्का टोला से मोटरसाइकिल में अपनी पत्नी को लाने के लिए अपने ससुराल नारंगी जा रहा था। नकटा टोला से दलदला के बीच नरबद मरकाम मोटरसाइकिल सहित नहर के पुलिया में गिर गया सर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई खबर मिलते ही परिवार के लोग मौके पर पहुंचे और और नरबद मरकाम को उकवा के अस्पताल ले गए जिसे डॉक्टर मृत घोषित कर दिया। जिसकी रिपोर्ट नरबद मरकाम के बेटे सुनील मरकाम 21 वर्ष में उकवा पुलिस चौकी में की थी। प्रधान आरक्षक देवेंद्र बिसेन ने उकवा अस्पताल पहुंचकर नरबद मरकाम का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच शुरू की है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

तहसील न्यायालय में नहीं बैठते तहसीलदार, अधिवक्ता और पक्षकारों ने लगाए आरोप

बालाघाट तहसीलदार ने कहा 2 दिन लगता है न्यायालय, लगाए गए आरोप है निराधार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कुछ पक्षकारों के साथ-साथ अधिवक्ताओं ने भी बालाघाट तहसीलदार पर आरोप लगाते हुए कहा कि तहसीलदार तहसील में नहीं बैठ रहे हैं। जिससे ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले पक्षकारों के साथ-साथ अधिवक्ताओं को भी घंटो तहसील कार्यालय में इंतजार करना पड़ रहा है। जिससे पक्षकारों के साथ-साथ अधिवक्ता भी परेशान हो रहे हैं । कुछ पक्षकार तो सुबह 11:00 बजे से तहसील कार्यालय आ जाते हैं जो शाम तक तहसीलदार के आने का इंतजार करते रहते हैं । जिसको लेकर अधिवक्ताओं ने विरोध स्वरुप तहसीलदार को हटाने की मांग भी की हैं । इस पूरे विषय पर जब हमारे द्वारा बालाघाट तहसीलदार भूपेंद्रसिंह अहिरवार से चर्चा की तो उन्होंने बताया कि वह बराबर तहसील कार्यालय सहित लगने वाली तहसील न्यायालय में बैठते हैं । तहसीलदार के अलग-अलग कार्य होते हैं । कलेक्ट्रेट में आवश्यक बैठक होने के कारण उन्हें उन बैठकों के लिए कलेक्टर कार्यालय में बैठना होता है । पक्षकारों को नोटिस दी जाती है वही तैय समय न्यायालय पहुचते हैं और तहसील न्यायालय में उपस्थित होने का समय भी चस्पा कर रखा गया है । जो उन पर आरोप लगाए गए हैं वह निराधार हैं और जिन अधिवक्ता द्वारा उन पर आरोप लगाया गया है उनके द्वारा एक मामले में बिना जांच किए ही मामले पर कार्यवाही करने की बात कह रहे थे , जिस कारण उन्होंने इस प्रकार के आरोप उन पर लगाए हैं।

आपको बता दे की बालाघाट तहसीलदार के न्यायालय में नहीं बैठने और पक्षकारों की सुनवाई में हो रही देरी पर अधिवक्ताओं ने नाराजगी जताई। शाम लगभग 4.30 से 5 बजे के बीच, जिला अधिवक्ता संघ सचिव अधि. महेन्द्र बिसेन के साथ ही अन्य पक्षकारों ने तहसील न्यायालय में तहसीलदार के नहीं बैठने और समय पर सुनवाई नहीं होने पर नाराजगी जताते हुए नारेबाजी की और बालाघाट तहसीलदार पर आरोप लगाए कि वह तहसील न्यायालय में नहीं बैठते और पक्षकारों सहित अधिवक्ताओं को घंटे तहसील कार्यालय में उनके आने का इंतजार करना पड़ता है । पक्षकार सहित अधिवक्ताओं की सुनवाई नहीं हो रही हैं और उन्हें परेशान करने का काम कर रहे हैं, जबकि कुछ पक्षकार ऐसे भी थे जो सुबह 11:00 बजे से आकर तहसील कार्यालय में बैठे थे, जो सिर्फ तहसील न्यायालय लगने का इंतजार कर रहे थे , जिसको लेकर अधिवक्ताओं का एक समूह भी तहसीलदार बालाघाट से मिलने पहुंचा , जहां आपसी चर्चा के बाद विरोध शांत हुआ और कुछ अधिवक्ता सहित पक्षकारों द्वारा अपनी बात मीडिया के सामने रखी गई । इस पूरे मामले पर तहसीलदार बालाघाट ने भी बताया कि जो आरोप उन पर लग रहे हैं वह निराधार हैं , उन्हें कलेक्ट्रेट कार्यालय में होने वाली टी.एल और जनसुनवाई में उपस्थित होना होता हैं इस कारण उन्हें कुछ घंटों के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में जाना होता है साथ ही सप्ताह में कुछ दिन ही तहसील न्यायालय लगता है और पक्षकारों को नोटिस देकर समय पर बुलाया जाता है और जिसका पूरा टाइम टेबल भी तहसील ऑफिस में लगा दिया गया है जो आरोप लग रहे हैं वह निराधार हैं।

सुनवाई नहीं होने से निराश होकर लौटते है - महेन्द्र बिसेन

अधिवक्ता संघ सचिव अधि. महेन्द्र बिसेन ने बताया कि तहसीलदार के न्यायालय में नही बैठने से पक्षकारों की सुनवाई नहीं हो रही है। तहसीलदार, अपनी मनमर्जी से काम कर है। पक्षकार, लोग दिन भर न्यायालय में बैठे रहते है और न्यायालय के खत्म होने के बाद सुनवाई नहीं होने से निराश होकर लौटते है।

पक्षकार परेशान हो रहे है-गीतेश्वरी

अधि. गीतेश्वरी कुंजाम ने बताया कि धारणाधिकार का प्रकरण न्यायालय में लंबित है, यहां आने पर कार्यालय के कर्मचारी, पूछने पर ठीक से जानकारी नहीं देते है। जिससे पक्षकार परेशान हो रहे है।

मायुस होकर घर लौट जाते है - प्रभुदास

पक्षकार प्रभुदास गणवीर की मानें तो नवंबर से बाउंड्रीवाल का विवाद तहसील न्यायालय में लगा है, जिसका अब तक निराकरण नहीं हो सका है। जिससे रोजाना ही वे यहां आकर, सुनवाई नहीं होने से मायुस होकर घर लौट जाते है।

जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह निराधार हैं - भूपेन्द्र अहिरवार

हालांकि इस मामले में तहसीलदार भूपेन्द्र अहिरवार ने बताया कि कार्यदिवस में सोमवार को टीएल बैठक और मंगलवार को जनसुनवाई होने से, उन्हें, वहां उपस्थित होना पड़ता है। बुधवार और शुक्रवार को तहसील न्यायालय लगता है। जबकि गुरूवार को क्षेत्र में भ्रमण का दिन निर्धारित है। जिसकी संपूर्ण जानकारी तहसील कार्यालय और उनके चेंबर पर चस्पा कर दी गई है। आमजन के लिए वह शासकीय समय के बाद भी कार्यालय में उपस्थित रहते है। सभी अधिवक्ताओं के पास उनके नंबर है, वह उनसे दूरभाष पर चर्चा कर सकते है। यहां, पक्षकारो को नोटिस के बाद ही बुलाया जाता है, अनावश्यक किसी को कोई परेशान नहीं किया जाता। जो आरोप लगाए जा रहे हैं वह सभी निराधार हैं ।

कोर्ट में चल रहा है केस में राजीनामा नहीं करवाने की रंजिश

एक व्यक्ति ने घर में घुसकर अपने पिता से की मारपीट तो पटक कर किया घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) ।बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम चरचेंडी में एक व्यक्ति ने घर में घुसकर अपने पिता को हाथ बुक्के से मारपीट किया और गले को पकड़ कर जमीन में पटक कर घायल कर दिया। 8 जून की रात्रि 10:00 बजे करीब यह घटना कोर्ट में चल रहे केस में राजीनामा नहीं करवाने की रंजिश को लेकर हुई। मारपीट में घायल व्यक्ति शंकर लाल पिता पतिराम ठाकरे 56 वर्ष ग्राम चरचेंडी निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया वहीं इस व्यक्ति द्वारा की गई रिपोर्ट पर बिरसा पुलिस ने इस व्यक्ति के बेटे सोन सिंह पिता शंकर लाल ठाकरे 36 वर्ष के विरुद्ध घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है। प्राप्त जानकारी अनुसार शंकर लाल ठाकरे खेती किसानी करते हैं। जिनके परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं तीनों बेटियों और एक बड़े बेटे सोन सिंह की शादी हो गई है। सोहन सिंह अपने परिवार के साथ एक ही मकान में अलग रहता है ।शंकर लाल अपने छोटे बेटे अजय ठाकरे के साथ में रहता है। बताया गया है कि सोन सिंह ठाकरे अपने पिता शंकरलाल ठाकरे के साथ आए दिन विवाद करते रहता है। पिछले साल घरेलू बातों को लेकर शंकर लाल को उसके बेटे सोन सिंह ने अपनी पत्नी के साथ मारपीट किया था। जिसकी रिपोर्ट शंकरलल ने की थी और यह मामला अभी न्यायालय में चल रहा है। सोन सिंह इस केस में राजीनामा करवाने के लिए अपने पिता शंकर लाल ठाकरे पर दबाव बना रहा है किंतु शंकर लाल ठाकरे राजीनामा नहीं करवा रहा है। 8 जून की रात्रि 10:00 बजे शंकर लाल ठाकरे खाना खाकर अपने घर के दरवाजा बंद कर परिवार के साथ सो रहा था ।तभी उसका बेटा सोन सिंह कमरे के सामने आया और बोलने लगा कि मेरी पत्नी के खिलाफ थाना में रिपोर्ट किए हो और राजीनामा नहीं कर रहे हो यह कहकर सोन सिंह अपने पिता शंकरलाल को अश्लील गालियां देने लगा। शंकरलाल ने दरवाजा नहीं खोला तभी सोन सिंह के द्वारा दरवाजे को जोर से धक्का देने के कारण दरवाजे का कुंडा अंदर से खुल गया ।जिसके बाद सोन सिंह ने घर के अंदर घुसकर अपने पिता को हाथबुक्के से बेरहमी पूर्वक मारपीट किया और गले को पड़कर जमीन पटक दिया और कोर्ट में राजीनामा नहीं करवाने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट करने से शंकर लाल ठाकरे घायल हो चुका था ।बीच बचाव के बाद शंकर लाल ठाकरे अपनी पत्नी भागवती बाई के साथ रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचा ।बिरसा पुलिस ने मारपीट में घायल शंकर ठाकरे का इलाज मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाया और बिरसा थाने की सहायक उप निरीक्षक शिवलाल परते ने शंकर लाल ठाकरे द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके बेटे सोन सिंह ठाकरे के विरुद्ध धारा 296 115(2) 351(3) 333 भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

जिला चिकित्सालय के जनरेटर में लगी आग, बड़ी घटना टली

जिला चिकित्सालय में नहीं है एक भी इलेक्ट्रीशियन, सिविल सर्जन ने जाहिर की चिंता

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिला चिकित्सालय के परिसर में उस समय भागा-दौड़ी मच गई जब अचानक से अस्पताल के जनरेटर में धुआं निकलने के साथ-साथ आग लग गई । बताया जा रहा था कि यहाँ जनरेटर की बैटरियों में शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लगी थी । धीरे-धीरे बैटरी में विस्फोट होना भी शुरू हो गया था , गनीमत रहा की अस्पताल प्रबंधन द्वारा तुरंत ही फायर ब्रिगेड को सूचित कर बढ़ती आग पर काबू पाया गया, जबकि यह पूरी घटना जिला चिकित्सालय के परिसर में घटित हो रही थी, जहां पर ब्लड बैंक से लेकर पैथोलॉजी लैब संचालित होती है तो इसके पीछे ऑक्सीजन प्लांट भी लगा हुआ है । यदि जल्द ही बढ़ती आग पर काबू नहीं पाया जाता तो निश्चित ही अस्पताल परिसर में एक बड़ी घटना घट सकती थी । सूत्रों से जानकारी यह भी मिल रही है कि पूरे जिला चिकित्सालय में संचालित जनरेटर आदि सुविधाओं के लिए एक भी इलेक्ट्रीशियन नहीं है। यह एक बहुत ही गंभीर विषय है , जिसको लेकर स्वयं सिविल सर्जन भी चिंतित हैं। इस पूरी घटना के दौरान स्वयं सिविल सर्जन भी उपस्थित रहे और फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों ने बढ़ती आग पर काबू पाया । आपको बता दे की इन दिनों गर्मी का समय होने के कारण दिन में टेंपरेचर बढ़ा हुआ होता है और यही कारण है कि शॉर्ट सर्किट जैसी घटनाएं घटित होती है। जिसका एक उदाहरण जिला चिकित्सालय के परिसर में देखने को मिला यहां 9 जून को

शाम 5:30 बजे के समय जनरेटर में धुँआ निकलने के साथ-साथ आग लग गई। जिसे देखकर यहां उपस्थित मरीजों के परिजन और जिला चिकित्सालय के कर्मचारी डर गए और जनरेटर के पास भागा, दौड़ी का माहौल निर्मित हो गया। इसकी सूचना तुरंत ही सिविल सर्जन निलय जैन के साथ-साथ फायर ब्रिगेड को दी गई, इसके बाद तुरंत ही जिला चिकित्सालय में फायर विभाग के कर्मचारी पहुंचे जिन्होंने बढ़ती आग को बुझाया । जिला चिकित्सालय में एक साथ तीन से चार जनरेटर लगे हुए हैं, जिनमें से एक जनरेटर की बैटरी में शाट सर्किट होने की वजह से आग लग गई । गनीमत रहा की आग लगने के तुरंत बाद ही आग पर काबू पा लिया गया और कोई बड़ी दुर्घटना यहां नहीं घटी , जबकि देखा जाए तो जिस स्थान पर जनरेटर लगे हैं उसी से ब्लड बैंक के साथ-साथ पैथोलॉजी लैब भी संचालित होती है तो वही जनरेटर के पीछे ऑक्सीजन प्लांट भी लगा हुआ है, यदि समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो निश्चित ही जिला चिकित्सालय परिसर में कोई भी बड़ी दुर्घटना घट सकती थी । बताया यह भी जा रहा है कि इस पूरे जिला चिकित्सालय में इलेक्ट्रीशियन नहीं है , जबकि यहां जनरेटर संचालित होते हैं और आए दिन विद्युत को लेकर कहीं ना कहीं समस्या बनी होती है, जिसको लेकर स्वयं सिविल सर्जन ने भी चिंता जाहिर की कि कहीं ना कहीं जिला चिकित्सालय में दो से तीन इलेक्ट्रीशियन होना आवश्यक है जो इस प्रकार की घटना के समय विद्युत को बंद कर सके ।

जिला चिकित्सालय में नहीं है एक भी इलेक्ट्रीशियन

सूत्रों से यह भी जानकारी मिल रही है कि जिला चिकित्सालय में अभी भी कुछ अति आवश्यक सेवा के लिए कोई कर्मचारी नहीं है, जिसमें विद्युत सबंधित भी कोई एक्सपर्ट इलेक्ट्रीशियन नहीं है। जबकि जिला चिकित्सालय में दो से तीन एक्सपर्ट इलेक्ट्रीशियन होना अति आवश्यक है इसको लेकर स्वयं सिविल सर्जन निलय जैन ने भी चिंता जाहिर की है।

जनरेटर में आग लग गई थी - निलय जैन

इस पूरे विषय को लेकर सिविल सर्जन निलय जैन द्वारा बताया गया कि इन दिनों तापमान अधिक बढ़ा हुआ है , जिससे जनरेटर की बैटरी ओवर हिट हो गई और जनरेटर में आग लग गई । जिस पर तुरंत ही उनके द्वारा फायर ब्रिगेड सहित फायर कर्मचारी को बुलाकर आग पर समय रहते काबू पा लिया गया है । कोई बड़ी घटना नहीं घटी है सिर्फ अधिक तापमान बढ़ने से बैटरी में आग लगी और जनरेटर की बैटरी जलकर खराब हो गई है। कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है और वह जल्द ही सर्विस इंजीनियर बुलाकर जनरेटर को रिपेयर करवाएंगे ।

जबलपुर केटीसी कप कराटे राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

अलग अलग विधाओं में गोल्ड सिल्वर,बॉन्स सहित झटके 19 कप मैडल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जबलपुर में आयोजित केटीसी कप कराटे प्रतियोगिता में बालाघाट के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल का प्रदर्शन करते हुए, 19 मैडल अपने नाम किए है। जबलपुर में आयोजित इस राज्य स्तरीय केटीसी कप कराटे प्रतियोगिता में गोल्ड सिल्वर बॉन्स सहित 19 मैडल हासिल करने में जिले के खिलाड़ियों को सफलता हाथ लगी है ।आपको बताए कि जबलपुर में आयोजित इस 13वीं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में कराते एंड फिटनेस एकेडमी के 07 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अपनी प्रतिभा का हुनर पेश करते हुए 8 मैडल जीते है। तो वही कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ 06 खिलाड़ियों ने 11 मैडल हासिल कर जिले को गौरान्वित किया है ।ज्ञात हो कि जबलपुर में आयोजितओपन स्टेट के टी सी कप प्रतियोगिता में बालाघाट के खिलाड़ियों ने जीत हासिल कर अलग-अलग विधाओं में 19 मैडल कप प्राप्त किया। यह प्रतियोगिता 8 जून को राइट टाउन स्टेडियम जबलपुर में मध्य प्रदेश के कोषाध्यक्ष राजेंद्र धौलपुरी द्वारा आयोजित की गई थी। जिसमें बालाघाट जिले के अलावा इंदौर ,देवास, धार ,और अन्य जिलो की टीमें भी शामिल हुई थी।

कराते एंड फिटनेस एकेडमी के खिलाड़ियों ने झटके 8 मैडल

आयोजित प्रतियोगिता को लेकर अकादमी के प्रमुख प्रशिक्षक सेन्सेई लक्की मड़ावी(ब्लैक बेल्ट 2 डॉन) ने बताया कि इन खिलाड़ियों ने अपने-अपने वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले का नाम गौरवान्वित किया है ।जहा बालक वर्ग में आराध्य पिता दुर्गेश मोहारे ने फाइट में सिल्वर मेडल, शिवम् पिता हीरालाल बावनकर ने फाइट में सिल्वर मेडल,आरुणय पिता संदीप निकुशे ने फाइट में बॉन्स मेडल तो वही शुभ पिता दुर्गेश सरवारी ने फाइट में गोल्ड मेडल हासिल किया है। इसी तरह बालिका वर्ग में एंजल पिता दुर्गेश मोहारे ने फाइट में ब्रॉन्ज मेडल, शौर्या पिता चंद्रशेखर पाण्डेय ने फाइट में गोल्ड मेडल एवं काता में ब्रॉन्ज मेडल तो वही वैभवी पिता अजय पिछोड़े ने फाइट में सिल्वर मेडल हासिल किया है। खिलाड़ियों को मिली इस उपलब्धि पर सेन्सेई लक्की मड़ावी ने खिलाडियों की कड़ी मेहनत, अनुशासन और समर्पण की सराहना की और सभी को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि जिले में कराटे जैसे मार्शल आर्ट्स की लोकप्रियता और स्तर में हो रही वृद्धि को दर्शाती है।

कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ के खिलाड़ियों को मिले 11 कप

उधर बालाघाट खेल एवं कल्याण विभाग जिला खेल अधिकारी कृष्ण कुमार चौरसिया के मार्गदर्शन में कराटे स्पोर्ट्स प्रशिक्षण एवं एजुकेशन संघ के मुख्य प्रशिक्षक कटंगी युवा समन्वयक संतोष पारधी के नेतृत्व में बालाघाट जिले के 6 खिलाड़ी छात्राओं ने कराटे की अलग-अलग विद्या कता कुमीते मे जीत हासिल कर 11 कप प्राप्त किया है। प्रतिभागी खिलाड़ी छात्रा विकासखंड कटंगी से रोशनी ठाकरे तृतीय स्थान प्राप्त कर कराटे की दो अलग-अलग विधाओं में 02 कप प्राप्त किया, मिताली बनवारी द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त कर 01 कप प्राप्त किया गया। तो दिविता राऊत द्वारा द्वितीय स्थान तथा तृतीय स्थान प्राप्त कर 01 कप प्राप्त किया।वही सृष्टि बनवारी द्वारा तृतीय स्थान प्राप्त कर दो अलग-अलग विधाओं में 02 कप प्राप्त किया गया। विनीता उईके द्वारा द्वितीय स्थान प्राप्त कर अलग-अलग विधाओं में 02 कप प्राप्त किया। वंदना उईके द्वारा फाइट विद्या में प्रथम स्थान तथा कता विद्या में तृतीय स्थान प्राप्त कर एक एक कप प्राप्त किया। खिलाड़ियों द्वारा प्रतियोगिता में उक्त स्थान प्राप्त कर जीत हासिल करने सभी खिलाड़ियों को संस्था संरक्षक अनिल धुवारे उपाध्यक्ष रविंद्र भाटिया सह सचिव चंद्रकांत पीपलेवार सदस्य राजेंद्र बल्ले, शुभम मनेश्वर, विनय श्रीवास्तव, मोहित मूल द्वारा विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएं तथा बधाई दी है।

दो व्यक्ति को सांप ने काटा- जिला अस्पताल में भर्ती

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। अलग-अलग क्षेत्र में सांप के काटने से पीडति दो व्यक्ति को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है। दोनों व्यक्ति जिन्हें महेश पिता यादव राव खोबरागड़े 42 वर्ष ग्राम तिलपेवाड़ा थाना हट्टा और प्रणव पिता देव कुमार सोनवाने 32 वर्ष वार्ड नंबर 11 भरवेली निवासी है। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रणव सोनवाने मजदूरी करते हैं। 8 जून की शाम 6:30 बजे घर के पीछे पानी की टंकी में सांप था वहीं पर घर मोहल्ले के बच्चे भी खेल रहे थे। प्रणव सोनवाने ने टंकी से सांप को पकड़ कर बाहर निकाल तभी सांप ने प्रणव सोनवाने के दाहिने हाथ के अंगूठे के पास काट दिया ।तेज दर्द होने पर प्रणव अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल में इलाज करवाने जिला अस्पताल पहुंचा। जिनका इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। 8 जून की सुबह महेश खोबरागड़े ग्राम तिलपेवाड़ा निवासी अपने घर की बाड़ी की साफ सफाई कर रहे थे। तभी उनके बाएं हाथ में सांप ने काट दिया। महेश खोबरागड़े ने गांव के डॉक्टर से इलाज करवाया और घर पहुंचे ही थे कि महेश खोबरागड़े को चक्कर आने और सीने में जलन होने पर महेश खोबरागड़े को उसकी पत्नी ने 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती की।

ग्रामीण और भरवेली थाना क्षेत्र में सप्ताह भर से पागल कुत्ते आंतक

रोज दर्जन भर लोग इस पागल कुत्ते के काटने से हो रहे जख्मी

हीमोग्लोबिन का इंजेक्शन नहीं होने से जिला अस्पताल से किये जा रहे हैं गोंदिया रेफर

बालाघाट(पद्मेश न्यूज) । नगर से लगे दो थाना क्षेत्र में आने वाले गांव में पिछले सप्ताह भर से पागल कुत्ते ने आतंक मचा रखा है। इस पागल कुत्ते ने अब तक के तीन दर्जन से अधिक लोगों के अलावा जानवरों को काटकर जख्मी कर चुका है। इन सभी लोगों का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया किंतु इस जिला अस्पताल में रेबीज का वैक्सीन तो है किंतु हीमोग्लोबिन का इंजेक्शन नही होने से कुत्ते काटने से जख्मी सभी लोगों को जिला अस्पताल से हीमोग्लोबिन का इंजेक्शन लगाने के लिए गोंदिया रेफर किया जा रहा है। 9 जून को पागल कुत्ते से कटने से जख्मी करीब एक दर्जन लोगों को जिला अस्पताल से हीमोग्लोबिन इंजेक्शन के लिए गोंदिया रेफर किया गया। जानकारी के मुताबिक पिछले दो दिनों के भीतर करीब एक दर्जन महिला पुरुषों को इस पागल कुत्ते ने काट कर जख्मी कर दिया। 9 जून को ग्रामीण थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बोरी कटंगी इसके अलावा इस पागल कुत्ते ने भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भानपुर ,सुरवाही में आंतक मचाते हुए हुए ब ? बूढे बच्चे को काटकर जख्मी कर दिया ।बताया गया है कि 9 जून को दोपहर में भोलाराम राऊत 65 वर्ष बोरी निवासी जब अपने खेत जा रहा था तभी इस पागल कुत्ते ने हमला कर इस व्यक्ति को घायल कर दिया। इसी प्रकार इसी ग्राम में छोटेलाल राऊत अपने घर में बाथरूम में नहा रहे थे तभी इस पागल कुत्ते ने बाथरूम में घुसकर छोटे लाल राऊत पर हमला करते हुए उसे जख्मी कर दिए। ग्राम कटंगी में जब बसंती बाई कारसर्फे 50 वर्ष जब अपने घर के सामने झाड़ू लगा रही थी तभी इस पागल कुत्ते ने हमला करते हुए इस महिला के पैर को काटकर जख्मी कर दिया शाम 5:00 बजे भरवेली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम भानपुर में जब 10 वर्षीय बालक हिमांशु बुरे अपने घर से साइकल में दुकान जा रहा था तभी इस पागल कुत्ते ने इस बालक पर हमला कर दिया। इसी प्रकार अशोक राउत अपने घर से दुकान जा रहा था तभी पागल कुत्ते ने इस व्यक्ति को हमला करके घायल कर दिया। ग्राम सुरवाही जब राकेश बाहेश्वर का बेटा ऋतिक बाहेश्वर 11 वर्ष गांव में खेल रहा था तभी इस पागल कुत्ते ने इस बालक को भी हमला करके जख्मी कर दिया ।पागल कुत्ते के काटने से जख्मी सभी लोगों को जिला अस्पताल लाकर उनका इलाज करवाया गया। बताया गया है कि जिला अस्पताल में रेबीज का वेक्सीन तो है किंतु हीमोग्लोबिन का इंजेक्शन नहीं होने से इन सभी लोगों को जिला अस्पताल से गोंदिया हीमोग्लोबिन का इंजेक्शन लगवाने के लिए रेफर किया जा रहा है।

टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर जीर्णशीर्ण होने से किसानों के खेतों तक नही पहुंचेगा पानी

किसानों ने नहर में उगे झाड़ियों की सफाई कर मरम्मत या सीमेंटीकरण नहर का निर्माण करवाने की शासन-प्रशासन से की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत टेकाड़ी ला. स्थित सर्राटी जलाशय तालाब से निकली टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर से ग्राम टेकाड़ी, चिचगांव, साल्हे ला. सहित अन्य ग्रामों के किसानों को फसल में सिंचाई के लिए पानी मिलता है परन्तु लंबे समय से इस माइनर नहर का मरम्मत कार्य नही होने के कारण जगह-जगह से नहर क्षतिग्रस्त हो चुकी है एवं झाड़ियां भी उग चुकी है। वहीं पूर्व में जल संसाधन विभाग के द्वारा किसानों से कहा गया था कि नहर का सीमेन्टीकरण किया जायेगा, लेकिन अब तक नही किया गया है। जिसके कारण नहर जर्जर हो चुकी है एवं नहर के पार व अंदर में झाड़ियां अधिक उग जाने से कुछ स्थानों पर नहर है या नही समझ ही नहीं आता है। ऐसी स्थिति में बरसात के दिनों में किसानों के खेतों में लगने वाली खरीफ सीजन की फसल में सिंचाई के लिए पानी नही मिल पायेगा। जिससे सैकड़ों हेक्टेयर खेती में लगने वाली धान की फसल प्रभावित होने के साथ ही किसानों को उत्पादन भी कम होगा। जबकि लंबे समय से किसानों के द्वारा टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर का मरम्मत या फिर सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण करवाये जाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे किसानों को शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है। जल्द जीर्णशीर्ण माइनर नहर का मरम्मत एवं झाड़ियों की साफ-सफाई नही करवाई गई तो इस वर्ष भी किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पायेगा जिससे पानी के अभाव में उनकी फसल खराब हो सकती है।

खेतों तक पानी नही पहुंचने पर सैकड़ों हेक्टेयर में लगने वाली फसल हो सकती है प्रभावित

आपकों बता दें कि टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय पर बांध बनाकर क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध करवाने के लिए वर्षों पूर्व टेकाड़ी ला. से अलग-अलग क्षेत्र के किसानों को पानी प्रदाय करने के लिए माइनर नहर का निर्माण किया गया है। जिसमें रामजीटोला माइनर नहर का दो वर्ष पूर्व सीमेन्टीकरण निर्माण कर दिया गया है। लेकिन टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर का अब तक सीमेन्टीकरण नही किया गया है। जबकि इस माइनर नहर से टेकाड़ी ला. चिचगांव, साल्हे ला. के किसानों के खेतों में पानी जाता है और क्षेत्तीय किसान खरीफ व रबी सीजन में लगने वाली फसल में सिंचाई कर उत्पादन लेते है परन्तु देखरेख के अभाव में नहर जीर्णशीर्ण हो चुकी है एवं मिट्टी कटाव होने के कारण जगह-जगह से नहर क्षतिग्रस्त होने लगी है एवं लंबे समय से झाड़ियों की सफाई नही होने से झाड़ियां भी उग चुकी है। जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। बावजूद उसके जल संसाधन विभाग के द्वारा किसानों से पानी की टैक्स प्रतिवर्ष लिया जाता है। साथ ही किसानों के द्वारा लंबे समय से इस माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की मांग कर रहे है। लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे किसानों में भारी आक्रोश व्याप्त है। जल्द जीर्णशीर्ण माइनर नहर का मरम्मत व सीमेन्टीकरण कार्य नही किया गया तो किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पायेगा। जिससे सैकड़ों हेक्टेयर में लगने वाली खरीफ सीजन की धान की फसल सिंचाई के अभाव में प्रभावित हो सकती है। जिससे किसानों को आर्थिक परेशानियों से जुझना पड़ेगा इसलिए किसानों ने जल संसाधन विभाग से टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर का जल्द मरम्मत या फिर सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण करवाने की मांग की है। वहीं जल संसाधन विभाग के एई उदयसिंह परस्ते से दूरभाष पर टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर के मरम्मत या सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

नहर जीर्णशीर्ण हो चुकी है - राजकुमार

राजकुमार पारधी ने बताया कि टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर जीर्णशीर्ण हो चुकी है एवं नहर के दोनों ओर लंबी-लंबी झाड़ियां उग चुकी है। जिसके कारण किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है और पानी के अभाव में फसल प्रभावित हो जाती है। जबकि लंबे समय से जल संसाधन विभाग से माइनर नहर का सीमेन्टीकरण करवाने की मांग कर रहे है लेकिन कोई ध्यान नही दिया जा रहा है, न ही मरम्मत कार्य करवाया गया है जिसके कारण नहर पुरी तरह से खराब हो चुकी है और किसानों को इस नहर का लाभ नही मिल पा रहा है। श्री पारधी ने बताया कि बरसात के पहले नहर का मरम्मत एवं झाड़ियों की साफ-सफाई नही करवाई गई है तो इस वर्ष भी किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पायेगा। जबकि इस माइनर नहर के पानी के भरोसे तीन ग्रामों के किसान निर्भर है और पानी का टैक्स भी देते है लेकिन पानी नही मिल पाता है जिससे सभी किसान परेशान है।

सीमेन्टीकरण नहर का जल्द निर्माण करवाये प्रशासन -प्रेमीलाल

प्रेमीलाल पारधी ने बताया कि यह माइनर नहर का विगत वर्ष पूर्व मिट्टी का निर्माण करवाया गया है जिसके माध्यम से सर्राटी जलाशय टेकाड़ी ला. तालाब का पानी आता है। लेकिन समय-समय पर माइनर नहर का मरम्मत कार्य एवं देख-रेख नही होने के कारण नहर जीर्णशीर्ण हो चुकी है। ऐसी स्थिति में किसानों के खेतों तक पानी नही पहुंच पाता है। जिससे पानी के अभाव में किसानों की फसल प्रभावित हो जाती है। श्री पारधी ने बताया कि दो वर्ष पूर्व टेकाड़ी ला. से रामजीटोला माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कार्य करवाया गया है उसके बाद टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर का सीमेन्टीकरण कार्य होने की बात कही गई थी। लेकिन अब तक किसी प्रकार का कोई कार्य नही करवाया गया है। इस तरह से प्रशासन की उदासीनता के कारण नहर का लाभ किसानों को नही मिल पा रहा है जिससे सभी किसान परेशान है। वहीं नहर के पानी से सैकड़ों एकड़ खेती में पूर्व में सिंचाई होती थी लेकिन अब नही हो पा रही है नहर जीर्णशीर्ण होने के कारण इसलिए शासन-प्रशासन से मांग है कि टेकाड़ी ला. से चिचगांव-साल्हे ला. माइनर नहर का मरम्मत या फिर सीमेन्टीकरण नहर का निर्माण कार्य करवाये।

नौतपा के बाद भी गर्मी नही हुई कम, उमस से लोग परेशान

सुबह से चुभन वाली धुप से लोग हो रहे हलाकान, स्वास्थ्य पर पड रहा विपरित प्रभाव

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नौतपा समाप्त होने के बाद गर्मी ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है और सुबह से ही चुभन वाली धुप एवं आसमान से बरसता आग की तरह लपटे लू के थपेड़ों से लोग हलाकान हो रहे है। नौतपा के बाद ही सबसे अधिक गर्मी का एहसास हो रहा है। जबकि लोगों का कहना है कि नौतपा में सबसे अधिक तेज धुप का प्रकोप रहता है परन्तु पहली बार देखने को मिल रहा है कि नौतपा समाप्त होने के बाद गर्मी अपना कहर बरपा रही है। जिससे सभी परेशान है एवं दोपहर में घर से बाहर निकलने से गुरेज कर रहे है। सोमवार को सुबह से ही तेज धूप, लू के थपेडों व गर्मी और उसम से लोग हलाकान होते नजर आये एवं दिनभर आसमान से तेज धुप बरसता रहा, जिससे सभी परेशान होते नजर रहे। जबकि नौतपा के बाद मौसम परिवर्तन हो जाता है लेकिन नौतपा में इतनी तेज धुप व उमस भरी गर्मी का एहसास नही हुआ। लेकिन नौतपा के बाद से सुबह से ही चुभन वाली धुप से सभी परेशान हैं। यानि की नौतपा में नही तपा, अब तपा रहे सूर्यदेव जिसकी कहर से लोग परेशान है। वहीं अब नौतपा की समाप्ति के बाद भी शरीर को चुभने वाली धूप और उमस से लोग परेशान है साथ ही तेज धूप के चलते लोग घर से मुंह पर कपड़ा बांधकर निकल रहे हैं। नौतपा के बाद इस तरह की गर्मी पड़ने से लोगों की परेशानी भी बढ़ रही है एवं मौसम में हो रहे बदलाव से लोगों के स्वास्थ्य पर विपरित प्रभाव पड़ रहा है।

धरती आबा बिरसा मुंडा का मनाया गया बलिदान दिवस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के द्वारा 9 जून को क्रांतिवीर, जननायक, धरती आबा बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम म.प्र. आदिवासी विकास परिषद के पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने क्रांतिवीर, जननायक, धरती आबा बिरसा मुंडा के छायाचित्त के समक्ष दीप प्र%वलित कर माल्यार्पण किया तत्पश्चात उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। इस अवसर पर उपस्थितजनों ने धरती आबा बिरसा मुंडा के जीवनगाथाओं एवं उनके द्वारा देशहित में किये गये कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उनके बताये मार्ग पर चलकर सभी को देशहित एवं समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने की बात कही। चर्चा में देवकरण बोरकर ने बताया कि क्रांति सूर्य महानायक बिरसा मुंडा जी का 125 वां बलिदान दिवस के अवसर पर लालबर्रा स्थित बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में उनके छायाचित्त पर माल्यार्पण कर बलिदान दिवस मनाकर उन्हे याद किया गया और सभी ने उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया है। जनपद सदस्य धनेन्द्र भलावी ने बताया कि भगवान बिरसा मुंडा का बलिदान (शहादत) दिवस सभी आदिवासी भाई व अन्य संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में मनाया गया। जिसमें धरती आबा बिरसा मुंडा के छायाचित्त के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर उन्हे श्रध्दांजली अर्पित की गई। साथ ही उनके जीवन चरित्त पर प्रकाश डालकर उनके बताये मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया और उनके द्वारा देश की आजादी में दिये गये बलिदान को याद किया गया। साथ ही सभी को संगठित होकर समाजोत्थान के क्षेत्र में काम करने प्रेरित किया गया है। इस अवसर पर आदिवासी स्वाजातीय बंधु एवं अन्य संगठन के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

शिक्षकों को दिया जा रहा एफएलएन का प्रशिक्षण

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित जनपद शिक्षा केन्द्र में शासन के निर्देशानुसार 9 जून से कक्षा पहली, दुसरी पढ़ने वाले बच्चों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करने के लिए शिक्षकों को एफएलएन का दो दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम बीआरसी श्रीराम तुरकर की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस दो दिवसीय एफएलएन प्रशिक्षण में कक्षा पहली, दुसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों को मास्टर ट्रेनरों के द्वारा बच्चों में बुनियादी भाषा एवं गणित में निपुण कैसे करें उसके बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। वहीं यह प्रशिक्षण निपुण भारत मिशन और नई शिक्षा नीति (2020) के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य बच्चों को प्रारंभिक शिक्षा में मजबूत आधार बनाना है। यानि की बच्चों में प्रारंभिक कक्षाओं में ही बुनियादी भाषा व गणित की समझ हो सके और वे आगे की पढ़ाई बेहतर तरीके से कर आगे बढ़ सके। प्रशिक्षण में शिक्षकों को स्कूल में कक्षा पहली, दुसरी के बच्चों को किस तरह से बुनियादी भाषा व गणित ज्ञान के बारे में बताना एवं पढ़ाना है उसके बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। जिसके बाद शिक्षक 15 जून से स्कूलों में बच्चों को शिक्षा प्रदान करेगें। चर्चा में बीआरसी श्रीराम तुरकर ने बताया कि समग्र शिक्षा अभियान, भारत सरकार, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अंतर्गत निपुर्ण भारत के तहत एफएलएन मिशन अंकुर के तहत बच्चों को बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक ज्ञान प्रदान करने के लिए शिक्षकों को एफएलएन का प्रशिक्षण दिये जाने के निर्देश मिले है। इसी निर्देश के परिपालन में 9 जून से कक्षा पहली, दुसरी पढ़ाने वाले शिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रारंभ हुआ है। जिसमें मास्टर ट्रेनरों के द्वारा शिक्षकों को बुनियादी भाषा एवं गणित में बच्चों को कैसे निपुण करना है उसके बारे में प्रशिक्षित किया जा रहा है। ताकि बच्चें बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान से वे निपुण हो सके। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे शिक्षकगण एवं मास्टर ट्रेनर उपस्थित रहे।

12 घंटे से लापता 65 वर्षीय वृद्धा की लाश खेत के कुएं से बरामद

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कंदई के भदरी टोला में स्थित खेत के कुएं में इसी ग्राम की एक महिला सोमवती पति महेशसिह मरकाम 65 वर्ष की लाश बरामद की गई। इस महिला की कुएं में गिरने से मौत हुई या फिर यह महिला कुएं में कूद गई अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है मलाजखंड पुलिस ने इस महिला की लाश पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार भदरी टोला निवासी बुध सिंह मरकाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते हैं जिसके परिवार में दो बेटा एवं एक बेटी है के अलावा पत्नी कमला मरकाम तथा उनकी मां सोमवती मरकाम है।सभी साथ में रहते हैं। 8 जून को सुबह 8:00 बजे सोमवती मरकाम अपने भाई बेलसिह उइके उनके घर ग्राम कदई गई। जो 2:00 बजे घर वापस आ गई थी किंतु शाम 7:00 बजे सोमवती मरकाम घर से शौच के लिए जाती हूं कहकर निकली थी। जो देर रात तक घर वापस नहीं आई तब सोमवती मरकाम की उसके बेटे बुद्धि मरकाम और नाती साहिल मरकाम ने पास पड़ोसर गांव में तलाश की किंतु कोई पता नहीं चला 9 जून सुबह से जब सोमवती मरकाम तलाश की जा रही थी तभी गांव के दिलीप धुर्वे के खेत में कुआं में जाकर तो कुए के अंदर सोमवती मरकाम की लाश उतराते हुए दिखाई दी। जिसकी रिपोर्ट बुध सिंह मरकाम ने पाथरी पुलिस चौकी में की थी पथरी पुलिस ने भदरी टोला पहुंचकर सोमवती मरकाम की लाश बाहर निकलवाई और पंचनामा कार्यवाही पश्चात बिरसा अस्पताल में पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए। आगे धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता के तहत मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

भालू के हमले में एक व्यक्ति घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लोगुर वन परिक्षेत्र में आने वाले खुरसूड़ बीट के जंगल में जलाऊ लकड़ी लाने का एक व्यक्ति भालू के हमले में घायल हो गया घायल व्यक्ति राम पिता धानुलाल सैयाम 46 वर्ग ग्राम खुरसूड़ निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार राम सैयाम अपने परिवार के साथ खेती किसानी करते है। 8 जून को दोपहर में राम सैयाम अपनी पत्नी सुरजा बाई

के साथ अपने गांव के जंगल में जलाऊ लकड़ी के लिए गए थे। जलाऊ लकड़ी बिनने दौरान अचानक भालू ने राम सैयाम पर हमला कर दिया और उसके दाहिने पैर मैं पंजा मार कर घायल कर दिया। राम सैयाम और उसकी पत्नी सुरजा बाई के चिल्लाने पर भालू भाग गया। जिसके बाद राम सैयाम अपनी पत्नी सुरजाबाई के साथ घर आया। 9 जून को सूचना मिलने पर वन कर्मचारी राजेश पन्द्रे वनरक्षक ग्राम खुरसूड़ पहुंचे और भालू के हमले में घायल राम सैयाम को जिला अस्पताल लाकर इलाज करवाये। जिला अस्पताल पुलिस चौकी प्रभारी शिवदयाल पटले ने राम सैयाम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

सुने मकान में अज्ञात चोरो का धावा : सोने चांदी के जेवर सहित नकद पर किया हाथ साफ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वार्ड नंबर १९ शिवधाम मोहल्ला निवासी अनिल मेश्राम के मकान में अज्ञात चोरों के द्वारा सूने मकान का फ ायदा उठाकर चोरी की वारदात कर दी गई। यह घटना की जानकारी उन्हें ९ जून की सुबह घर पहुंचने पर प्राप्त हुई जिस पर उनके द्वारा घटना की लिखित शिकायत थाने में दर्ज करवा दी गई है। तो वहीं पुलिस के द्वारा मौका स्थल का निरीक्षण भी किया गया है,हालांकि मामले में अभी तक एफ आईआर दर्ज नहीं हो पाई है। किंतु पुलिस जांच कर रही है इस चोरी में अज्ञात चोरों के द्वारा सोने चांदी के जेवर सहित नकद रुपये चुराकर चोरी को अंजाम दिया गया है। इसमें पीड़ित परिवार को करीब एक लाख रूपये से अधिक का नुकसान हुआ है । जिनके द्वारा मामले में गंभीरता से कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की जा रही है। इस घटना से लोग डरे हुए हैं क्योंकि क्षेत्र में चोरी का सिलसिला निरंतर जारी है। रोजाना कही ना कहीं किसी ना किसी रूप में चोरी की घटना है हो रही है। जिस पर अंकुश लगाने के लिए भी क्षेत्रवासी पुलिस प्रशासन से गुहार लगा रहे हैं।

मकान मलिक दो दिन घर से बाहर थे तब चोरों ने की वारदात

प्राप्त जानकारी के अनुसार अनिल पिता रामदास मेश्राम उम्र ५५ वर्ष शिवधाम मोहल्ला वार्ड नं. १९ ग्राम पंचायत वारा निवासी हैं। जो पेशे से फोटोग्राफर है वह रामपायली रोड़ स्थित अंजलि फ ोटो स्टूडियो संचालित करते हैं। जो अपने परिवार में पत्नी संगीता मेश्राम, माँ सीलन बाई मेश्राम एवं दो बेटी एक बेटे के साथ निवास करते हैं। जो पूरे परिवार के साथ शुक्रवार को जिला छिंदवाड़ा के सौंसर निवासी बहन के घर घूमने के लिए गए हुए थे। जहां उनके द्वारा अपने रिश्तेदारों से मुलाकात कर सोमवार की सुबह ९ बजे वापस वारासिवनी अपने घर पहुंचे तो देखा कि सामने का जो गेट है उसमें ताला लगा हुआ है। परंतु मकान के सामने के दरवाजे में ताला नहीं है जिसका ताला किसी के द्वारा तोड़कर कहीं फेंक दिया गया है। जिसे खोलकर जैसे ही वह अंदर गए तो देखा कि अलमारियां खुली हुई है अलमारी के लॉकर टूटे हुए हैं समस्त वस्तु बेड़ एवं जमीन पर बिखरी हुई है। जिस पर अनिल मेश्राम के द्वारा घटना की जानकारी आस पड़ोस के लोगों को देकर पूछताछ की गई। परंतु कोई जानकारी नहीं मिलने पर उनके द्वारा पुलिस थाना वारासिवनी में सूचना देकर लिखित शिकायत दर्ज करवाई है। मामले में थाना प्रभारी के द्वारा पुलिस स्टाफके साथ घटना स्थल का निरीक्षण किया गया। जिसमें मकान मालिक के द्वारा घर में रखे सामान की जांच की गई तो पाया कि अलमारी में रखे सामान में कान के सोने के झुमके एवं मंगलसूत्र का पेंडल और तीन पायजेब एवं आपातकाल के लिए घर में रखे हुए नकद करीब ५० हजार रुपये गायब हैं। उक्त घटना में संभावना व्यक्त की जा रही है कि अज्ञात चोरों के द्वारा बाउंड्रीवाल कूदकर परिसर में प्रवेश कर मकान के सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर सुने मकान में घूसकर चीजों की तलाश की गई है मामले में पुलिस के द्वारा जांच प्रारंभ कर दी गई है।

चोरो के बुलंद हौसले से चोरी की घटना को दे रहे अंजाम

नगर सहित क्षेत्र में बीते कुछ दिनों में सूने मकान में चोरी की वारदात एवं विभिन्न वस्तुओं एवं मोटरसाइकिल चोरी की भी घटना में इजाफा हुआ है। इस प्रकार की घटनाओं से प्रतीत हो रहा है कि चोरों के हौसले बुलंद हो गए हैं जो लगातार चोरी कर रहे हैं। परंतु पुलिस के अंकुश से अभी भी चोर बाहर है। इसी का परिणाम है कि उनके द्वारा गत दिवस नगर के वार्ड नंबर एक निवासी पुलिस अधिकारी के मकान में भी सूने मकान का फायदा उठाकर चोरी की वारदात की गई थी। उसके बाद फिर सूने मकान का फ ायदा उठाकर यह दूसरी चोरी कर दी गई है और इसके पहले भी चोरियां हो रही है। इस परिस्थिति में लोग डरे हुए हैं सुना मकान छोड़ने के लिए कतरा रहे हैं जिनके द्वारा पुलिस प्रशासन से चोरी की बढ़ती वारदातों पर अंकुश लगाने की मांग की जा रही है ताकि लोग भय मुक्त वातावरण महसूस कर सके।

सुने मकान का फायदा उठाकर चोरो ने की चोरी की वारदात- अनिल मेश्राम

पीड़ित अनिल मेश्राम ने बताया कि मैं वार्ड नंबर १९ शिवधाम मोहल्ला रहता हूं दो तीन दिन के लिए हम पूरे परिवार के साथ बाहर गए हुए थे। जहां से वापस आए तो देखा कि ताला टूटा हुआ था घर के अंदर आकर देख तो समस्त सामान अस्त व्यस्त पड़ा हुआ था। इसमें नकद सहित सोने चांदी के आभूषण की चोरी अज्ञात चोरों के द्वारा की गई है यह चोरी किसने की यह हमें जानकारी तो नहीं है। परंतु शायद २ दिन पहले या कल सूने मकान में यह चोरी हुई है पूरा घर खाली था सामने से यह लोग ताला तोड़कर अंदर घुसे होंगे । इन्होंने कान के झुमके मंगलसूत्र का पेंडल तीन पायल और नकद करीब ५० हजार रूपये चोरी किया है। पुलिस आई थी उन्होंने छानबीन की है हमने लिखित शिकायत भी कर दिए हैं हमारी यही मांग है कि पुलिस जल्द इन चोरों को पकड़े और उन पर उचित दंडात्मक कार्यवाही करें।

सड़क हादसे में बकेरा निवासी शांतिलाल बिसेन घायल

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। रामपायली थाना अंतर्गत ग्राम बकेरा में ९ जून को सड़क हादसे में शांतिलाल बिसेन गंभीर रूप से घायल हो गया जिसका उपचार सिविल अस्पताल में जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शांतिलाल बिसेन ४६ वर्ष बकेरा निवासी अपनी मोटर साइकिल से किसी कार्य से कहीं गया हुआ था। जो वापस अपने घर लौट रहा था तभी अज्ञात मोटर साइकिल के द्वारा उसकी मोटर साइकिल को जबरदस्त टक्कर मार दी गई। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया यह घटना देख आसपास के लोगों के द्वारा तत्काल सूचना संजीवनी १०८ को दी गई। जिसमें ड्राइवर स्माइल खान और ईएमटी पंजरे के सहयोग से घायल को तत्काल सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती किया गया। जहां उसका उपचार जारी है घटना में शांतिलाल को हाथ पैर सर सहित शरीर के विभिन्न हिस्सों में अंदरूनी और बाहरी चोटे आई है।

हिन्दू साम्राज्य दिवस का हुआ आयोजन

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के टिहलीबाई शासकीय माध्यमिक शाला परिसर में ९ जून को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ एवं पतंजलि योग समिति के तत्वाधान में हिन्दू साम्राज्य दिवस का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा सर्वप्रथम भगवा ध्वज का रोहण कर छत्रपति शिवाजी महाराज के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रचलित कर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात उपस्थित जनों के द्वारा छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि ज्येष्ठ शुक्ल त्रयोंदशी यानि हिन्दू पद पादशाही कि स्थापना एवं छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक का यह पावन दिन हैं। इसी दिन छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक हुआ था ।इसके बाद उन्होंने अपने स्वराज के स्वप्न को पूरा करने के लिए मराठा साम्राज्य का लगातार विस्तार किया। जहाँ छत्रपति शिवाजी महाराज के अमृत वचन एवं हिन्दू साम्राज्य दिवस के भाव गीत के बाद शिवाजी महाराज के द्वारा हिन्दू साम्राज्य स्थापित करने के लिये क्या क्या प्रयास किये गए उस पर विस्तार से प्रकाश डालकर बताया गया। इस अवसर पर गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

धरती आबा बिरसा मुंडा बलिदान दिवस का हुआ आयोजन

आदिवासी समाज ने हर्ष उल्लास के साथ मनाया उत्सव

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत वारा के वाराटोला में भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं मुंडा जनजाति के लोकनायक धरती आबा बिरसा मुंडा बलिदान दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम समाज के गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति में प्रारंभ किया गया। जिसमें सभी ग्राम के माता मंदिर में एकत्रित हुए जहाँ से बिरसा मुंडा बलिदान दिवस के अवसर पर आरती की शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा ग्राम के माता मंदिर से प्रारंभ हुई जो गांव के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए बालाघाट रोड़ स्थित बिरसा मुंडा परिसर पहुंची। जहां शोभायात्रा का समापन किया गया । इस दौरान आदिवासी समाज के महिला, पुरुष एवं बच्चे बड़ी संख्या में शामिल हुए जो भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे भगवान बिरसा मुंडा अमर रहे सहित महापुरुषों के उद्घोष लगाते रहे। जहां पर भुमका के द्वारा भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का पूजन कर बड़ा देव की पूजा अर्चना करवायी गई। जिसमें सर्वप्रथम सतरंगी ध्वज का ध्वजारोहण कर बड़ा देव की एवं प्रकृति की विशेष पूजा अर्चना कर जननायक बिरसा मुंडा एवं अन्य महापुरुषों को याद कर उनके बलिदान को याद किया गया। इस दौरान उपस्थित जनों ने कार्यक्रम में कहा कि बिरसा मुंडा का जन्म १५ नवंबर १८७५ को एवं मृत्यु ९ जून १९०० को हुई। वह एक भारतीय आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और मुंडा जनजाति के लोक नायक थे। उन्होंने ब्रिटिश राज के दौरान १९वीं शताब्दी के अंत में बंगाल प्रेसीडेंसी अब झारखंड में हुए एक आंदोलन का नेतृत्व किया। वह आंदोलन से इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति बन गये। उन्हें भारत के आदिवासी भगवान मानते हैं और धरती आबा के नाम से भी जाना जाता है। अंग्रेज उनके ऊपर दोष साबित नहीं कर पाये वह जानते थे कि बिरसा मुंडा छूटने के बाद विद्रोह को वृहद रूप देंगे उन्होंने उनके दातुन पानी में विषैला पदार्थ मिला दिया। आज भी बिहार, उड़ीसा, झारखंड, छत्तीसगढ और पश्चिम बंगाल के आदिवासी इलाकों में बिरसा मुंडा को भगवान की तरह पूजा जाता है। बिरसा मरे नहीं अपितु अमर हो गए जब जब आदिवासी विद्रोह के बारे में हम बात करेंगे बिरसा मुंडा का नाम प्रथम पंक्ति में लिया जाएगा। मानसिंह परते ने बताया कि वारा के यह ऐतिहासिक स्थान पर बिरसा मुंडा बलिदान दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसमें समाज के सभी लोग शामिल हुए हैं जिस प्रकार बिरसा मुंडा ने जल जंगल जमीन की लड़ाई लड़ी इसी के तहत हम प्रकृति की पूजा कर रहे हैं और बिरसा मुंडा ने देश और समाज के लिए जो काम किया है। उसे याद कर अपने आने वाले भविष्य के नागरिक हमारे बालक बालिकाओं को बता रहे हैं। इसी के साथ हमारे समाज को संदेश है कि जिस प्रकार बिरसा मुंडा ने समाज को आगे बढ़ाने के लिए संघर्ष किया तो यह भी अपने समाज के लिए सकारात्मक प्रयास करें। मुख्य रूप से शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करें हमारा काम प्रकृति को बचाना है और उसके लिए हम प्रयास कर रहे हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में आदिवासी समाज के लोग मौजूद रहे।

मवेशी तस्करी का एक आरोपी गिरफ्तार दो फरार

पुलिस ने अपराध दर्ज कर जांच की प्रारंभ

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत लेण्डेझरी के तालाब के पास पुलिस ने भारी वाहन में करीब १८ नग मवेशी लोड कर रहे एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया वहीं दो व्यक्ति मौके से फरार हो गए। पुलिस ने मामले में अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गौ सेवकों को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्तियों के द्वारा बड़ी संख्या में मवेशियों को कत्ल खाने ले जाने का कार्य ग्राम लेण्डेझरी में किया जा रहा है। जिस पर वह मौके पर पहुंच कर देखें तो कुछ व्यक्ति वाहन में मवेशियों को चढ़ा रहे थे ।तभी उनके द्वारा घटना की जानकारी वारासिवनी पुलिस को दी गई ।जिस पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर देखा कि ग्राम लेण्डेझरी में तालाब के पास ३ लोग मिलकर १८ गौ वंश को लोडिंग वाहन में वध के लिए महाराष्ट्रा की तरफ ले जाने के लिए भर रहे है। तालाब के पास एक अशोक लीलैण्ड के लोडिंग वाहन क्रमांक एम एच ३५ ए जे ३४१९ में तीन लोग गौ वंश की वध के लिए ले जाने के लिए भर रहे थे। जो देखते ही भागने लगे जिसमें से २ व्यक्ति अधेरे में भाग गये । तीसरे व्यक्ति को पकड़ा जिसने अपना नाम हर्ष उर्फ अब्दुल पिता दिनेश टांडेकर बताया। वहीं भागने वाले २ व्यक्ति तरूण पटले निवासी लेण्डेझरी व कृष्णा ड्रायवर है। मौके पर अशोक लीलेण्ड कंपनी का ट्रक एवं १८ नग गौ वंश तरूण पटले की एक मोटर सायकल डीलक्स को पुलिस ने जप्त किया हैं। पुलिस ने तीन व्यक्तियों के खिलाफ धारा ४,६,९ गौ वंश वध प्रतिषेध अधिनियम २००४ एवं धारा ११ पशु क्रुरता निवारण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया गया है। वहीं दो फरार आरोपियों की पतासाजी की जा रही है।

आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 51 एवं 64 में स्वास्थ्य जांच शिविर हुआ आयोजित

एसएएम, एमएएम एवं धात्री महिलाओं को किया गया दवाइयों का वितरण

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। महिला एवं बाल विकास परियोजना बालाघाट द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती दीपमाला मंगोदिया एवं परियोजना अधिकारी शैलेंद्र चौकसे के मार्गदर्शन में सोमवार को आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक 51 एवं 64 में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें अति गंभीर कुपोषित (एसएएम) एवं गंभीर कुपोषित (एमएएम) बच्चों गर्भवती, धात्री किशोरियों की स्वास्थ्य जांच की गई। साथ ही अति गंभीर कुपोषित बच्चों को एमाक्सीसिलिन, मल्टीविटामिन आयरन सिरप, जिंक, एल्बेंडाजोल आदि दवाइयां का वितरण किया गया। वहीं एसएएम एवं एमएएम बच्चों को न्यूट्रीशन किट का वितरण किया गया एवं पोषण पुनर्वास केंद्र हेतु एसएएम बच्चों का चिन्ह्यांकन कर परिजनों को पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती करवाने की समझाइश दी गई। कार्यक्रम में एपीएम डॉ संजय मानेश्वर,मेडिकल ऑफिसर डॉ लक्ष्य वर्मा व डॉ करिश्मा सिल्हारे एवं पर्यवेक्षक श्रीमती नेहा ठाकुर उपस्थित रही।

अंग जनपद के सांस्कृतिक महाप्राण श्री हरिलाल कुंज

अंगभूमि के नाम से विख्यात रहे भागलपुर में कालक्रम में कई विभूति हुए हैं जिनमें श्री हरिलाल कुंज का नाम अग्रणी पंक्ति में आता है। भागलपुर सिटी (बिहार) में 10 जून 1921 में जन्मे व पले-बढ़े श्री हरिलाल कुंज ने साहित्य, संस्कृति व कला के क्षेत्र में अविस्मरणीय योगदान दिया है जिसे आज भी लोग श्रद्धा के साथ याद करते हैं। अपने बाल्यकाल से ही अप्रतिम प्रतिभा के धनी श्री हरि कुंज जब आठवीं कक्षा के छात्र थे तभी उनकी पहली कहानी अन्ना, छायावाद की सुप्रसिद्ध कवयित्री महादेवी वर्मा के सम्पादन में प्रकाशित उस समय की चर्चित पत्रिका चाँद में प्रकाशित हुई थी ।

इसके अलावा उनकी कहानियाँ तीन पीर, प्रेत फोटोग्राफर, हीरा, पारो दादी इत्यादि भी काफी चर्चित रही । कहानीकार के साथ वे एक सिद्धहस्त नाटककार व गीतकार भी थे और उन्होंने बाबरी मीरा, चंगेज खां, विद्रोही संताल, राजलक्ष्मी इत्यादि नाटकों और ब्रजोन्माद, मेरे नयनों के पानी, अभी मत छोड़ मुझे तू प्राण, जुदाई कैसी होती है इत्यादि पाला कीर्तन एवं गीतों की भी रचना की । उन्होंने मीरा बाई (लीला कीर्तन), रजनीगंधा (काव्य संकलन), सत्यसंग और एक मजदूर कलम का आदि कृतियों का संपादन भी किया ।

बहुमुखी प्रतिभा के धनी श्री हरि कुंज साहित्य के साथ साथ संस्कृतिक गतिविधियों व समाजसेवा में भी सक्रिय रहे । 1938 में उन्होंने श्री गौरांग संकीर्तन समिति, की स्थापना की और इसके माध्यम से भागलपुर में श्री मीरा जयन्ती मनाने की शुरुआत की जो 25 वर्षों तक निर्बाध गति से मनाई जाती रही । उन्होंने श्री बालकृष्ण ऑपेरा (हिंदी यात्रा पार्टी), वागीश्वरी संगीतालय और द्विजेन्द्र गोष्ठी इत्यादि संस्थाओं की न सिर्फ स्थापना ही की बल्कि उसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई ।

इन सबके अलावा वे एक कुशल फोटोग्राफर सहित एक सिद्धहस्त चित्रकार भी थे । सन् 1938 में ही उन्होंने भागलपुर में चित्रशाला स्टूडियो की नींव रखी जो आज की तिथि में अत्याधुनिक तकनीकों से लैस एक सुसज्जित प्रतिष्ठान के रूप में जाना जाता है। श्री हरि कुंज के समय में यह स्टूडियो मात्र एक व्यवसायिक प्रतिष्ठान ही नहीं, वरन् साहित्यिक गतिविधियों का भी केंद्र था जहाँ से बांग्ला के मूर्धन्य कथाशिल्पी डॉक्टर बलायचांद मुखोपाध्याय वनफूल, राष्ट्रकवि गोपाल सिंह नेपाली, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर, भागलपुर विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति डॉ विष्णु किशोर झा बेचन, बाबा नागार्जुन, अभिनेता पृथ्वीराज कपूर, महर्षि मेंही दास, प्रभात रंजन सरकार, शिक्षाविद आनन्द शंकर माधवन, संतसिरोमणी देवी शकुन्तला गोस्वामी, रामचरितमानस के अंतराष्ट्रीय अन्वेषक पंडित इन्दु भूषण गोस्वामी व अन्य महापुरुषों की यादें जुड़ी हैं ।

इन सबों के अलावा हरि कुंज जी ने महाप्राण निराला, नटराज पृथ्वीराज कपूर, मेरे हँसू दा, उर्वशी का जन्म, फूल वनफूल या वन का फूल, अनुपलाल मंडल, यात्राभिनय और शारदा बाबू , जब मैं बच्चा? था इत्यादि दूर्लभ व रोचक संस्मरण लिखे ।

श्री हरिलाल कुंज जी 10 जून 1921 से 13 फरवरी 1984 तक हमारे बीच रहे और अभावों में गुजर-बसर करते हुए भी आध्यात्म, कला, साहित्य, संस्कृति व समाज की समृद्धि में लगे रहे।

बांके बिहारी मंदिर में कोरिडोर पर एक नया विवाद

बांके बिहारी मंदिर कोरिडोर के निर्माण हेतु एक और विवाद गहराता जा रहा जिसे आपस में मिलजुल कर आपसी स्नेह से सुलझाने की कोशिश करना चाहिए उप्र सरकार के अनुसार बांके बिहारी मंदिर के पास करीब 5 एकड़ जमीन पर कॉरिडोर बनना का है. मंदिर तक जाने के लिए तीन रास्ते बनाए जाएंगे. श्रद्धालुओं को वाहन खड़ा करने में परेशानी न हो इसके लिए 37 हजार वर्गमीटर में पार्किंग बनाई जानी है. हालांकि कॉरिडोर इस तरह से बनाया जाना है, जिससे मंदिर का मूल स्वरूप पहले जैसा ही रहे.गोस्वामियों का कहना है कि मंदिर उनकी निजी संपत्ति है. लेकिन रेवेन्यू डॉक्युमेंट्स के मुताबिक, ऐसा नहीं है. इन दस्तावेजों में यह जमीन मंदिर के नाम से है ही नहीं बल्कि गोविंददेव के नाम से दर्ज है. कॉरिडोर बनाने के लिए मंदिर के पास 100 दुकानों और 300 घरों का अधिग्रहण किया जाना है. हालांकि सरकार इसके लिए उचित कॉरिडोर बनाए जाने से मंदिर और उसके आसपास के पारिस्थितिकी तंत्र के धार्मिक और सांस्कृतिक चरित्र के बदलने की आशंका है, जिसका गहरा ऐतिहासिक और भक्ति संबंधी महत्व है. बता दें कि देवेंद्र नाथ मंदिर के संस्थापक स्वामी हरिदास गोस्वामी के वंशज हैं और उनका परिवार पिछले 500 सालें से मंदिर का प्रबंधन कर रहा है. अब क्या कर सकते हैँ कोर्ट का निर्णय माने शांति से काम लें ईश्वर हमेशा आपके साथ हैं वह गुस्से में नहीं रहता जो होना होगा सो होगा उसे ना तो मैं रोक सकता हूँ ना ही कोई और जब से धर्म को व्यवसाय का साधन बनाने की कोशिश हुई है तब ईश्वर वहाँ से जा चुका होता है ईश्वर प्रभु राम है जिसे ना तो किसी प्रचार की आवश्यकता है ना हि दिखावे की उसे इंसानियत और शांति पसन्द है कभी गुस्सा या घमंड नहीं कुर्सी आती भी है और जाती भी है लेकिन भगवान राम जैसे पहले थे वैसे आज भी हैँ और कल भी रहेंगे कॉरिडोर का निर्माण हो या आलिशान मंदिर का जब तक गरीबों को सही न्याय नहीं मिलता तब तक ईश्वर वहाँ से दूर चला जाता है गरीबों की सेवा में, पूजन करने वाले याआस्था से जुड़े डेली कमाने वाले स्थानीय लोग की जो उचित हो करना चाहिए विकास के लिए निर्माण भी जरुरी है लेकिन आस्था के साथ ही पुजारी कोई चोर डाकू तो नहीं हैगरीबों की सेवा में, पूजन करने वाले याआस्था से जुड़े डेली कमाने वाले स्थानीय लोग की जो उचित हो करना चाहिए विकास के लिए निर्माण भी जरुरी है मैं पहले काशी विश्वनाथ मंदिर में कम लोगों के आराम से पूजा करता था लेकिन कोरोडोर बनने के बाद जैसे तैसे लाईन तोड़ कर मंदिर में पूजा कर तुरंत भागा क्योंकि वहाँ चेस्ट पेन हुआ बाद में आराम से शांति से प्रभु राम का ध्यान किया उसके बाद डॉ से दिखाया कुछ नहीं था इसलिए ना तो महाकुम्भ गया क्योंकि ईश्वर मेरे अंदर है और बाहरी माया की दुनिया है जो कोई भी राम मंदिर के निर्माण कर यह कहे जो भगवान राम को लाएं है उसे हम लाएंगे, कैसे भगवान श्री राम को आप ला सकते हो जो मूर्ति है मंदिर है जो भगवान राम के साक्षी होने का प्रतिक वो तो पहले से अनादि काल से हैँ पहले भी थे आज भी हैँ और अनन्त काल तक रहेंगे भले ही आप रहो या ना रहो ईश्वर के प्रति सच्ची निष्ठा को उसको ही समर्पित कर राममंदिर भी प्रभु राम की कृपा से बना 500 साल के इतिहास को उलट कर देखिए कितनो ने उसके लिए बलिदान दिया और आज के समय कारसेवकों का श्रेय जाना चाहिए जो गोली खाकर भी कभी इस उद्देश्य से नहीं गए कि मेरा नाम होगा अत: पहले खुद को पहचनाने की जरुरत है गरीबों को सेवा करने की जरुरत है राममंदिर में राम रसोई के लिए राम भक्त स्व कुणाल किशोर, जो महावीर मंदिर के संस्थापक थे और पटना में पूर्व आईपीएस थे उन्होंने कभी नहीं कहा कि हम डेली अन्न खिला रहें हैँ

निहंग सिखों द्वारा लंगर चलता है उसने उसका कोई भी प्रचार नहीं किया गुरूद्वारे में लंगर का आयोजन होता है और सभी गुरुजी ने हमेशा कहा कि गरीबों की सेवा करो और कभी उसका श्रेय अपने उपर नहीं लिया और सब गुरु को समर्पित है और इसलिए वहाँ गुरु के कृपा की भजन होती है ना तो कोई वीआईपी जैसा ट्रीट होता है सभी एक साथ लाइन में रहते हैँ उनका मानना है कि लाइन तोड़ने पर संगत टूटता है और उनके भजन में मैंने कई बार भगवान राम के महिमा का गुरु द्वारा पाठ में भजन सुना है रा मंदिर के निर्माण से पहले सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम् दस्तावेज 1858 में निहंग सिखों द्वारा एफ आईआर की कॉपी भी मिला जो निहंग सिखों ने दर्ज कराई थी 1858 में, निहंग सिखों ने राम जन्मभूमि के विवादित ढांचे पर पूजा-अर्चना की और राम-राम लिखा, जो राम मंदिर आंदोलन का एक शुरुआती कदम था। आज भी, निहंग सिख राम मंदिर में लंगर चलाकर और अन्य तरीकों से अपनी भागीदारी दिखाते हैं। बाबा फकीर सिंह खालसा के नेतृत्व में 25 निहंग सिखों ने 1858 में बाबरी मस्जिद में प्रवेश किया। उन्होंने हवन (अनुष्ठान) किया और मस्जिद की दीवारों पर राम राम लिखा।एफआईआर दर्ज- इस घटना के कारण अवध पुलि स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। ऐतिहासिक साक्ष्य- इस घटना को बाद में राम जन्मभूमि मामले में सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया गया। निहंगों का आस्था भगवान श्री राम पर था क्योंकि वो गुरू गोविन्द सिंह जी को भगवान श्री राम का रूप मानते हैँ जो कंगन घाट गुरूद्वारे में मिलेगा गुरु जी का जन्म- गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1666 ई0 को पटना में हुआ । इनका बचपन का नाम गोबिन्द राय पटना सिटी में गुरुगोविन्द सिंह को गुरु के रूप में लगभग सभी लोग ईश्वर का साक्षात रूप मानते हैं क्योंकि वहाँ जन्म हुआ सिर्फ ऐ बात नहीं बल्कि सेवा यानी लंगर का जो स्नेह गुरुजी से सबको सिखाया इसलिए और वहाँ कभी बा? नहीं आता है क्योंकि गुरूजी ने अपने 4वर्ष उसी घाट पर बिताये और उसे आज गुरू गोविंद सिंह घाट कहते हैं वहाँ कम से कम 80प्रतिशत दुकानों में अभी भी उनका फोटो मिलेगा क्योंकि जब गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व पटना सिटी में 2017 में मनाया गया था।तब वहाँ बहुत से श्रद्धालु देश विदेश से आए और आस पास के जितने इलाके जैसे मंगलतालाब, जहाजी कोठी, सिटी चौक और वहाँ पंजाब से लाए गए खालसा पंथ का निशान भी गुरू गोविन्द सिंह पूल पर लगा है और शौर्य और शांति का प्रतिक है मंगल तालाब जो पूरी तरह गन्दा था वहाँ साफ सफाई कर शा में गुरुजी पर लाइट शो का आयोजन किया जाता है तख्त श्री हरमंदिर जी साहिब से महज 250 गज दूरी पर बहुत पहले गंगा की धारा बहती थी। यहां बाल गोबिंद 4 वर्ष की आयु में खेलने जाया करते थे। एक दिन उनके एक हाथ का कंगन नदी में गिर गया। तलाश कराये जाने पर एक ही तरह के सैकड़ों कंगन गंगा नदी से निकलने लगे। तभी से उस घाट का नाम कंगनघाट पड़ा उसी घाट पर उस समय भगवान श्रीराम की मंदिर था जो आज भी कंगन घाट पर है।उस समय वहां पंडित शिवदत्त भगवान श्री राम पूजा पाठ और भोग लगाया करते थे। पंडित शिवदत्त के पूजा में लीन रहने के दौरान बाल गोबिंद भोग का प्रसाद खाते और अपने साथियों को बाँट देते थे। एक दिन पकड़े जाने पर बाल गोबिंद जी ने कहा कि आप जिनका भोग लगाते हो, वो भोग उन्हीं को लग जाता है।अत: एक बार अपनी आंखे बन्द करें और प्रभु का ध्यान करें और जब पंडित शिवदत्त ने आंखे खोली तो बालक गोविन्द राय को प्रभु राम का रूप दिखा यह चित्र कंगन घाट गुरूद्वारे में उपर लगा हुआ है ऐसी मान्यता है कि इसके बाद बाल गोबिंद भगवान श्रीराम के रूप में दर्शन के बाद उनके भक्त बने । उसी वक्त से कंगनघाट पर स्थित श्रीरा मंदिर ही गुरु महाराज का गुरुद्वारा हो गया जो आज भी स्थापित है प्रभु राम ने हमेशा यही सिखाया है गरीबों की मदद करो और अहंकार मत करो सबको साथ लेकर चलो।

- संजय गोस्वामी

भीड़ में फंसा प्रबंधन- जिम्मेदार कौन

बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ऐतिहासिक जीत का जश्न जिस हर्षोल्लास से शुरू हुआ, वह कुछ ही पलों में भगदड़ और चीख-पुकार में बदल गया। चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर उमड़े लाखों समर्थकों का हुजूम एक बार फिर उस कटु यथार्थ को सामने ले आया जिसे हम बार-बार अनदेखा करते रहे हैं—भीड़ प्रबंधन में हमारी विफलता। घायल लोगों की चीखें, रुंधती सांसें और कुछ की थमती धड़कनें सिर्फ एक दुर्घटना नहीं थीं, बल्कि उस व्यवस्था की असफलता की परछाई थीं, जो हर बार चेतावनी के बावजूद सचेत नहीं होती। सवाल वही पुराना है कि आखिर जिम्मेदार कौन? क्योंकि 'भीड़' एक ऐसा शब्द है जो सुनने में सामान्य लगता है, लेकिन जब यह नियंत्रण से बाहर हो जाए तो एक भयावह शक्ति बन जाती है। भारत जैसे देश में जहां जनसंख्या का घनत्व हर क्षेत्र में साफ दिखता है, वहां हर बड़ा आयोजन, चाहे वह धार्मिक हो, सांस्कृतिक हो या राजनीतिक, संभावित खतरे का पर्याय बन चुका है। मगर हैरानी इस बात की है कि हर बार, हर हादसे के बाद, हम एक जैसे सवाल पूछते हैं और फिर सबकुछ धीरे-धीरे भुला दिया जाता है। कोई भी भीड़ अचानक नहीं बनती। वह किसी उद्देश्य, भावना या आस्था के तहत एकत्र होती है। परंतु त्रासदी तब जन्म लेती है जब उसे नियंत्रित करने वाली व्यवस्थाएं या तो लचर होती हैं या पूरी तरह अनुपस्थित। हमारे देश में ऐसे आयोजन जिनमें भीड़ की संभावना पहले से होती है, उनके लिए कोई ठोस रणनीति नहीं बनाई जाती या बनाई भी जाती है तो उसका पालन नहीं होता। प्रशासकीय योजनाएं फाइलों में सिमट जाती हैं, और धरातल पर मौजूद सुरक्षाकर्मी किसी भी आपात स्थिति के लिए तैयार नहीं होते। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आयोजक खुद भीड़ को केवल एक संख्या के रूप में देखते हैं लाखों लोग आए थे कहने की होड़ में वे यह भूल जाते हैं कि इन लाखों के पीछे उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी भी है। वे न तो प्रवेश और निकासी के मार्गों की योजना बनाते हैं, न स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित करते हैं और न ही किसी अनहोनी के लिए वैकल्पिक इंतज़ाम। वहीं प्रशासन कई बार या तो उदासीन बना रहता है या राजनीतिक दबाव में चुप्पी साध लेता है। आम नागरिक भी इस विफलता का हिस्सा हैं। वे आयोजन में भाग लेने को केवल एक सामूहिक उत्सव मानते हैं, जहां अनुशासन की कोई आवश्यकता नहीं समझी जाती। भीड़ में एक अफवाह, एक धक्का या एक अधीरता सैकड़ों जानों के लिए खतरा बन सकती है, पर यह चेतना अधिकांश लोगों में नहीं होती। सामूहिक जिम्मेदारी की इस कमी ने भीड़ को एक जीवंत, लेकिन बेकाबू शक्ति बना दिया है। तकनीक के इस युग में कहने को तो हमारे पास तमाम साधन हैं स्मार्टफोन, ड्रोन, सीसीटीवी, डेटा एनालिसिस लेकिन इनका उपयोग आमजन की सुरक्षा में कम और वीआईपी प्रोटोकॉल में ज़्यादा होता है। यह विडंबना नहीं तो और क्या है कि जहां एक ओर हम अंतरिक्ष में कदम रख चुके हैं, वहीं अपने ही देश में एक मेला या सभा सुरक्षित नहीं बना पाए हैं? हर बार हादसे के बाद जांच बैठती है, रिपोर्ट बनती है, कुछ नामों पर उंगलियाँ उठती हैं, फिर सब कुछ शांत हो जाता है। मृतकों की संख्या एक सरकारी आँकड़ा बन जाती है और उनके परिजन कुछ सहानुभूति भरे बयानों और मुआवज़े के चेक के साथ अकेले छोड़ दिए जाते हैं। कोई यह नहीं पूछता कि अगली बार ऐसा न हो, इसके लिए क्या बदला गया? भीड़ प्रबंधन सिर्फ प्रशासन का दायित्व नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक दायित्व है आयोजकों, पुलिस, नगर निकायों, स्वास्थ्य सेवाओं और सबसे बढ़कर, जनता की साझा जवाबदेही। **– सोनम लववंशी**

नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है

वैश्विक स्तरपर पृथ्वी पर विचलित 84 लाख योनियों की काया में यूं तो सभी अंग महत्वपूर्ण है,परंतु हर जीव की आंखें एक ऐसा कुदरत का दिया हुआ अनमोल गिफ्ट है, जिससे पूरी खूबसूरत दुनियाँ को सभी जीव देख सकते हैं, खास करके विशेष अद्भुत बुद्धिजीवी मानव योनि के लिए आंखें तो मानो एक खूबसूरत अद्भुत अंग है जिसके द्वारा वह जीते जी तो अपने परिवार साथियों सहित पूरी दुनियाँ को तो देख सकता है परंतु वह चाहे तो मृत्यु के बाद भी अपनी इन दोनों खूबसूरत आंखों से पूरी दुनियाँ को देख सकता है,बस फर्क केवल इतना है, अपना शरीर त्यागने के बाद वह दूसरे के शरीर से खूबसूरत दुनियाँ को देख सकता है। आज हम इस विषय पर चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि 10 जून 2025 को विश्व नेत्रदान दिवस है, इसलिए हमें समझना होगा कि,आँखों और दृष्टि का हमारें जीवन में बहुत बड़ा महत्व है। यदि व्यक्ति के जीवन में दृष्टि न हो तो उसके जीने का कोई मतलब ही नहीं होता और उसे प्रत्येक कार्य के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे तो सभी आंखों के महत्व को समझते हैं और इसीलिए इसकी सुरक्षा भी सभी बड़े पैमाने पर करते हैं। हममें से कुछ लोग ऐसे भी हैं जो दूसरों के बारे में भी सोचते हैं।आंखें ना सिर्फ हमें रोशनी दे सकती हैं बल्कि हमारे मरने के बाद वह किसी और की जिंदगी में उजाला भी भर सकती हैं। लेकिन कुछ लोग अंधविश्वास के कारण, ऑय डोनेशन नहीं करते। उनका मानना हैं कि अगले जन्म में वे नेत्रहीन ना पैदा हो जाएं। इस अंधविश्वास की वजह से दुनियां के कई नेत्रहीन लोगों को जिंदगी भर अंधेरे में ही रहना पड़ता है। सभी लोगोंको इस बात को समझना होगा और नेत्रदान अवश्य करना चाहिए।हमारा एक सही फैसला लोगों के जिंदगी में उजाला ला सकता हैं।चूँकि नेत्रदान महादान है व नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, आओ अपनी आंखें दान करने का संकल्प लेकर अपनी जिंदगी के बाद दूसरों की दुनियाँ रोशन करें, आत्मा की खिड़की रूपी आंखों को मृत्यु के बाद भी जीवित रखें।

साथियों बात अगर हम भारत में दृष्टिहीन या नेत्रहीन बांधवों का कॉर्नय प्रत्यर्पण कर 1 वर्ष में ही भारत को अंधत्व मुक्त भारत बनाने में सहयोग की करें तो, एक आंकड़े के अनुसार भारत में लगभग 1.25 करोड़ लोग दृष्टिहीन हैं, जिसमें करीब 30 लाख व्यक्ति नेत्र प्रत्यारोपण के माध्यम से नवदृष्टि प्राप्त कर सकते हैं, आकलन बताता है कि एक वर्ष में देश में जितने लोगों की मृत्यु होती है, अगर सभी के नेत्रों का दान हो जाए तो देश के सभी नेत्रहीन लोगों को एक ही साल में आंखें मिल जाएंगी, मगर लोग नेत्रदान करते नहीं हैं और कार्निया प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा सूची लंबी होती जाती हैं,कोरोना काल में तो नेत्रदान की संख्या और कम हो गई थी,खतरा केवल यही नहीं है, अपनी लापरवाही के कारण दुनियाँ धीरे-धीरे अंधत्व की तरफ बढ़ रहीहै,विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार मोतियाबिंद और ग्लूकोमा के बाद कॉर्निया की बीमारियां (आंखों की अगली परत कार्नियाका क्षतिग्रस्त होना) आंखों की रोशनी जाने की प्रमुख वजहें हैं,अंधत्व की समस्या से गुजर रहे 92.9 पेर्सेंट लोगों को अंधा होने से बचाया जा सकता है,इसे प्रिवेंटेबल ब्लाइंडनेस यानी रोका जा सकने वाला अंधत्व भी कहा जाता है,लेकिन मानवीय आदतों,जरूरत होनेपर भी आंखों का चश्मा नहीं लगाना, मोतियाबिंद का ऑपरेशन नहीं करवाना और ग्लूकोमा की समय-समय पर जांच नहीं करवाने, कंप्यूटर और मोबाइल पर ज्यादा काम करने से अधिकांश लोगों की आंखों को नुकसान पहुंच रहा है, बदलती लाइफस्टाइल,अनियमितदिनचर्या प्रदूषण और बहुत ज्यादा स्ट्रेस होने की वजह से ज्यादातर लोग आंख से जुड़ी समस्याओं का शिकार होने लगे हैं,ऑन लाइन क्लासेस और कंप्यूटर का इस्तेमाल बढ़ने से बच्चों और युवाओं की आंखों में सूखेपन की समस्या बड़ी है।आज देश के कई नेत्रहीनों को हमारी आंखें नई रोशनी दे सकती हैं,मगर इसके लिए सबसे पहले हमें जीवित रहते हुए अपनी आंखों और उनकी रोशनी का ध्यान रखना और मृत्यु उपरांत नेत्रदान करना जरूरी है, जिस तरह से हमारी दिनचर्या बिगड़ रही हैं, हमें अपनी आंखों की देखभाल करने के लिए कुछ कार्य जरूर करना चाहिए जैसे, अच्छी दृष्टि के लिए संतुलित आहार का सेवन करें, अपने आहार में हरी पत्तेदार सब्जियों, अंडे, फलियों एवं गाजर को अधिक

से अधिक मात्रा में शामिल करें, आंखों की सुरक्षा के जतन करें, आंखों के बेहतर स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अपनी आंखों की नियमित जांच कराएं,यदि हम कंप्यूटर और मोबाइल पर लंबे समय तक काम करते हैं तो आंखों का सूखापन बढ़ सकता है।

साथियों बात अगर हम नेत्रदान की प्रक्रिया व पात्रता को समझने की करें तो,भारत में नेत्रदान की प्रक्रिया कैसे काम करती है भारत में नेत्रदान की प्रक्रिया सरल है। (1) नेत्रदान की ओर पहला कदम किसी पंजीकृत नेत्र बैंक में नेत्रदान प्रतिज्ञा पत्र पर हस्ताक्षर करना है। (2) नेत्र बैंक द्वारा उपलब्ध कराए गए फॉर्म में अपनी सभी जानकारी भरें। (3) इसके बाद,और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपने प्रियजनों को अपने निर्णय के बारे मेंसूचित करें ताकि वे जान सकें कि हमारी मृत्यु के बाद किसे फोन करना है (क्योंकि आंख निकालने की प्रक्रिया मृत्यु के लगभग तुरंत बाद होनी चाहिए)। (4) स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर अपनी आंखों की देखभाल करें ताकि दान के समय वे अच्छी स्थिति में हों। (5) यदि हमने नेत्रदान करने का संकल्प लिया है, तो सुनिश्चित करें कि हमारे प्रियजन मृत्यु के 6 घंटे के भीतर नेत्र बैंक को दान के लिए संपर्ककरें।उन्हेंनिम्नलिखित प्रक्रिया का पालन करना होगा-(1) निकटतम नेत्र बैंक को कॉल करें। जितनी जल्दी हम कॉल करेंगे, उतना बेहतर होगा। (2) मृत व्यक्ति की दोनों आंखें बंद रखें तथा सूखने से बचाने के लिए नम रुई से ढक कर रखें। (3) हम शव को हवा से दूर बंद कमरे में रख सकते हैं, तथा सुनिश्चित कर सकते हैं कि पंखा बंद हो। (4) यदि संभव हो तो शरीर के ऊपरी आधे हिस्से को लगभग 6 इंच ऊपर उठाएं। (5) जब उपयुक्त कर्मचारी आएं,तो उन्हें आंखें निकालने में 20 मिनट से ज़्यादा समय नहीं लेनाचाहिए। वे यह भी सुनिश्चित करते हैं कि आंख निकालने के कोई भी निशान न रह जाएं।नेत्रदान के लिए कौन पात्र है? सभी उम्र और लिंग के लोग नेत्रदान के लिए पात्र हैं। यहां तक कि मायोपिया और हाइपरोपिया जैसी अपवर्तक त्रुटियों वाले लोग या मोतियाबिंद की सर्जरी करवाने वाले लोग, उच्च रक्तचाप जैसी अन्य समस्याओं वाले लोग भी अपनी आंखें दान कर सकते हैं। कौन अपनी आंखें दान नहीं कर सकता जिन लोगों को संक्रामक रोग हैं,वेअपनी आंखें दान नहीं कर सकते। नेत्र बैंक के कर्मचारी ऐसी आंखों का उपयोग करने से पहले इन बीमारियों की जांच करते हैं। ये कर सकते हैं नेत्रदान,अधिकतर मामलों में हर कोई नेत्रदान कर सकता है,इसमें ब्लड ग्रुप, आंखों के रंग, आई साइट, साइज, उम्र, लिंग आदि से कोई फर्क नहीं पड़ता है, डोनर की उम्र, लिंग, ब्लड ग्रुप को कॉर्नियल टीश्यू लेने वाले व्यक्ति से मैच करने की कोई आवश्यकता नहीं होती है,जिन रोगियों ने मोतियाबिंद, काला पानी या अन्य आंखों का ऑपरेशन करवाया है, वे भी नेत्रदान कर सकते हैं, नजर का चश्मा पहनने वाले, मधुमेह, अस्थमा, उच्च रक्तचाप और अन्य शारीरिक विकारों जैसे सांस फूलना, हृदय रोग, क्षय रोग आदि के रोगी भी नेत्रदान कर सकते हैं। कौन नहीं कर सकता नेत्रदान-कई सारे गंभीर रोगों से पीड़ति व्यक्ति नेत्रदान नहीं कर सकते हैं,जैसे एड्स, हैपेटैटिस, पीलिया, ब्लड केन्सर, रेबीज (कुत्ते का काटा), सेप्टीसिमिया, गैंगरीन, ब्रेन टयूमर, आंख के आगे की काली पुतली (कार्निया) की खराबी हो, जहर आदि से मृत्यु हुई हो या इसी प्रकार के दूसरे संक्रामक रोग हों, तो इन्हें नेत्रदान की मनाही होती है- नेत्रदान करने की सावधानी (1) परिवार वालों को जितना जल्दी हो सके नेत्रदान की प्रक्रिया पूरी करवानी चाहिए,आंखों को डोनेट के बाद जल्द से जल्द ट्रांसप्लांट कर दिया जाता है। (2) यदि समय लगता है तो कॉर्निया को कोल्ड स्टोरेज में रखा जाता है जहां से 7 दिनों के अंदर उसका इस्तेमाल कर लिया जाता है।(3) नेत्रदान सरल और आसान प्रक्रिया है, इसमें महज 10 से 15 मिनट का समय लगता है।(4) मृत्यु के बाद नेत्रदान करने के लिए डोनर के परिवार की ओर से आईबैंक में जाकर फॉर्म भरा जाता है। (5) फॉर्म भरने के बाद पंजीकरण किया जाता है,उसके बाद कार्ड भराजाता है।(6) ये पंजीकरण आप मृत्यु से पहले भी करवा सकते हैं ताकि मृत्यु के बाद आपकी आंखों को दान किया जा सके। (7) डोनर के परिवार वालों के निकटतम आईबैंक में टीम को सूचित करना होता है इसके बाद टीम कॉर्निया निकालने की प्रक्रिया पूरी करती है। (8) मृत्यु के बाद आंखों को निकालने से चेहरे पर कोई निशान नहीं बनता है। गुप्त रखी जाती है जानकारी- (1)कोई भी व्यक्ति आई डोनर तभी हो सकता है, जब उसकी मृत्यु हो गई हो यानी नेत्रदान केवल मृत्यु के बाद ही किया जाता है।(2) नेत्रदान के लिए उम्र की कोई सीमा तय नहीं होती, कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है। (3) नेत्रदान करने वाले डोनर और जिस मरीज को आंखें दी जा रही हैं, उन दोनों की जानकारी गुप्त रखी जाती है।(4) मृत्यु के बाद परिवार का कोई भी सदस्य नेत्रदान कर सकता है।(5) नेत्रदान में किसी भी परिवार को न तो भुगतान करना होगा और न ही उन्हें इसके बदले में कोई पैसे मिलेंगे।

साथियों बात अगर हम नेत्रदान के प्रति भारतीय समाज में भ्रांति की करें तो,इंडियन जर्नल ऑफ ऑप्थेल्मोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन बताता है कि भारत में नेत्रदान न करने के पीछे कोई सांस्कृतिक या धार्मिक कारण नहीं हैं, बल्कि गलत सूचना और दान किए गए ऊतक के उचित उपयोग न होने के कारण अधिक हैं, नेत्रदान को लेकर कई सारे मिथक हैं जिन्हें तोड़ने की जरूरत है. कई लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से अगले जन्म में नेत्रहीन पैदा होंगे, धर्म नेत्रदान की अनुमति नहीं देता है, नेत्रदान से शरीर विकृत हो जाता है, नेत्रदान के दौरान मृतक की पूरी आंखें निकाल ली जाती हैं और आंखों की जगह गड्ढे बन जाते हैं, आदि आदि,इन धारणाओं का कोई वैज्ञानिक आधार नहीं है,यह समझना बेहद जरूरी है कि नेत्रदान के लिए आंखें नहीं निकाली जाती हैं, सिर्फ आगे की पुतली यानी कार्निया निकाला जाता है जिससे मृतक का चेहरा देखने में बुरा नहीं लगता।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करेंतो,हम पाएंगे कि विश्व नेत्रदानदिवस 10 जून 2025 पर विशेष-नेत्रदान महादान ,नेत्रदान मर के भी जिंदा रहने का अनमोल वरदान है।आओ अपनी आंखें दान करने का संकल्प लेकर,अपनी जिंदगी के बाद दूसरों की दुनियाँ रोशन करें-आत्मा की खिड़की रूपी आंखों को मृत्यु के बाद भी जीवित रखें।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं
गोंदिया महाराष्ट्र

इन्दौर बाजार भाव

इन्दौर। बिकवाली दबाव से सोमवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार मंदी के रहे। चने में सुस्ती बनी। खाद्य तेलों में कारोबार सामान्य ही रहा। तिलहनों में टिकाव बना रहा। किराना जिंसों में नारियल बाजार मजबूती पर रहे। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में नये मालों की आवकों के मद्देनजर बाजार में तेजी है। मूंग में बाजार 200 रू. प्रति क्विंटल तक टूट गये। चना बाजार सुस्ती पर रहा। खाद्य तेलों में कारोबारी सुस्ती देखी गयी। तिलहनों में टिकाव रहा। उधर, किराना जिंसों में नारियलों में लेवाली से बाजार मजबूती नज़र आये। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4120-4155, खोपरा गोला 245-270, खोपरा बूरा 4000-6100 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 275-283, मीडियम 287-292, बेस्ट 300-310, ऊंझा हल्का 268-285, बेस्ट 295-310, हल्दी निजामाबाद 150-200, सांगली 250-255, साबूदाना हल्का 6000-6100, मीडियम 6200-6300, बेस्ट 6300-6500, ग्लास 6700, वरलक्ष्मी 5350, सौंफ मोटी 95-120, बेस्ट 280-315, एस्ट्रा बेस्ट 320-350, सौंफ बारिक 280-290, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1200, क्लीन 1350-1600, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 160-185, सिंदूर 6600, देशी कपूर 750-775, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2700-2800, मीडियम 2900-3050, बोल्ड 3100-3400, एक्ट्रा बोल्ड 3500-3700, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1450-1825, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 900-950, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 870-900, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 450-650, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1300-1450, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2500-2600, (160) 2900-3000, (200) 3300-3400, (250) 3400-3500

तेल- सींगदाना 1350-1360, मुम्बई 1375, राजकोट तेलिया 2150, सोया साल्वेंट 1075-1080, सोया रिफाइंड 1135-1140, कपास्या 1180-1185, धूलिया 1190, कड़ी 1195,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1325, मुम्बई पाम 1145, मुम्बई सोया 1170,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2200, देवास-उज्जैन 2200, खंडवा-बुरहानपुर 2175, अकोला 2990 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 6300-6400, रायडा 5600, सोयाबीन 4300, टोली (महुआ बीज) 4000-4200, करंज 4000-4200, अलसी 7500-7600, अरंडी 4500-4700,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5700-5800, एवरेज 5100-5200, काबूली चना बिटकी 6300-6600, काबली चना काटकू 6700-7200, काबूली चना मीडियम 7400-8300, काबूली चना डॉलर 9600-10600, मसूर बेस्ट 6050-6100, एवरेज 5950-6000, मूंग देशी 6300-6400, पाला 6400-6500, चमकी 6500-6600, नायलोन 6700-6800, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6900-7000, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 8000-8200, बेस्ट 8300-8500, तुअर दाल सवा नं. 8300-8400, तुअर दाल फूल 9500-9700, तुअर दाल बोल्ड 11700-11800, मसूर दाल एवरेज 7400-7550, बेस्ट 7600-7750, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 10400-10500, बोल्ड 10600-10800, उड़द दाल 10600-10700, बोल्ड 10800-10900, मोगर 10900-11000, बोल्ड 11200-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2400-2500, लोकवन 2700-2650, बेस्ट 2750-2800, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2800-2900, पूर्णा 2900-3000, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2350-2400,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3050, सेला 3400-3800, परमल 3400-3500, दुबराज 4000-4800, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 7000-7500, मोगरा 4500-6500, तिबार 9000-10000, बासमती (921) 10500-11500, बासमती सेला 6500-9000, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इन्दौर सराफा बाजार

इन्दौर। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार मंदी के रहे। भाव इस प्रकार रहे -

चॉंदी (9999) 102400, चॉंदी (99) 102300, टंच 101600, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 97000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 4 पैसे की गिरावट के साथ ही 85.67 पर बंद हुआ। आज सुबह कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के दौरान सोमवार को रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे की गिरावट के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर में आधा फीसदी की बड़ी कटौती से शुरुआत में रुपये को कुछ फायदा हुआ। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 85.61 प्रति डॉलर पर खुला। हालांकि, बाद में यह चार पैसे के नुकसान के साथ 85.72 प्रति डॉलर पर आ गया। शुक्रवार को रुपया 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.68 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक 0.16 फीसदी की गिरावट के साथ 99.02 पर कारोबार कर रहा था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए धैर्य व संयम से काम लेने वाला रहेगा। आप किसी प्रलोभन के चक्कर में अत्यधिक मात्रा में धन ना लगाएं। आपको किसी से कोई वादा सोच समझकर करना होगा। आपको अपनी वाणी पर संयम रखना होगा। बेवजह का तनाव मिलने से आपकी समस्याएं बढ़ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आप कोई जरूरी जानकारी किसी से शेयर ना करें। आपका प्रमोशन होते-होते रुक सकता है, इसलिए आपको कामों में पूरी मेहनत व ईमानदारी दिखानी होगी।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए सोच समझकर कामों को करने के लिए रहेगा। आप अपनी अच्छी सोच से कार्यक्षेत्र में कोई अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं। विद्यार्थियों को परीक्षा में सफलता पाने के लिए कड़ी मेहनत की आवश्यकता होगी और उन्हें कहीं बाहर से पढ़ाई का ऑफर भी आ सकता है। जल्दबाजी के किसी काम से आपको कोई नुकसान होगा, इसलिए आप थोड़ा ध्यान दें। आपका मन विचलित रहने से आप परेशान रहेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। बिज़नेस कर रहे लोगों को किसी विशेषज्ञ की सलाह की आवश्यकता होगी। आपको अपने काम को लेकर धैर्य व संयम बनाए रखना होगा।

कर्क- आज का दिन आपके लिए लेनदेन से संबंधित मामलों में सावधानी बरतने के लिए रहेगा। यदि कोई समस्या लंबे समय से आपको बनी हुई थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपके शत्रु आपके कामों को बिगाड़ने की कोशिश कर सकते हैं। आप शौक मौज की चीजों की खरीदारी पर अच्छा खासा धन व्यय करेंगे। यदि जीवनसाथी आपसे नाराज चल रहे हैं, तो आप उन्हें मनाने की पूरी कोशिश करें।

सिंह- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने भाई के स्वास्थ्य को लेकर चिंता हो सकती है। आप किसी काम में बिना सोचे समझे हाथ ना बढ़ाएं, नहीं तो आपका वह काम बिगड़ सकता है। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति यदि आपसे मेल मिलाप करने आए तो आप उसमें गढ़े मुर्दे ना उखाड़ें, नहीं तो बेवजह के लड़ाई झगड़े बढ़ेंगे।

कन्या- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपके चारों ओर का वातावरण खुशनुमा रहेगा। आपका कोई लंबे समय से रुका हुआ काम पूरा हो सकता है। नौकरी में कार्यरत लोगों को कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। संतान को किसी परीक्षा में सफलता मिलने से आप उनके लिए किसी सरप्राइज पार्टी का आयोजन कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए सुविधाओं में वृद्धि लेकर आने वाला है। प्रेम जीवन जी रहे लोगों को अपने साथी के साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। आपने यदि किसी को धन उधार दिया था, तो उसे वापस मिलने में आपको थोड़ी समस्या तो आएगी, लेकिन आपके सभी काम अच्छे से पूरे होंगे। आपकी कोई मन की इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए प्रसन्नता दिलाने वाला रहेगा। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे। आप अपने अनुभवों का लाभ उठाएंगे और किसी को काम को लेकर कोई सलाह भी दे सकते हैं। नौकरी की तलाश में लगे लोगों को कोई बेहतर अवसर हाथ लगेगा। यदि आपको काम को लेकर कोई उलझन चल रही थी, तो वह भी दूर होगी। आपको नौकरी में ट्रांसफर मिलने से किसी दूसरी जगह जाना पड़ सकता है, लेकिन आपकी सेहत थोड़ा कमजोर रहेगी, जिस पर आपको ध्यान देना होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। आप अपने विरोधियों को भी आसानी से मात देने की कोशिश करेंगे। बिजनेस में आप योजनाओं में कुछ बदलाव करेंगे, जिससे आपकी आय में भी बेहतर रहेगी। आपको परिवार में किसी सदस्य की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट मिलने से आपका मन काफी खुश रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम की तैयारी हो सकती हैं।

मकर- आज का दिन आपके लिए आर्थिक दृष्टिकोण से अच्छा रहने वाला है। आप अपने धन को लेकर यदि कोई निर्णय लेंगे, तो वह आपके लिए अच्छा रहेगा। आप किसी नए काम की शुरुआत करने की प्लानिंग कर सकते हैं। आप किसी काम को लेकर काफी व्यस्त रहेंगे। आपको भविष्य को लेकर कोई निर्णय थोड़ा सोच समझकर लेना होगा। सामाजिक क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को अपने कामों पर पूरा ध्यान देना होगा, क्योंकि उनके ऊपर काम का दबाव भी थोड़ा अधिक रहेगा।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। आपके मन में उलझनें बनी रहेंगी। आपको छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचना होगा और आप अपनी वाणी पर संयम रखें। वैवाहिक जीवन में आपसी सामंजस्य रहने से आपका मन काफी खुश रहेगा। ससुराल पक्ष से किसी व्यक्ति से आपको मिलने का मौका मिलेगा। सरकारी क्षेत्रों में कार्यरत लोगों को कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है।

मीन- आज का दिन आपके लिए थोड़ा चुनौतीपूर्ण रहेगा। व्यवसाय में आपका कोई भारी नुकसान हो सकता है और नौकरी में कार्यरत लोगों के शत्रु उनके पीठ पीछे चुगली लगाने की कोशिश करेंगे, जिससे उनके बॉस से रिश्ता भी खराब हो सकता है। यदि कोई पैतृक संपति को लेकर विवाद चल रहा था, उसमें फैसला आपके पक्ष में आ सकता है। माता जी के स्वास्थ्य में कुछ गिरावट आने से भागदौड़ अधिक रहेगी और आपका खर्चा भी अधिक होगा। आपको आपका रुका हुआ धन मिलने से खुशी होगी।

शब्दजाल - 7925

शब्दजाल में राशिचक्र की 10 राशियों के नाम ढूंढिए. शब्द उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

मेष, मकर, वृषभ, कन्या, सिंह, तुला, कुंभ, मीन, मिथुन, कर्क

अ	मु	न	सी	ब	आ	ज	ग	ल	ट	रा
वि	ली	प्रे	क	न्या	स	द	ज	कां	ड़	चु
मे	ष	बा	दी	छ	मि	आ	ब	वृ	क	इं
नौ	ब	न	बा	वा	स	थु	ल	ष	क	डि
अ	मी	ल	म	चा	न	क्रो	न	भ	च	या
ल	न	र	रा	क	ली	ती	ण	घ	र	द
सिं	निं	ग	ट्रे	न	र	स	बा	व	स	क
ह	ऊ	ई	द	ब	क	फ	चो	श	क	रा
म	तु	ला	रा	म	स	या	औ	र	आ	क
गॉ	ल	प	लि	जी	कुं	भ	म	प	द	क
ड	क	र्क	या	क	र्त	व्य	ब	त	म	श

शब्दजाल - 7924 का हल

अ	ज	ग	र	ग	द	रि	सि	या	र	क
दा	वि	ल	ग	व	जी	ग	द	इ	ता	ली
गि	स	शे	ल	बा	छ	ची	ता	रा	क	क
री	ज	र	दो	पु	ज	न	ह	न	त	क
क	खु	दो	भा	लू	लं	का	म	ग	व	क
जी	द	ल	प	य	ख	पू	ना	हि	र	को
ती	लो	म	ड़ी	या	प	र	श	र	र	ल
क	र्ज	ल्जा	ई	धा	ब	क	गो	लो	श	ण
ने	बा	म	न्न	ब्रा	ह	त्या	री	श	प	क
तें	दु	आ	प	व	जी	र्त	ऐ	बें	हा	त
क	दु	ल्हे	रा	नी	ल	गा	य	द	प	थ

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6869

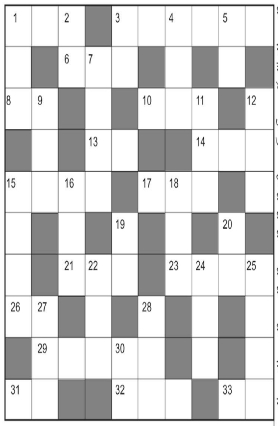

ऊपर से नीचे:-

१. अमिताभ, संजयदत्त, अक्षय खन्ना, अमृताराव की आगामी नई फिल्म-३
२. 'करीब' में बॉबी की नायिका -२
३. कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
४. सलमान, संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'अरे बाब' गीत वाली फिल्म-३
५. 'इश्क समंदर' गीत वाली फिल्म-२
७. संजयकपूर, प्रिया गिल, सुष्मिता की 'होश ना खबर' गीत वाली फिल्म-२,२
९. अमिताभ, संजीव, ऋषि, हेमा की फिल्म-३
११. 'प्यार करना नही' गीत वाली फिल्म-३
१२. किशोरकुमार, मधुबाला की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'जंगल में मोर नाचा' गीत वाली फिल्म-४
१६. 'आवारा' की नायिका कौन थी-३
१८. 'तुम्हें जिंदगी के' गीत वाली धर्मेन्द्र, मीनाकुमारी की फिल्म-३
१९. विक्रम, लक्ष्मी की 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली फिल्म-२
२०. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली फिल्म-२
२२. कमल हासन, शाहरूख, रानी की फिल्म-१,२
२४. 'पैसे बिना प्यार' गीत वाली फिल्म-३
२५. मिथुन, काजल किरण की 'तेरे नाम का दिवाना' गीत वाली फिल्म-४
२७. ऋषिकपूर, माधुरी की फिल्म-३
२८. रेमो फर्नाडीस के गीत 'देखो देखो ये है जलवा' गीत वाली फिल्म-३
३०. अमिताभ, गोविंदा, किमी की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अजय देवगन, उर्मिला, महिमा की 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३. 'प्रेमी आशिक आवारा' गीत वाली अजय देवगन, मधु की फिल्म-२,२,२
६. जिमी शेरगिल, ऋशिता की 'आँखें भी होती हैं' गीत वाली फिल्म-३
८. 'सरकी चुनरिया रे' गीत वाली अभिषेक, भूमिका की फिल्म-२
१०. शत्रुघ्न सिन्हा, श्रीदेवी की 'कोई मर्द ना ऐसा' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यूं मेरा दिल' गीत वाली करण नाथ, मनीषा, नतान्या की फिल्म-२
१४. सनी देओल, फरहा की 'रूत पिया मिलन की आई' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'तेरी निगाहों पें मर' गीत वाली महमूद, विजयलक्ष्मी की फिल्म-४
१७. अक्षय, सुनील, करिश्मा, सोनाली की 'तेरा ये देख' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार, कल्पान की फिल्म-३
२३. शशिकपूर, शर्मिला की 'वो तेरे प्यार का गम' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. फिल्म 'परिचय' में जीतेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२९. 'मेरे प्यार की आवाज' गीत वाली विनोद खन्ना, नीतू सिंह की फिल्म-५
३१. 'महबूब की मेहंदी' में राजेशखन्ना के साथ नायिका कौन थी-२
३२. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली अमिताभ, जीनत की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6868

घा	त	■	स	फ	र	■	आ	क्रो	श
य	■	■	फा	■	ह	मे	शा	■	
ल	व	स्टो	री	■	मा	ला	■	अं	■
■	ही	■	■	आ	न	■	आ	जा	द
अं	दा	ज	■	ई	■	सं	ग	म	■
गा	■	या	रा	ना	■	सा	■	■	खु
रे	खा	■	ज	■	स	र	फ	रो	श
■	मो	■	■	सु	र	■	श	■	बू
आ	शी	र्वा	द	■	ग	द	र	■	■
मीं	■	■	स	न	म	■	■	यु	वा

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8393

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8392 का हल

■	स	ज	ग	■	ह	सी	न	■
बा	दा	■	र	■	म	■	व	ध
प	■	फि	ल	हा	ल	■	■	मा
सी	र	त	■	नि	■	रु	ब	ल
■	■	र	ज	■	न	ख	■	■
नी	जा	त	■	जो	■	सा	हि	ल
र	■	■	क	र	ता	र	■	ह
व	श	■	स	■	मी	■	ता	जा
■	क	ल	म	■	ल	की	र	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

(कुंडली: ३ गुरु बुध, सूर्य २, शुक्र १, १२, शनि, ११ राहु, मंगल केतु ५, ४, ८ चंद्र, ६, ७, ९, १०)

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.38 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	कर्क	07.51 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	10.07 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.19 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.30 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.45 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.01 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.06 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.52 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	00.25 बजे से
		मेष	01.56 बजे से
		वृष	03.36 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 161 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 11.36 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** अनुराधा 18.02 बजे को समाप्त। **योग** सिद्ध 13.45 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 11.36 बजे तदनन्तर विष्टि 00.28 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 13.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 23° 01' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872371 **जूलियन दिन** 2460836.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** जिल्हेज **तारीख** 13 **विशेष** वट पूर्णिमा व्रत, पूर्णिमा उपवास, ज्येष्ठ पूर्णिमा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: नागरिक का कर्तव्य

लीबिया के लिबलिस शहर के एक प्रमुख अस्पताल में अलगअलग वार्डों में मरीजों को मुख्य डाक्टर के आने का इंतजार था। नर्स, कंपाउंडर आदि बेंचों पर शांति से बैठे थे लेकिन लंबे कद का एक आदमी लंबा चोगा पहने, चहलकदमी करता हुआ प्रत्येक स्थान और वस्तु का गहराई से निरीक्षण कर रहा था, तभी अपनी ओर आते बड़े डाक्टर को देख कर वह व्यक्ति ठिठका। डाक्टर ने पूछा, ''ऐ मिस्टर, कौन हो तुम? यहां क्या कर रहे हो?'' वह व्यक्ति बोला, ''डाक्टर, मेरे पिता बहुत बीमार है।'' इस पर डाक्टर बोला, ''बीमार हैं तो उन्हें यहां भरती कराओ।'' ''वह बहुत कमजोर हैं। उन्हें यहां लाना संभव नहीं है। आप चलिए डाक्टर,'' उस व्यक्ति ने आदरपूर्वक कहा। लेकिन डाक्टर ने उसे झिड़क दिया, ''क्या बेहूदगी है? मैं तुम्हारे घर कैसे जा सकता हूं?'' ''भले ही रोगी मर जाए, फिर भी आप नहीं जा सकते?'' वह व्यक्ति बोला। डाक्टर ने उसे डांटते हुए कहा, ''ज्यादा बोलने की जरूरत नहीं है। तुम्हें मालूम नहीं कि तुम किस से बात कर रहे हो। चीफ सिविल सर्जन से इस तरह बात की जाती है?'' यह सुन कर वह व्यक्ति तिलमिला गया। इस का उस ने सख्ती से उत्तर दिया, ''मैं ने अभी तक तो बहुत शराफत बरती है, लेकिन मुझे तुम से बात करने का ढंग सीखने की जरूरत नहीं है डाक्टर। तुम भी नहीं जानते कि तुम किस से बात कर रहे हो।'' अब डाक्टर का पारा चढ़ गया। उसने अस्पताल के वार्ड अटेंडेंट को पुकार कर कहा, ''इस पागल को पागलखाने भिजवा दो।'' जैसे ही अटेंडेंट आगे बढ़ा, उस लंबे व्यक्ति ने अपना चोगा उतार फेंका। डाक्टर ने देखा, सामने कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि सैनिक वरदी में एक रोबदार कर्नल खड़ा था। अब तो डाक्टर भी खुद सकपका गया। अपने देश के राष्ट्रपति कर्नल गद्दाफी को सामने देख कर उस के होश उड़ गए। कर्नल गद्दाफी ने आदेश दिया, डाक्टर, अब तुम्हारे लिए लीबिया में कोई जगह नहीं है। मैं एक अस्पताल का नहीं, पूरे देश का अनुशासित सेनापति और कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी हूं। जो लोग अपना कर्तव्य निभाना नही जानते, उन्हें इस देश में रहने का कोई हक नहीं।'' राष्ट्रपति के आदेश पर तत्काल अमल हुआ और सबक मिला कि राष्ट्र सेवा प्रत्येक नागरिक का सर्वोच्च कर्तव्य है।

सूडोकु नवताल- 7178

★☆☆☆☆ सरल

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7177 का हल

8	2	4	3	9	7	5	1	6
3	5	6	1	4	2	7	8	9
1	9	7	6	5	8	2	3	4
9	6	2	5	8	3	1	4	7
5	3	1	4	7	9	8	6	2
4	7	8	2	1	6	9	5	3
2	8	3	9	6	1	4	7	5
6	1	5	7	2	4	3	9	8
7	4	9	8	3	5	6	2	1

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग, फाइनेंस, एनर्जी और आई टी शेयरों में आई तेजी से बाजार उछला है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 256 अंकों की बढ़त के साथ ही 82,445.21 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई पर निफ्टी 0.40 फीसदी बढ़कर 25,103.20 पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान निफ्टी पर बजाज फाइनेंस, कोटक महिंद्रा बैंक, एक्सिस बैंक, जियो फाइनेंशियल, ट्रेंट के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन कंपनी, एमएंडएम, भारती एयरटेल के शेयर नुकसान में रहे। रियल्टी के अलावा शेष सभी सेक्टोरल इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए. जिनमें आईटी, पीएसयू बैंक 1-1 फीसदी ऊपर रहे। बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स में 1-1 फीसदी की बढ़त रही। बाजार में उत्साह का माहौल आरबीआई के रेपो दर में 50 आधार अंकों और सीआरआर में 100 आधार अंकों की कटौती करने के कारण दुनिया भर के बाजारों में पड़े प्रभाव से आया है। वहीं एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.92 फीसदी की तेजी के साथ 38,088 पर और कोरिया का कोस्पी 1.55 फीसदी बढ़कर 2,855 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 1.63 फीसदी की बढ़त के साथ 24,181 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.43 फीसदी की तेजी के साथ 3,399 पर बंद हुआ। ऑस्ट्रेलियाई बाजार सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद हैं। अमेरिकी बाजारों में वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए। उम्मीद से बेहतर गैर-कृषि पेरोल डेटा ने आर्थिक मंदी की आशंकाओं को कम करने के चलते वॉल स्ट्रीट में तेजी आई। डाऊ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज में 1.05 फीसदी की वृद्धि हुई, एसएंडपी 500 में भी 1.03 फीसदी की वृद्धि हुई तथा नैस्डैक कंपोजिट में 1.20 फीसदी की तेजी आई। इससे पहले आज सुबह बाजार मजबूती के साथ खुले। रिजर्व बैंक के रेपो रेट में 0.5 फीसदी की बड़ी कटौती और कैश रिजर्व रेश्यो घटाने के फैसले का भी बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सुबह सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,574.55 अंक पर खुला। खुलते ही इसमें तेजी देखी गई। शुरुआत के बाद यह 314.82 अंक बढ़कर 82,503.81 पर कारोबार कर रहा था।

चीन से रोक के बाद भारत अब मैग्नेट आयात के तलाश रहा वैकल्पिक स्त्रोत

नई दिल्ली। चीन से आपूर्ति में व्यवधान की वजह से भारत अब मैग्नेट आयात करने के वैकल्पिक स्त्रोत की तलाश कर रहा है। एक सरकारी अधिकारी ने कहा कि फिलहाल कोई अस्थायी घरेलू विकल्प मौजूद नहीं होने की वजह से यह कवायद की जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा चीन पर लगाए गए भारी जवाबी शुल्क के बाद चीन ने 4 अप्रैल से सात भारी और मध्यम दुर्लभ खनिज और मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें सैमेरियम, गैडोलीनियम, टेरबियम, डिस्प्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैनडियम और यिट्रिटियम शामिल हैं, जिनका उपयोग रक्षा, ऊर्जा और वाहन में किया जाता है। चीनी कंपनियों को अब इनके निर्यात के लिए रक्षा लाइसेंस प्राप्त करने की जरूरत है। हालांकि, भारत ने यह आश्वासन दिया था कि इन मैग्नेट का उपयोग रक्षा विनिर्माण में नहीं होगा, बल्कि केवल वाहन विनिर्माताओं द्वारा घरेलू उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। फिर भी चीन इन मैग्नेट के संभावित सैन्य उपकरणों में प्रयोग और अमेरिका को निर्यात के बारे में चिंतित है। संभावित देशों के नाम नहीं जाहिर करते हुए अधिकारी ने कहा कि केंद्र सरकार इस मसले को हल करने के लिए चीन के साथ बातचीत कर रही है। मगर इसके अलावा भी हम व्यवहार्य विकल्पों पर विचार कर हैं, क्योंकि कोई घरेलू विकल्प मौजूद नहीं है। उल्लेखनीय है कि चीन के पास दुनिया का करीब आधा दुर्लभ भंडार है, 70 फीसदी निष्कर्षण क्षमता और 90 फीसदी प्रसंस्करण क्षमता है।

एयरटेल ने आरबीआई, एनपीसीआई से डिजिटल पेमेंट को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का भेजा प्रस्ताव

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी को रोकने बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने 40 बैंकों, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) और नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) को पत्र लिखा है। इसमें एयरटेल ने दावा किया है कि उसने एक ऐसा डेटाबेस तैयार करने की योजना बनाई है, जिसमें धोखाधड़ी वाले वित्तीय डोमेन की जानकारी होगी। इसके अलावा, एयरटेल ने डिजिटल धोखाधड़ी के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने और सुरक्षित डिजिटल कामकाज को बढ़ावा देने का प्रस्ताव भी रखा है। एयरटेल ने 15 मई को एआई आधारित सुरक्षा प्लेटफॉर्म लॉन्च किया था, जो धोखाधड़ी वाली वेबसाइट्स को रीयल-टाइम में ब्लॉक करता है। कंपनी का दावा है कि यह दुनिया का पहला ऐसा प्लेटफॉर्म है। इसे सबसे पहले हरियाणा में शुरू किया गया और जल्द ही इसे पूरे भारत में लागू किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ईमेल, वेब ब्राउजर और एसएमएस जैसे कई संचार माध्यमों पर काम करता है। एयरटेल ने एनपीसीआई को पत्र लिखकर डिजिटल पेमेंट सिस्टम को और सुरक्षित बनाने के लिए साझेदारी का प्रस्ताव दिया है। कंपनी के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर ने एनपीसीआई के सीईओ को लिखे पत्र में कहा गया है कि दोनों संस्थान मिलकर धोखाधड़ी वाले डोमेन का डेटाबेस बना सकते हैं, जिससे ऐसी वेबसाइट्स को पहले ही ब्लॉक किया जा सके। इसके साथ ही, एयरटेल ने जागरूकता अभियान और वर्कशॉप के जरिए लोगों को फिशिंग और अन्य डिजिटल धोखाधड़ी से बचाने की योजना बनाई है। आरबीआई को लिखे पत्र में केंद्रीय बैंक के मुलेहंटरएआई सिस्टम की तारीफ की, जो अवैध लेनदेन वाले खातों की पहचान करता है। उन्होंने कहा कि एयरटेल का फ्रॉड डिटेक्शन सिस्टम इस पहल को और मजबूत कर सकता है।

आदिवासी समाज लांजी ने मनाया धरती आबा बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर स्थित गोंडवाना सामुदायिक भवन लांजी में 9 जून को सगा समुदाय की उपस्थिति में आदिवासी समाज द्वारा महान जननायक धरती आबा बिरसा मुंडा का बलिदान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बिरसा मुंडा के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पीले चावल से गोंगो पूजन व माल्यार्पण किया गया। साथ ही बिरसा मुंडा के इतिहास व उनके कार्यों को याद किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ समाजसेवी ऋषिकेश घोरमारे ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय इतिहास में बिरसा मुंडा एक ऐसे आदिवासी प्रणेता और लोकनायक थे जिन्होंने भारत में अपने क्रांतिकारी चिंतन से उन्नीसवीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में आदिवासी समाज की दशा और दिशा बदलकर नवीन सामाजिक और राजनीतिक युग का सूत्रपात किया। टूमनलाल घोरमारे द्वारा कहा गया कि आदिवासियों के अधिकार, स्वाभिमान, स्वतंत्रता, संस्कृति को बचाने के लिए अबुआ दिशुम-अबुआ राज यानि हमारा देश, हमारा राज का नारा देने वाले लोकनायक बिरसा मुंडा के बलिदान को कभी भुलाया न जा सकेगा। उलगुलान आंदोलन के प्रणेता सच्चे सपूत सदैव हमारे दिलों और विचारों में जिंदा रहेंगे। अमोलसिंह धुर्वे जी द्वारा बताया गया कि बिरसा द्वारा मुंडा लोगों को अंग्रेजों

से मुक्ति पाने के लिए नेतृत्व प्रदान किया। छोटा नागपुर में 1894 में मानसून के असफल होने के कारण भयंकर अकाल और महामारी फैली हुई थी। बिरसा मुंडा ने पूरे मनोयोग से अपने लोगों की सेवा की। समय से आगे सोच रखने वाले मुंडा समाज जनों को जो हैजा, चेचक, सांप के काटने, बाघ के खाए जाने को ईश्वर की मर्जी मानते थे उन्हें सिखाते थे कि बीमारियों से कैसे लड़ा जाता है। अपनी इस सेवा के कारण बिरसा मुंडा अपने क्षेत्र में धरती आबा यानी धरती पिता हो गए थे। सालिकराम नारनौरे जी ने कहा कि 1895 में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों की लागू की जमीदारी प्रथा और राजस्व व्यवस्था के खिलाफ लड़ाई के साथ-साथ जंगल-जमीन की लड़ाई छेड़ी थी। बिरसा ने सूदखोर महाजनों के खिलाफ भी जंग का ऐलान किया। यह आदिवासी अस्मिता, स्वयत्तता और संस्कृति को बचाने के लिए संग्राम था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आदिवासी समाज लांजी के सचिव टूमनलाल घोरमारे, ऋषिकेश घोरमारे, अमोलसिंह धुर्वे, सालिकराम नारनौरे, राधेश्याम नारनौरे, श्रीराम घरते, अशोक घरते, अतुल हनोते, बीरेंद्र धारने, राकेश नारनौरे आदि सगाजन उपस्थित रहे।

प्रगतिशील कुनबी समाज लांजी ने स्व.गोपाल राव एलकर को दी श्रद्धांजलि

लांजी (पद्मेश न्यूज)। सोमवार 9 जून को लांजी में प्रगतिशील कुनबी समाज के विशाल राउत खोंगल के द्वारा शोक सभा का आयोजन लांजी में समाज के मार्गदर्शक, वरिष्ठ समाज सेवी एवं पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा बालाघाट तथा शिक्षा जगत के प्रणेता स्व .गोपाल राव एलकर जी के निधन पर प्रगतिशील कुनबी समाज भानेगाव एवं प्रगतिशील कुनबी समाज लांजी के द्वारा संयुक्त रूप से श्रद्धांजलि सभा का आयोजन कर शोक श्रद्धांजलि अर्पित किया । बालाघाट जिले के प्रगतिशील कुनबी समाज के निर्माण में एवं समाज भवन के निर्माण को लेकर आपके द्वारा सहयोग आशीवार्द अविस्मरणीय है। आप के सहयोग एवं वरिष्ठ के आशीर्वाद से ही समाज एक मजबूत स्थिति पर खड़ा हुआ , आइए हम सभी समाज के पितृपुरुष के लिए प्रार्थना कर ईश्वर से उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें एवं श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया। इस अवसर पर समाज के सभी नागरिकों द्वारा अपने विचार रखें गए और शोक संतप्त परिवार को उनकी यादें और सभी ने अपनी संवेदनाएं भी व्यक्त की जिसमें सर्व श्री विशाल राउत खोंगल, देवेंद्र खोंगल पूर्व अध्यक्ष, अर्चना रेवेंद्र खोंगल अध्यक्ष जनपद पंचायत लांजी, अजय अवसरे उपाध्यक्ष, डॉ रूपचंद रावते अध्यक्ष भानेगांव, दिनेश लांडे अध्यक्ष लांजी एवं सभापति, बलिराम शिवनकर पूर्व सरपंच, रेवाजी करहाटकरे

सचिव एवं सभापति , भारती चूटे सदस्य ज प लांजी, सुरेश चूटे, परमेश्वर कूथे, रुपेश रावते , पवन नाकतोडे , पप्पू पटले , रविशंकर बुराडे, श्यामलाल बेंद्रे, चरन ठाकरे, केरेश ठाकरे ,मानिक नाकतोडे, प्रमोद नखते, राजा भुते, ललित कामडे, सरिता कूथेकर, डॉ प्रकाश बेदरे, विवेक खोंगल, विनोद पारधी, लोकेश मानकर, चन्द्र किशोर वानखेडे; महेन्द्र कुथे, महेश थोटे, कौशिक बल्ले, वीरेन्द्र खोंगल, दिलीप

ठाकरे, मुकेश मानकर, ज्ञानीराम भांडारकर, नवीन शिवणकर, सुरेश चुटे, धर्मेन्द्र चुटे, संजय वानखेडे; विजय मोरे, कुलदीप वानखेडे; शिवशंकर लांडे, ,कोमल काड़े, निर्भय मानकर, मोहन झा, राजा वानखेडे; आदि सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया।

नगर में स्वीकृत कार्य की 7 दिवस के भीतर प्रगति अवगत नही कराने पर उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर करेंगे धरना प्रदर्शन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। नगर परिषद लांजी के उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी को 9 जून को एक पत्र ज्ञापित किया है, जिसमें लेख किया है कि नगर परिषद के समस्त 15 वार्डो में चल रहे निर्माण कार्यों एवं टेण्डर ओपन हुये निर्माण कार्यो की दर स्वीकृति नही होने से नगर परिषद में ठेकेदारों व अधिकारी व कर्मचारियों की मनमानी मची हुई है। जिस पर अंकुश लगाने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी दी है। नगर के विकास की राह देखता लांजी

नगर में नगर परिषद अधिकारी एवं कर्मचारियों की निष्क्रियता के चलते निम्न लिखित कार्य बाधित हो रहे है। जिसमें जल आवर्धन कार्य, सालेटेकरी मार्ग पर डिवाईडर कार्य, सुभाष चौक से बालाघाट एवं आमगांव मार्ग मॉ्डल रोड़, डिवाईडर कार्य, अमृत योजना अन्तर्गत गणेश तालाब सौन्दर्यीकरण कार्य, वार्ड क्रमांक 10 से 15 तक नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 3 नाली निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 8 पेवर ब्लॉक निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 1 कायाकल्प 2.0 अन्तर्गत कार्य, वार्ड क्रमांक 1 सभा मंच निर्माण कार्य, वार्ड क्रमांक 1 कोटेश्वर तालराब सौन्दर्यीकरण कार्य एवं अन्य कार्य नगर परिषद अधिकारी व उपयंत्री की घोर लापरवाही के चलते कार्य सुचारू रूप से संचालित नही हो पा रहे। जिसे लेकर 7 दिनों के भीतर कार्य प्रगति अवगत नही कराने की दृष्टि में उपाध्यक्ष संदीप रामटेक्कर के द्वारा नगर परिषद लांजी प्रांगण में धरना प्रदर्शन किया जायेगा।

महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी रजत श्रीराम पत्रे का नगर आगमन पर कुनबी समाज ने किया भव्य स्वागत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। कुनबी समाज लांजी के द्वारा 9 जून को महाराष्ट्र कैडर के आईएएस अधिकारी रजत पिता श्रीराम पत्रे का भव्य स्वागत वंदन लांजी में किया गया। बतादे कि महाराष्ट्र धामणगांव तहसील निवासी रजत पत्रे जिन्होने यूपीएससी 2024- 25 परीक्षा में 305वीं रैंक हासिल कर आईएएस अधिकारी होने का गौरव प्राप्त किया है। इनके इस गौरवान्वित कार्य को कुनबी समाज लांजी ने सराहा और लांजी नगर में आमंत्रित किया। 9 जून को श्री पत्रे जनपद पंचायत लांजी में पधारे जहां उन्होने क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी तथा विश्राम गृह लांजी में कुनबी समाज के पदाधिकारियों, सदस्यों शिष्टाचार भेंट की। स्वागत कार्यक्रम में प्रमुख रूप जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती अर्चना खोंगल, पूर्व जनपदअध्यक्ष देवेन्द्र खोंगल, उपाध्यक्ष अजय अवसरे, सभापति दिनेश लाड़े, कुनबी समाज जिला अध्यक्ष विशाल खोंगल, रूपचंद रावते भानेगांव अध्यक्ष, रेवाजी करहाटकर, कोमल काड़े, श्याम लाल बेदरे, विवेक खोंगल, मदन बेदरे, महेन्द्र अवसरे, ललित कामड़े, सरपंच वारी ऋषि पटेल, सरपंच संघ अध्यक्ष ललीत कबीरे सहित अन्य कुनबी समाज के सदस्य गण उपस्थित रहे। साथ ही प्रशासनिक अमले एसडीएम कमलचंद सिंहसार, सीईओ रामगोपाल यादव सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोटेश्वर मंदिर पंहुचकर किये दर्शन

रजत पत्रे लांजी पंहुचकर सर्वप्रथम कोटेश्वर धाम पंहुचे जहां उन्होने सामाजिकगणों के साथ मिलकर भगवान कोटेश्वर नाथ के दर्शन किये साथ ही पुरातात्विक धरोहर ऐतिहासिक किला पंहुचकर इतिहास की जानकारी ली। इसके पश्चात वे जनपद पंचायत लांजी पंहुचे जहां उनका स्वागत प्रशासनिक अमलों के द्वारा किया गया। बतादे कि श्री पत्रे का नैनिहाल बालाघाट जिले के लांजी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम भुआ में है जहां वे अपने रिश्तेदारो से मुलाकात करने पंहुचे।

कम संसाधनों के साथ भी आप उच्चपद पर पहुंच सकते है- रजत पत्रे

जनपद पंचायत लांजी के सभागार में आईएएस अधिकारी रजत पत्रे के स्वागत कार्यक्रम के पश्चात उन्होने संबोधित करते हुये कहा कि मेरा ऐसा स्वागत आप लोगो ने किया जिसके लिये मै अभिभूत हूं। आगे आने वाले दौर मे मै जिस भी पद पर रहॅू जिस कैडर मे जिस जिले में पदस्थ रहू प्रयास हमेशा यही रहेगा वहां के सभी वर्गो के लिये सभी लोगो के लिये एक जैसा प्रयास रहेगा। इसके साथ ही एक संदेश मै देना चाहूंगा बालाघाट जिले के, लांजी क्षेत्र के युवा साथी, विद्यार्थियों को वह यह होगा कि मै खुद एक छोटे गांव से हूं, शासकीय विद्यालय से मैने अध्ययन किया है कम से कम संसाधनों वाले स्कूल से पढ़ा हॅू फिर भी दिल्ली जाकर वहां के बड़े से बड़े स्कूलो के विद्यार्थियो के साथ मुकाबला कर के मै इस परीक्षा में पास हो सकता हॅू तो मुझे लगता है कि तो भारत देश के किसी भी कोने से किसी स्कूल से पढने वाले छात्र से यह अपेक्षा की जा सकती है। प्रतिभायें केवल शहरो के लोगो के पास नही है, अंग्रेजी माध्यम के लोगो के पास नही है। मै तो यह कहुंगा की ग्रामीण क्षेत्रो के लोगो के पास ज्यादा प्रतिभायें है लेकिन उन्हे केवल संसाधन नही मिल पाते इसलिये पीछे रह जाते है। मै हमेशा यह प्रयास करूंगा कि मै ऐसे लोगो को संसाधन मुहैया करा सकू ताकि उन्हे सही मार्गदर्शन एवं संसाधन प्राप्त हो तो आप भी उच्चपद पर पंहुच सके।

अजय अवसरे ने किया आभार व्यक्त

जनपद उपाध्यक्ष अजय अवसरे के द्वारा बालाघाट पंहुचकर रजत पत्रे से मुलाकात की तथा लांजी आने का आग्रह किया जिसे उन्होने सहर्ष स्वीकारा। 9 जून को वे लांजी पंहुचे जहां उनके निवास स्थान पंहुचकर परिवार से मुलाकात की, उसके पश्चात कुनबी समाज लांजी सें अजय अवसरे के द्वारा रजत पत्रे जी का परिचय करवाया गया तथा जानकारी दी कि श्री पत्रे आने वाले समय में महाराष्ट्र के विभिन्न जिले में जिलाधिकारी के पद पर अवश्य कार्य करेंगे जिसका सीधा लाभ समाज के शिक्षित युवाओ को प्राप्त होगा। युवाओ को प्रेरणा मिलेगी कि कैसे छोटे से तहसील क्षेत्र से निकलकर उन्होने भारत की सबसे कठिन परीक्षा पास की तथा अपना, अपने ग्राम एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया।

नगर में वर्षा के जल निकासी की समस्या

भूमि मालिक ने बंद किया जल निकासी मार्ग, नगर पालिका प्रशासन मौन

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी नगर परिषद क्षेत्र में पुलिस थाने से लेकर वार्ड क्रमांक 3 एवं बस स्टैण्ड से लेकर बालाघाट रोड़ तथा दखनीटोला रोड़, आमगांव रोड़ में बाजार चौक तक का पानी उस्मान के खेत से होते हुए एरिगेशन आफिस के पीछे से बालाघाट रोड़ पर पहुंचता है तथा चारों ओर का पानी नगरीय सीमा के बाद बने पुलिया से काशी नाले तक व काशी नाले से सोन नदी तक वर्षा का पानी की निकासी होती है। इस जल निकासी को भूमि मालिक द्वारा पुलिया को बंद करके रोक दिया गया है। यह सीआरपीसी की धारा 133 के तहत घोर उलंघन है। इसमें जल का निस्तार रोकने वाले पर 6 माह की सजा व 200 रूपए जुर्माने का प्रावधान है। इस जल निकासी क्षेत्र में ग्राम पंचायत बिसोनी, ग्राम पंचायत दुलापुर व नगर परिषद लांजी की सीमाएं जुड़ती है। इन सीमाओं में लांजी नगर परिषद एवं ग्राम पंचायत बिसोनी के बीच 20 कड़ी की राजस्व भूमि होती है। इसी तरह ग्राम पंचायत दुलापुर एवं नगर परिषद लांजी के बीच सीमा में 20 कड़ी की राजस्व भूमि होती है। इस सारी भूमि पर भू माफियाओं द्वारा कब्जा कर निस्तार रोक दिया गया है। निकासी मार्ग बंद कर दिये जाने के कारण बरसात में भारी जल भराव हो सकता है एवं जिला प्रशासन को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन का दल भी बचाव कार्य के लिए बुलाना पड़

सकता है। इन सारे जल निकासी मार्ग के निर्माण के लिए लगभग 5.50 करोड़ रुपए की आवश्यकता होगी। नगर परिषद द्वारा इसका स्टीमेट बनाकर जिला प्रशासन व मध्यप्रदेश शासन को भेजा जाना बताया जा रहा है लेकिन प्रशासन ने अब तक इस पर पैसा नहीं दिया गया है। इस जल निकासी के लिए बालाघाट रोड़ पर पुलिया से काशी नाले तक लगभग 1 किमी तक पाईप लाईन बिछानी पड़ेगी। जिला कलेक्टर महोदय बालाघाट इस समस्या को तत्काल संज्ञान में लेकर शहरी विकास भारत सरकार की अमृत योजना में पारित कर कार्य कराया जा सकता है। यह प्रकरण नगर परिषद के अस्तित्व में आने के बाद पक्की नाली निर्माण होने व सड़कों के किनारे पक्के मकान निर्माण होने उत्पन्न हुई है। जिसकी प्रतिवर्ष शिकायत की जा रही है, जिसका कि बारिश में पानी भरने के बाद जेसीबी से तात्कालिक कच्ची नाली खोदकर इतिश्री कर ली जाती है। शिकायतों के बावजूद विगत 10 वर्षो से अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एसडीएम, तहसीलदार, जनपद पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी, नगर पालिका अधिकारी के द्वारा स्थाई निराकरण नहीं किया जा सका है। जिला कलेक्टर महोदय उच्च अधिकारियों का दल बनाकर निरीक्षण करवाएं एवं बरसाती पानी निकासी की

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा का परीक्षा परिणाम सराहनीय रहा

हट्टा(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय हट्टा का 10वीं व 12वीं का परीक्षा परिणाम उत्कृष्ट रहा । जिसमें कक्षा दसवीं में 95.2 प्रतिशत , कक्षा 12वीं में 92प्रतिशत विधार्थी हुए । इसमें कक्षा दसवीं में प्रथम स्थान कुमारी तृप्ति पिता जयपाल पारधी 95.02प्रतिशत, द्वितीय स्थान कशिश पिता विनोद सुलाखे 92.6त्न तथा तृतीय स्थान कशिश पिता डोमनलाल सुलाखे ने प्राप्त किया। इसी प्रकार कक्षा 12वीं में प्रथम स्थान कुमारी पायल पिता शोभाराम गोंडाने 92प्रतिशत द्वितीय स्थान कुमारी नेहा पिता नंद किशोर पाँचे 91.8 प्रतिशत तृतीय स्थान कुमारी पायल पिता पतिराम लिल्हारे 90.8प्रतिशत ने प्राप्त किया तथा कक्षा 12वीं में 29 छात्राओं ने लैपटॉप प्राप्त किया। शालेय परिवार उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

आज खत्म हो जाएगी तबादले की समय-सीमा

आईएएस की ट्रांसफर सूची पर अब नहीं हुआ निर्णय

भोपाल । सीनियर आईएएस अधिकारियों के तबादले को लेकर मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव के बीच बैठक नहीं हो पाने से ट्रांसफर आदेश जारी नहीं हो पा रहे हैं। उधर, तबादलों की समय-सीमा 10 जून को खत्म हो जाएगी। बावजूद इसके विभागों के प्रमुख सचिवों, आयुक्तों और मंत्रियों के बीच तबादला सूची पर आम राय नहीं बन पाई है। इससे कई विभागों की लिस्ट जारी नहीं हो सकी है।

कुछ विभागों ने तबादला सूची जारी की है लेकिन उसमें भी नाम मात्र स्थानांतरण किए गए हैं। उधर तबादलों के बाद विवाद और कोर्ट का दरवाजा खटखटाने की स्थिति को देखते हुए स्कूल शिक्षा विभाग के बाद और जनजातीय कार्य विभाग ने भी हाईकोर्ट में केविएट दायर कर दी है। वहीं आईएएस संदीप माकिन 31 मई को दतिया कलेक्टर के पद से रिटायर हो गए। सोमवार को 9 दिन का समय बीत चुका है लेकिन मोहन सरकार दतिया के लिए कलेक्टर का चयन नहीं कर सकी है। ऐसे में आगामी आदेश तक के लिए सीईओ जिला पंचायत दतिया सौरभ तेम्रवाल को दतिया कलेक्टर का प्रभार सौंपने के आदेश सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी कर दिए हैं।

तालमेल के चलते अटकी सूची

बताया जाता है कि मंत्रियों, प्रमुख सचिवों और आयुक्तों के बीच तालमेल न होने के कारण सूची बार-बार मंत्री के बंगलों और अफसरों की टेबिल तक पहुंच रही है। राजस्व विभाग, वन विभाग, खनिज विभाग, परिवहन विभाग, किसान कल्याण, ऊर्जा, पंचायत और ग्रामीण विकास, खाद्य और नागरिक आपूर्ति विभाग, सहकारिता विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, महिला और बाल विकास विभाग में तबादलों की सूची पेंडिंग है। पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग की एक सूची आज जनपद सीईओ की जारी हुई है और आज विकासखंड अधिकारियों की सूची देर रात तक आने की संभावना है। वित्त मंत्री के विभाग के आबकारी, कमर्शियल टैक्स और पंजीयन विभाग के कर्मचारियों और अधिकारियों के मामले में भी सूची जारी होने का इंतजार है।

जनजातीय कार्य विभाग ने दायर की केविएट

आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग ने तबादलों की समय सीमा बीतने के पहले जबलपुर, इंदौर, ग्वालियर हाईकोर्ट में केविएट दायर की है। विभाग की ओर से कहा गया है कि विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों के स्थानांतरण प्रदेश के विभिन्न कार्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में किए गए हैं। स्थानांतरण को लेकर अधिकारी-कर्मचारी और शिक्षकों द्वारा संभावित न्यायालयीन रिट याचिकाओं को ध्यान में रखते हुए विभाग ने उच्च न्यायालय जबलपुर के साथ खंडपीठ इंदौर और ग्वालियर में शासन के पक्ष में केविएट दायर की गई है। विभाग ने अधिकारी-कर्मचारी एवं शिक्षकों को विधिवत सूचित किया है कि उनके द्वारा दायर किये जाने वाले संभावित न्यायालयीन प्रकरणों में शासन का पक्ष प्रभावी ढंग से रखा जायेगा।

अटकी हुई आईएएस की तबादला सूची

उधर, मंत्रालय में सीनियर आईएएस ऑफिसर्स और कुछ जिलों के कलेक्टरों व संभागायुक्तों के भी तबादले शासन स्तर पर विचाराधीन हैं। जीएडी ने नामों की सूची सीएम और सीएस को भेज रखी है लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव के बीच तबादलों को लेकर निर्णय को लेकर बैठक नहीं हो पाई है। इस कारण इस पर अंतिम फैसला नहीं हो पा रहा है और आईएएस की तबादला सूची अटकी हुई है। दूसरी ओर तबादलों के लिए बढ़ाई गई समय-सीमा 10 जून खत्म होने वाली है और अब तक स्कूल शिक्षा विभाग और जनजातीय कार्य विभाग शिक्षकों और अन्य अधिकारियों के तबादला आदेश जारी नहीं कर सका है। स्वास्थ्य विभाग और नगरीय आवास व विकास विभाग ने भी छिटपुट अफसरों के तबादले किए हैं के अब तक जिन विभागों ने तबादला आदेश जारी किए हैं। लोक निर्माण विभाग और पीएचई विभाग की ओर से जरूर सौ से अधिक इंजीनियरों और अफसरों-कर्मचारियों की स्थानांतरण सूची जारी की जा चुकी है।

प्रतिनियुक्ति बना कर्मचारियों के प्रमोशन में रोड़ा

कर्मचारियों के प्रमोशन... 9 साल पूरे और कितना इंतजार

भोपाल। मप्र में कर्मचारियों के पदोन्नति का रास्ता खुलने के पहले ही अड़ंगा लग गया है। पदोन्नति में आरक्षण के मामले में कर्मचारी संगठनों की मानमनोव्वल के बीच अब खाली पदों को भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई। इस खाली पदों को भरने से सीधा फायदा अब बाहर के अफसरों को मिलने जा रहा है। मध्य प्रदेश मंत्रालय के सेक्शन ऑफिसरों के 15 खाली पदों को ऑडिट डिपार्टमेंट के अधिकारियों को भरा जा रहा है। इसका नुकसान उन कर्मचारियों को होगा, जो पदोन्नति का पिछले 9 सालों से इंतजार कर रहे थे। मंत्रालय में वित्त विभाग में सेक्शन ऑफिसर के 15 पदों को ऑडिट विभाग से आने वाले सहायक लेखा अधिकारी और लेखा अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर लाकर भरे जाने की तैयारी की जा रही है। हालांकि प्रतिनियुक्ति से पद भरे जाने के पीछे वित्त विभाग द्वारा तर्क दिया ज रहा है कि इससे फाइनेंस की समझ रखने वाले अच्छे अफसर मंत्रालय को मिल सकेंगे और वित्तीय प्रबंधन का काम बेहतर तरीके से हो सकेगा। पदों को प्रतिनियुक्ति से भरे जाने का सीधा झटका उन कर्मचारियों को लगा है, जो प्रमोशन में आरक्षण के मुद्दे के चलते पिछले 9 सालों से प्रमोशन का रास्ता देख रहे हैं। इस फैसले से 49 पद सीधे प्रभावित हो रहे हैं, क्योंकि सहायक ग्रेड 1 कर्मचारी ही प्रमोट होकर सेक्शन ऑफिसर बनते हैं। इसी तरह सहायक ग्रेड 2 के कर्मचारी प्रमोट होकर सहायक ग्रेड 1 बनते हैं।

कर्मचारियों का विरोध, सीएम से मिली सहमति

बताया जा रहा है वित्त विभाग के 15 पदों को प्रतिनियुक्ति से भरे जाने के लिए वित्त विभाग के प्रमुख सचिव ने फाइल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास भेजा और उनकी सहमति के बाद सामान्य प्रशासन विभाग ने भी इसे हरी झंडी दे दी। उधर सरकार के इस फैसले का कर्मचारियों ने विरोध जताया है। मंत्रालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुधीर नायक के मुताबिक वित्त विभाग से इस तरह पद भरे जाने के बाद मंत्रालय के दूसरे विभागों में भी इसी तरह पद भरना शुरू हो जाएंगे। इससे नुकसान उन कर्मचारियों का होगा, जो प्रमोशन नहीं पा सके। पदोन्नति से पद भरे जाने के बाद निचले कर्मचारियों का क्या होगा, सरकार को सोचना चाहिए।

अधिकारियों-कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के मामले में नहीं हुई कार्रवाई

भोपाल। जल संसाधन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों पर भ्रष्टाचार के मामले में अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है. ऐसे में विधानसभा सचिवालय की प्राक्कलन समिति ने मामले में विभाग को नोटिस भेजकर जवाब मांगा है. लोकायुक्त, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में 43 शिकायतों पर एक्शन पर देरी का कारण पूछा गया है.

विधानसभा सचिवालय की ओर जारी नोटिस में यह भी पूछा गया है कि आखिर जल संसाधन विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों के खिलाफ चल रहे मामलों में कार्रवाई को लेकर देरी क्यों हो रही है? विधानसभा समिति ने विभाग से प्रदेश स्तर की 19 बिंदुओं पर अतिरिक्त जानकारी मांगी है. इसी के साथ आय-व्यय के मामलों की भी जानकारी भेजने के लिए निर्देश दिए हैं. बता दें कि कोर्ट में चल रहे अवमानना के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है. 1 साल में ही कोर्ट में जल संसाधन विभाग के खिलाफ 3000 से अधिक मामले चल रहे हैं. ऐसे में कोर्ट में अवमानना के मामलों में हो रहे इजाफे को लेकर भी समिति ने जानकारी मांगी है।

कांग्रेस के नए क्राइटेरिया से तो सारे दावेदार होंगे दौड़ के बाहर

भोपाल। कांग्रेस द्वारा नवसृजन अभियान के तहत जो शहर और जिला अध्यक्ष की नियुक्ति की जाना है, उसके लिए एक नए क्राइटेरिया की घोषणा कर दी गई। इस घोषणा से इंदौर शहर कांग्रेस अध्यक्ष बनने की दौड़ में शामिल करीब सभी नेता दौड़ से बाहर हो गए हैं। इस क्राइट एरिया ने कांग्रेस के सभी नेताओं को चौंका दिया है।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के द्वारा नवसृजन अभियान के लिए नियुक्त किए गए पर्यवेक्षकों की बैठक कल भोपाल में ऑनलाइन आयोजित की गई। इस बैठक को कांग्रेस के मध्यप्रदेश के प्रभारी हरीश चौधरी ने संबोधित किया। इस बैठक में उनके द्वारा केंद्रीय पर्यवेक्षकों को यह जानकारी दी गई की नवसृजन अभियान में जो नए शहर और जिला कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त किया जाना है, उसमें 45 वर्ष से कम उम्र के व्यक्तियों के नाम की ही अनुशंसा करें। चौधरी द्वारा दी गई इस जानकारी से कांग्रेस के नेता चौंक गए हैं। पिछले दिनों जिलाध्यक्षों के लिए कांग्रेस के केंद्रीय पर्यवेक्षक द्वारा रायशुमारी का कार्य किया गया। इसमें जिन नेताओं के नाम अध्यक्ष पद के लिए आए हैं, उनमें से कोई भी 45 साल से कम उम्र का नहीं है। अब कांग्रेस द्वारा यह नया क्राइट एरिया घोषित किए जाने से कांग्रेस के नेता ही चौंक गए हैं। इन नेताओं का कहना है कि इस तरह के क्राइट एरिया से तो संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए नेतृत्व नहीं मिल सकेगा।

बदल जाएगा प्रावधान

कांग्रेस के नेताओं को यह भी उम्मीद है कि जब अधिकांश शहर और जिला इकाई में 45 वर्ष से कम उम्र का व्यक्ति अध्यक्ष पद के लायक नहीं मिलेगा तो फिर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा इस प्रावधान को बदल दिया जाएगा। वैसे भी कांग्रेस के नेता इस बात को लेकर आश्वस्त है कि इस तरह के किसी प्रावधान के कारण किसी व्यक्ति को अध्यक्ष पद की दौड़ से बाहर नहीं किया जा सकेगा।

राहुल गांधी के फॉर्मूले पर कांग्रेस ने बनाई रणनीति

नेता या तो चुनाव लड़ेंगे या संगठन की कुर्सी पर बैठेंगे

भोपाल। कांग्रेस में अब संगठन का काम करने वाले और चुनाव लडने् वाले नेता अलग होंगे। जिन संगठन पदाधिकारियों को चुनाव लडना् है, उन्हें पद छोडना् होगा। इस पर पार्टी नेता और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति में हुई प्रदेश कांग्रेस की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक में सहमति बनी है। ऐसे नेताओं को पद कितने समय पहले छोडना् होगा, यह संगठन स्तर पर चर्चा के बाद तय किया जाएगा। मध्य प्रदेश में कांग्रेस ने नगरीय निकाय, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में पार्टी पदाधिकारियों को चुनाव लड़ाया था।

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के अध्यक्ष सिद्धार्थ कुशवाह को सतना नगर निगम के महापौर, आदिवासी कांग्रेस के अध्यक्ष रामू टेकाम को बैतूल लोकसभा सीट, युवा कांग्रेस अध्यक्ष डा.विक्रांत भूरिया का विधानसभा का चुनाव लड़ाया था। इसी तरह अन्य संगठन पदाधिकारियों को भी चुनाव मैदान में उतारा था। इसका नुकसान यह हुआ कि इन संगठनों की पूरी टीम अपने नेताओं के चुनाव प्रचार तक सीमित हो गई। अब चूंकि पूरा जोर संगठन को सशक्त बनाने पर है, इसलिए राजनीतिक मामलों की समिति में जब यह विषय आया तो राहुल गांधी समेत सभी वरिष्ठ नेता इस पर एक मत थे कि संगठन का काम करने वाले पदाधिकारियों को यदि चुनाव लड़ाया जाना है, तो उन्हें पद छोडऩा होगा। दरअसल, पार्टी ऐसे लोगों को संगठन की कमान सौंपना चाहती है, जो पूरा समय दे सकें। चुनाव लडने् के इच्छुक पदाधिकारी न तो संगठन को पूरा समय दे पाते हैं और न ही चुनाव की तैयारी ही कर पाते हैं।

संगठन प्रथम की है अवधारणा

पार्टी पदाधिकारी संजय कामले का कहना है कि संगठन प्रथम की अवधारणा को लेकर काम चल रहा है। हर स्तर पर सभी विषयों को लेकर चर्चा हो रही है। कुछ पर सहमति बन चुकी है और उसके मापदंड जल्द निर्धारित हो जाएंगे। इसमें एक विषय संगठन पदाधिकारियों को चुनाव लड़ाने से संबंधित भी है। प्रदेश में वर्ष 2027 से विभिन्न तरह के चुनाव प्रारंभ हो जाएंगे। सबसे पहले नगरीय निकायों के चुनाव होंगे, जो विधानसभा चुनाव की तैयारी के संदर्भ में भी महत्वपूर्ण होंगे। इसे देखते हुए कांग्रेस ने तय किया है कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए चुनाव प्रबंधन प्रभारी नियुक्त किया जाएगा। इन्हें प्रबंधन से जुड़े विषयों को लेकर विशेषज्ञों से प्रशिक्षण भी दिलाया जाएगा।

12 घंटे बाद बुझी पुट्ठा फैक्ट्री की आग

50 दमकलें-टैंकर आग बुझाने में लगी रही

भोपाल। गोविंदपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एच सेक्टर आदर्श नगर स्थित वरुण इंटरप्राइजेज पुट्ठा (पेपर के गत्ते) बनाने की फैक्ट्री में करीब 12 घंटे तक आग सुलगती रही। आज सुबह 7 बजे तक भी धुआं निकलता रहा। देर रात 50 से ज्यादा दमकलों और टैंकरों की मदद से भीषण आग पर काबू तो पा लिया गया था, लेकिन पुट्ठों की वजह से वह बार-बार सुलगती रही। फैक्ट्री में रखे कागज के रोल और प्लास्टिक की मौजूदगी के कारण आग ने विकराल रूप ले लिया। आग बुझाने के लिए शहर के सभी फायर स्टेशनों से दमकल वाहन मौके पर पहुंचे। कुल 10 फायर फाइटर, 2 वाटर बाऊजर और 8 टैंकर ने करीब 5-5 बार

पानी की रिफिलिंग कर आग पर काबू पाने की कोशिश की। 50 से ज्यादा टैंकर और दमकलें आग बुझाने में लगे रहे।

बता दें कि फैक्ट्री में रविवार शाम 7 बजे आग लग गई थी। आग तेजी से फैलती की गई। इस वजह से पास की झुग्गी बस्ती को तत्काल खाली कराना पड़ा। झुग्गियों तक आग न पहुंचे, इसके लिए सबसे पहले दमकलकर्मियों ने वहीं मोर्चा संभाला। इसके बाद फैक्ट्री के अंदर की आग पर काबू पाने की कोशिश रात भर चलती रही। हालांकि, सुबह तक आग काबू में आ गई, लेकिन कुछ जगहों से वह बार-बार सुलग रही थी। इस कारण दमकलें मौके पर ही तैनात रही।

बंद फैक्ट्री का ताला तोड़ा

जानकारी के अनुसार, रविवार होने से फैक्ट्री बंद थी, इसलिए फायर फाइटर्स ने दरवाजा तोड़ा। तभी आग से जलकर टीन शेड से बनी छत नीचे गिर गई। इससे फायरमैन को अंदर घुसने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। हालात को देखते हुए मौके पर जेसीबी बुलाकर टीन शेड हटाया गया। आग से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। देर रात तक लोग झुग्गियों से बाहर सडक़ों पर डटे रहे। घटना की सूचना पर फायर ब्रिगेड के साथ ही अशोका गार्डन थाने से पुलिस बल भी मौके पर पहुंचा।

मुख्यमंत्री की मनाही के बाद भी कर दिए नए-नवेले शिक्षकों के तबादले

खुद की तबादला नीति का पालन नहीं कर रहा शिक्षा विभाग

भोपाल । प्रदेश सरकार ने जब से तबादला नीति लागू की है, तब से ही शिक्षा विभाग शिक्षकों के तबादलों को लेकर चर्चा में है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देश पर संशोधित नीति जारी होने के बाद भी शिक्षा विभाग नीति विरुद्ध तबादला आदेश जारी कर रहा है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने नए नवेले शिक्षकों के तबादले सामान्य स्कूलों में कर दिए हैं। जबकि नीति में ऐसे शिक्षकों के तबादले सिर्फ सांदीपनी विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय और मॉडल स्कूल में ही किए जा सकते हैं। शिक्षा विभाग की संशोधित तबादला नीति की कंडिका 2.5 के अनुसार विभागीय स्थानांतरण नीति 2022 की कंडिका 3.1.6 अनुसार 'नव नियुक्त शिक्षकों का तबादला सिर्फ विशिष्ट शाला सांदीपनी विद्यालय, उत्कृष्ट विद्यालय, मॉडल स्कूल में ही किया जा सकेगा। अन्य सामान्य शालाओं में पदस्थापना नहीं की जा सकती है।' जबकि आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने संशोधित नीति आने के बाद जो तबादला आदेश जारी किए हैं, उनमें नव नियुक्त शिक्षकों को भी सामान्य स्कूलों में पदस्थ कर दिया है। दरअसल, नव नियुक्ति शिक्षकों के सामान्य स्कूलों में तबादला करने का मामला पिछले महीने के आखिरी में मुख्यमंत्री तक पहुंच चुका है। मुख्यमंत्री के निर्देश पर ही प्रभारी मंत्रियों को जिलों के भीतर शिक्षकों के तबादला करने के अधिकार सौंपे गए हैं। हालांकि उसमें भी सिर्फ प्राथमिक शिक्षकों के तबादले का अधिकार सौंपा गया है। जबकि माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षकों के तबादले विभागीय मंत्री के अनुमोदन से आयुक्त के द्वारा ही किए जाएंगे।

पुलिस भर्ती परीक्षा पास करने वाले हर आरक्षक की अंकसूचियों की होगी जांच

ग्वालियर-चंबल में अब तक 22 आरक्षक पकड़े गए, धोखाधड़ी व परीक्षा अधिनियम की धाराओं में एफआईआर

भोपाल। पुलिस भर्ती परीक्षा-2023 में फर्जीवाड़ा कर पास हुए नवआरक्षकों के मामले एक के बाद एक सामने आ रहे हैं। ग्वालियर-चंबल में अब तक 22 आरक्षक पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने अपनी जगह किसी सॉल्वर को बैठाकर परीक्षा पास की है। जांच में जुटे अफसरों को अब संदेह है कि कई आरक्षकों की बोर्ड परीक्षा की मार्कशीट भी फर्जी हो सकती है, इसलिए नवआरक्षकों की अंकसूचियों की भी जांच करवाई जाएगी।

गौरतलब है, कि आरक्षक भर्ती के बाद हर जिले को नवआरक्षकों का कोटा दिया गया है। मुरैना जिला पुलिस को 38 और 5वीं बटालियन को 106 आरक्षकों का कोटा मिला है। इनमें से बटालियन में अब तक पांच ऐसे आरक्षक पकड़े जा चुके हैं, जिन्होंने आधार कार्ड में फोटो व बायोमैट्रिक फिंगर प्रिंट बदलवाकर साल्वर के जरिए भर्ती परीक्षा पास की। जिला पुलिस भी ऐसे दो नवआरक्षक पकड़ चुकी है। इन सातों पर धोखाधड़ी व परीक्षा अधिनियम की धाराओं में एफआइआर हो चुकी है।

कई एंगल से चल रही है जांच

आरक्षक भर्ती की जांच कई एंगल से चल रही है। इसी बीच पांचवी बटालियन के अफसरों ने तय किया है कि वह सभी 106 नवआरक्षकों की 10वीं और 12वीं की अंकसूचियों की जांच करवाएगी। जिला पुलिस को मिले 38 नवआरक्षकों में से तीन आरक्षक किसी और विभाग की नौकरी में चले गए हैं। ऐसे में जिला पुलिस बचे हुए 35 नवआरक्षक (इनमें दो फर्जी भी हैं, जिन पर एफआइआर हो चुकी है) इन सभी की अंकसूचियों की जांच करवाएगी। इसके लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल को सभी अंकसूचियों का रिकॉर्ड भेजने की तैयारी हो चुकी है।

एसटीएफ को दी जा सकती है जांच

आरक्षक भर्ती में हुए फर्जीवाड़े ग्वालियर-चंबल के अलावा पूरे मध्यप्रदेश में सामने आने लगे हैं। अभी तक जिन-जिन थानों में एफआइआर हो रही है, वहीं जांच हो रही है। लेकिन स्थानीय पुलिस को जांच के लिए पूरे दस्तावेज, वीडियो फुटेज, आधार अपडेशन की जानकारी नहीं मिल रही। दरअसल, अभ्यर्थियों ने जहां-जहां से आधार अपडेट करवाए हैं, वहां से ही जानकारी मिल सकती है। इसके लिए पुलिस मुख्यालय से भी भर्ती से जुड़े कई दस्तावेजों की जरूरत पड़ रही है, जो जानकारियां समय पर नहीं मिल पा रहीं। ऐसे में पुलिस के वरिष्ठ अफसरों ने आरक्षक भर्ती के लिए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) गठन का सुझाव पीएचक्यू को दिया है।

75 अभ्यर्थियों को छोडक़र जारी होगा नीट यूजी का रिजल्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने याचिका लगाने 75 अभ्यर्थियों को छोडक़र बाकी सभी के नीट यूजी परीक्षा के परिणाम घोषित करने के निर्देश दे दिए हैं। माना जा रहा है कि नीट यूजी का रिजल्ट 14 जून को जारी किया जा सकता है।

नीट यूजी यानी राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (स्नातक) संबंध में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चल रही याचिकाओं पर सुनवाई हुई। पिछली सुनवाई पर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी ने रिपोर्ट पेश कर कहा था कि परीक्षा दोबारा आयोजित करने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि सिर्फ 75 अभ्यर्थियों ने ही परीक्षा के दौरान हुई अव्यवस्था को लेकर याचिका दायर की है।

प्रभावित केंद्रों पर 8790 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी

इस संबंध में चल रही 50 से ज्यादा याचिकाओं पर मप्र हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में सुनवाई हुई थी, तब नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की ओर से कोर्ट को बताया गया था कि इंदौर-उज्जैन के प्रभावित केंद्रों पर 8790 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी थी। इसके साथ ही एनटीए ने नीट यूजी के संपूर्ण परीक्षा परिणाम को घोषित करने की अनुमति देने की मांग की थी। नीट यूजी के लिए इंदौर में 49 केंद्र बनाए गए थे। चार मई को परीक्षा के दिन इंदौर में मौसम बदला और जोरदार वर्षा के चलते पूरे शहर में बिजली गुल हो गई थी। परीक्षा केंद्रों पर बिजली गुल होने पर कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं थी। कई परीक्षा केंद्र में अंधेरा छा गया था और परीक्षार्थियों को मोमबत्ती की रोशनी में परीक्षा देनी पड़ी थी।

कोर्ट ने पहले रिजल्ट जारी करने पर लगाई थी रोक

याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए 15 मई को कोर्ट ने नीट यूजी का परीक्षा परिणाम घोषित करने पर रोक लगा दी थी। हालांकि एक दिन बाद ही 16 मई को कोर्ट ने इस आदेश में संशोधन करते हुए एनटीए को इंदौर के प्रभावित सेंटरों के परीक्षा परीणाम छोडक़र शेष का परीक्षा परिणाम घोषित करने की अनुमति दे दी थी। अब कोर्ट ने केवल 75 अभ्यर्थियों के रिजल्ट को छोडक़र बाकी सभी का रिजल्ट जारी करने के आदेश दिया है।

परिणाम पर विवाद कम करने की कवायद

भोपाल। एमपीपीएससी के द्वारा सालभर में डेढ़ दर्जन से ज्यादा अलग-अलग परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है। ज्यादातर परीक्षाओं में अभ्यर्थियों को मूल्यांकन और नंबरों को लेकर ऊहापोह की स्थिति रहती है और वह न्यायालय चले जाते हैं, जिससे कई बार परिणाम जारी होने में भी लेट-लतीफी होती है। एमपीपीएससी में इसके लिए अलग से व्यवस्था बनाई है। अब हर उत्तर पुस्तिका को स्कैन किया जाएगा और इस पर एक कोड नं. दिया जाएगा। मूल्यांकनकर्ता के पास उत्तर पुस्तिका पहुंचेगी, उस पर नाम और अन्य जानकारियां रोल नंबर आदि नहीं रहेंगे।

शेफर्ड और होल्डर ने आदिल ने एक ही ओवर में बनाये 31 रन

लंदन। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी-20 मैच को चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 196 रन बनाये। इसे बाद इंग्लैंड ने ये लक्ष्य छह विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। इंग्लैंड के लिए इस मैच में ल्यूक वुड ने शानदार गेंदबाजी करते हुए दो विकेट लिए। वहीं आदिल राशिद बेहद महंगे साबित हुए। राशिद ने एक ही ओवर में 31 रन दे दिये। यह टी-20 में किसी भी इंग्लैंड के गेंदबाज द्वारा किया गया दूसरा सबसे महंगा ओवर बन गया, इससे पहले 2007 टी20 विश्व कप के दौरान स्टुअर्ट ब्रॉड के ओवर में युवराज सिंह से छह छक्के लगाकर 36 रन बनाये थे।

राशिद ने पारी का 19 ओवर जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को किया। उनके ओवर की पहली ही गेंद पर होल्डर ने छक्का लगा दिया। इसके बाद दूसरी गेंद पर भी छह रन गये। वहीं तीसरी गेंद पर लॉन्ग-ऑन पर छक्का लगा। चौथी गेंद पर होल्डर ने एक रन बनाया। इसके बाद शेफर्ड ने पांचवीं गेंद और छठी गेंद पर छक्का लगाकर ओवर समाप्त किया।

इस मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी की। एविन लुईस जल्दी आउट हो गए पर शाई होप और जॉनसन चार्ल्स ने 90 रन बनाकर पारी संभाली। होप 49 रन बनाकर आउट हुए। रोवमैन पॉवेल और जेसन होल्डर ने वेस्टइंडीज को 20 ओवर में छह विकेट पर 196 रनों तक पहुंचा दिया। इंग्लैंड की ओर से टॉम बैंटन ने 30 रन और जैकब बेथेल ने 26 रन बनाये। दूसरे मैच जीतने के साथ ही इंग्लैंड को तीन मैच की सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

ऋषभ अभ्यास सत्र में चोटिल हुए

लंदन । इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज शुरु होने से पहले ही भारतीय टीम को करारा झटका लगा है। पहले टेस्ट के लिए अभ्यास के दौरान ही विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए। भारतीय टीम मुख्य कोच गौतम गंभीर और अन्य सहयोगी स्टाफ की निगरानी में अभ्यास कर रही थी तभी ऋषभ उस समय घायल हो गए जब एक गेंद बल्लेबाजी के दौरान उनकी बाईं बांह में लग गई। गेंद लगने के बाद ऋषभ दर्द से परेशान दिखे जिसके बाद टीम के डॉक्टर को बुलाना पड़ा और उन्होंने प्राथमिक उपचार करते हुए आइस पैक लगाया और आराम के लिए बाहर भेज दिया गया। उनकी चोट गंभीर नहीं होने से टीम प्रबंधन को राहत मिली है। इस विकेटकीपर बल्लेबाज का टेस्ट में प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है, ऐसे में वह इस सीरीज के लिए बेहद अहम माने जा रहे हैं।

पांच मैचों की ये सीरीज 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। वहीं दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में होगा जिसके बाद लॉर्ड्स क्रिकेट मैदान में 10 जुलाई से तीसरा टेस्ट खेला जाएगा। ओल्ड ट्रैफर्ड और केनिंग्टन ओवल में चौथे और पांचवें टेस्ट होंगे। रोहित शर्मा के टेस्ट संन्यास के बाद इस सीरीज में शुभमन गिल भारतीय टीम की कपतानी करेंगे। उन्होंने टेस्ट में भारत के लिए सलामी बल्लेबाज और नंबर तीन बल्लेबाज के रूप में खेला है। शुभमन ने 35.1 की औसत से 1893 रन बनाए हैं जिसमें उनके नाम 5 शतक और 7 अर्द्धशतक शामिल हैं।

टीएनपीएल लीग में अंपायर से बहस करते दिखे अश्विन

चेन्नई। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन यहां तमिलनाडु प्रीमियर लीग (टीएनपीएल) के एक मुकाबले में महिला अंपायर से उलझ गये। इसकी तस्वीरें भी सोशल मीडिया में आई हैं। ये मैच टीएनपीएल में डिंडीगुल ड्रेगन्स और आईड्रीम तिरुपुर तमिजांस के बीच मुकाबला खेला जा रहा था। इस मैच में अश्विन अपनी टीम डिंडीगुल ड्रेगन्स की कप्तानी कर रहे थे। अश्विन ने इस मैच में पारी की शुरुआत करते हए 11 गेंदों में 18 रन बनाये और वह एलबीडब्ल्यू हो गए। उन्हें एक महिला अंपायर ने आउट दिया पर अश्विन इस फैसले से नाराज दिखे। उनका मानना है कि गेंद पैड से टकराई और अंपायर ने तुरंत उंगली उठा दी। अश्विन ने अंपायर से कहा कि गेंद लेग स्टंप के बाहर पिच हुई थी और वह आउट नहीं थे पर अंपायर ने उनकी बात पर ध्यान नहीं दिया। अश्विन के इस व्यवहार को खेल भावना के विपरीत माना जा रहा है और अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इस मैच में अश्विन की टीम का प्रदर्शन भी अच्छा नहीं रहा। उनकी डिंडीगुल ड्रेगन्स टीम केवल 93 रन ही बना पायी। तिरुपुर तमिजांस ने 11.5 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर जीत हासिल कर दी। इस मैच में गेंदबाजी में भी अश्विन विफल रहे। उनके दो ओवर में 28 रन गये। वहीं तुषार रहेजा ने तिरुपुर की ओर से 39 गेंदों में नाबाद 65 रन बनाकर बनाये।

आईपीएल को एनबीए जैसी लीग की बराबरी पर लाने विंडो बढ़ानी होगी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) क्रिकेट जगह में सबसे बड़ लीग है पर विश्व स्तर पर देखा जाये तो नेशनल फुटबॉल लीग, अमेरिका (एनएफएल) नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन (एनबीए) और यूरोपीय फुटबॉल लीग सहित दुनिया की शीर्ष खेल लीगों के ब्रांड मूल्य के सामने वह काफी पीछे है। इसकी बराबरी पर आने के लिए उसे 12 से 16 सप्ताह की विंडो की जरुरत होगी। अभी आईपीएल के प्रति मैच का मूल्य करीब 16.8 मिलियन डॉलर है जो दुनिया भर के विभिन्न खेलों की शीर्ष लीग में सिर्फ एनएफएल (36.8 मिलियन डालर) से कम है। वहीं जब ब्रांड मूल्य की बात आती है तो आईपीएल एनएफएल और यूरोप की शीर्ष फुटबॉल लीग से काफी कम है।

एक निवेशक के अनुसार आईपीएल का ब्रांड मूल्य लगभग 16 बिलियन डॉलर है, जबकि एक एनएफएल फ्रेंचाइजी डलास काउबॉय की कीमत ही नौ बिलियन डॉलर है, इसके बाद न्यूयॉर्क यांकीस की कीमत 7.1 बिलियन डॉलर है। एनबीए फ्रेंचाइजी न्यूयॉर्क निक्स का मूल्य सात बिलियन डॉलर है, जबकि शीर्ष फुटबॉल क्लब रियाल मैड्रिड और मैनचेस्टर यूनाइटेड ने का मूल्य लगभग छह बिलियन डॉलर है। आईपीएल की मौजूदा आठ सप्ताह के तुलना में प्रीमियर लीग (अगस्त से मई), एनबीए (सात महीने) और एनएफएल (4.5 महीने) की बहुत लंबी विंडो से भी उसका मूल्य बढ़ता है।

एक आईपीएल टीम के मालिक के अनुसार , हम प्रति मैच मूल्य के मामले में पहले से ही एनएफएल के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर हैं पर जब बात ब्रांड मूल्य की आती है तो आंकड़े कुछ और ही होते हैं। यह एक अलग पहलू है। मुझे लगता है कि हमें वहां पहुंचने के लिए इस लीग का आयोजन 12 से 16 सप्ताह तक कराने की जरूरत है। उन्होंने कहा, " इससे हमें बेहतर माहौल बनाने, प्रतिद्वंद्विता बनाने और सभी प्रायोजक, प्रसारकों के लिए अधिक मूल्य बनाने का मौका मिलता है।

इंडिया ए के तेज गेंदबाज खलील का शानदार प्रदर्शन, 4 ओवर में चार विकेट लिए

नॉर्थम्प्टन। इंडिया ए के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की है। खलीन ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट मैच के तीसरे दिन 4 ओवर में चार विकेट लिए। दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय इंग्लैंड लायंस का स्कोर 3 विकेट पर 192 रन था।

खलील अहमद ने चार ओवर में चार विकेट लेकर इंग्लैंड लायंस की बल्लेबाजी को धवस्त कर दिया। उन्होंने अर्धशतक की तरफ बढ़ रहे जॉर्डन कॉक्स को आउट किया। कॉक्स ने 45 रन बनाये थे। उनका कैच ध्रुव जुरेल ने पकड़ा। इसके बाद उन्होंने 55वें ओवर में लगातार दो गेंद पर दो विकेट लिए। पहले जेम्स रेउ 10 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दूसरी गेंद पर जॉर्ज हिल का विकेट गया। वह साफ बोल्ड हुए। इससे इंग्लैंड लायंस की टीम के छह विकेट 223 रनों पर ही निकल गये।

इसके बाद अगले ओवर में खलील ने क्रिस वोक्स को भी पेवेलियन भेज दिया। प्रमुख ऑलराउंडर में शामिल वोक्स ने 5 रन बनाए थे। जुरेल ने उनका कैच लिया। इसने इंग्लैंड लायंस की टीम लड़खड़ा गयी। टीम ने 229 रन पर सात विकेट गंवा दिये। इस मैच में इंडिया ए ने पहले बल्लेबाजी करते हुए राहुल के शतक की मदद से 348 रन बनाये थे। खलील का प्रदर्शन इंडिया ए की ओर से अच्छा है पर उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। बाएं हाथ के एक ही गेंदबाज अर्शदीप को टेस्ट सीरीज के लिए शामिल किया गया है।

कार्लसन ने नॉर्वे शतरंज खिताब जीता, गुकेश को तीसरा स्थान

नई दिल्ली। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैगनस कार्लसन ने एक बार फिर नॉर्वे शतरंज टूर्नामेट जीत लिया है। वहीं भारत के डी गुकेश तीसरे स्थान पर रहे हैं। कार्लसन का मुकाबला भारत के अर्जुन एरीगैसी से हुआ जिसमें भारतीय खिलाड़ी ने उन्हे सफेद मोहरों से खेलते हुए क्लासिकल में ड्रॉ पर रोकने के बाद टाईब्रेक आर्मगोडेन में शिकस्त दी हालांकि इस हार के बाद भी कार्लसन को क्लासिकल का एक अंक मिला और वह 16 अंकों के साथ ही शीर्ष पर पर पहुँच गए। ये सातवीं बार है जब कार्लसन को खिताब मिला है। इसके बाद भारत के गुकेश के पास नंबर एक पर पहुंचने का अवसर पर वह इटली के फैबियानो कारुआना से हार गये।

नहीं ले पा रहे थे खेल का आनंद, टीम की हार-जीत से नहीं पड़ता था फर्क

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका के धुलंधर विकेटकीपर और बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन के इंटरनेशनल क्रिकेट से अचानक संन्यास ने क्रिकेट जगत को चौंका दिया। 33 साल के क्लासेन ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 4 टेस्ट, 60 वनडे और 58 टी20 मुकाबले खेले, जिसमें उन्होंने कुल तीन हजार से ज्यादा रन बनाए। अब उन्होंने इस फैसले के पीछे की असली वजह का खुलासा किया है।

उन्होंने कहा कि उन्हें अब टीम के हार-जीत से फर्क नहीं पड़ता और वह खेल का आनंद नहीं ले पा रहे थे। उन्होंने बताया कि एक समय ऐसा आ गया था जब उनके प्रदर्शन या टीम के नतीजों का उन पर कोई असर नहीं पड़ता था। उन्होंने माना कि यह भावना उन्हें मानसिक रूप से गलत जगह पर ले जा रही थी। क्लासेन ने खुलासा किया कि उन्होंने कोच रॉब वॉल्टर से इस बारे में विस्तार से बातचीत की थी।

क्लासेन का लक्ष्य 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक टीम का हिस्सा बने रहना था, लेकिन जब रॉब वॉल्टर का कोच के रूप में कार्यकाल समाप्त हुआ और क्लासेन को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट की सूची से भी बाहर कर दिया गया, तो उनका मन बदल गया। उन्होंने कहा कि यह फैसले को आसान बनाने वाला मोड़ था। 2024 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद क्लासेन ने आईपीएल समाप्त होते ही वनडे और टी20 क्रिकेट से भी संन्यास ले लिया।

उन्होंने 60 वनडे में 2141 रन बनाए और उनकी सबसे यादगार पारी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेंचुरियन में 174 रन की थी। टी20 फॉर्मेट में भी उन्होंने 1000 से ज्यादा रन बनाए और 141.84 के स्ट्राइक रेट से तेजी से रन बटोरे। क्लासेन ने अपने संन्यास की घोषणा एक भावुक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए की थी, जिसमें उन्होंने लिखा था कि यह मेरे लिए एक दुखद दिन है क्योंकि मैंने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। मुझे और मेरे परिवार के भविष्य के लिए क्या सबसे बेहतर होगा, यह तय करने में काफी समय लगा, लेकिन अब इस फैसले से मुझे शांति मिली है। क्लासेन का संन्यास न केवल दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट के लिए झटका है, बल्कि यह भी दिखाता है कि मानसिक संतुलन और टीम से जुड़ाव किसी भी खिलाड़ी के करियर में कितनी अहम भूमिका निभाते हैं।

रोहित यादव नें भाला फेक प्रतियोगिता में जीता गोल्ड मेडल

वाराणसी। ताइपेई (ताइवान) में 7-8 जून, 2025 तक आयोजित प्रतिष्ठित ताइवान एथलेटिक्स ओपन 2025 के अंतिम दिन, भारतीय एथलीट रोहित यादव ने पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता में 74.42 मीटर की दूरी तय कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया।

रोहित यादव, जो कि वर्तमान में बनारस रेल इंजन कारखाना में विद्युत विभाग में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं, ने यह अद्भुत प्रदर्शन करके न केवल भारत का तिरंगा गर्व से लहराया, बल्कि भारतीय रेलवे और बरेका की खेल प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय मंच पर एक बार फिर प्रमाणित किया।

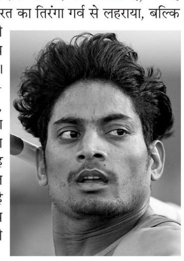

प्रतियोगिता का आयोजन 7-8 जून 2025 के दौरान ताइपेई, ताइवान में हुआ, जिसमें एशिया भर के शीर्ष खिलाड़ियों ने भाग लिया। रोहित यादव की यह उपलब्धि भारतीय खेल इतिहास में एक और कीर्तिमान है और यह आगामी अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के लिए भारत की तैयारियों को भी दर्शाती है।

इस उपलब्धि पर बरेका के महाप्रबंधक श्री नरेश पाल सिंह नें बधाई देते हुए कहा कि

रोहित यादव ने अपने कठिन परिश्रम और लगन से यह सिद्ध कर दिया है, कि बरेका केवल रेल इंजनों के उत्पादन में ही नहीं, बल्कि खेल प्रतिभा के निर्माण में भी अग्रणी है। रोहित की यह जीत 'मेक इन इंडिया' के साथ-साथ 'चैम्पियन्स फ्रॉम इंडिया' की अवधारणा को भी साकार करती है।

बीसीसीआई ने इंडीज और अफ्रीका के साथ टेस्ट सीरीज़ के मैचों के कुछ स्थान बदले

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने 2025 के लिए अंतर्राष्ट्रीय घरेलू सीज़न और दक्षिण अफ्रीका ए-टीम के भारत दौरे का संशोधित कार्यक्रम जारी किया है। इस शेड्यूल में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली टेस्ट सीरीज़ के कुछ मैचों के स्थानों में बदलाव किया है। बीसीसीआई के मुताबिक भारतीय सीनियर पुरुष टीम साल 2025 में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू जमीन पर टेस्ट, वनडे और टी20 मैच खेलेगी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज़ की शुरुआत 2 अक्टूबर को अहमदाबाद में होगी, जबकि दूसरा टेस्ट जो पहले कोलकाता में होना था, अब नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इसके विपरीत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 14 नवंबर से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज़ के पहले मैच का आयोजन पहले दिल्ली में होना तय था, लेकिन अब यह कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेला जाएगा।

इसके अलावा महिला क्रिकेट कार्यक्रम में भी बदलाव किए गए हैं। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में आउटफील्ड और पिचों के पुनर्निर्माण के कारण भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच प्रस्तावित तीन वनडे मैचों की सीरीज़ को चेन्नई से स्थानांतरित कर दिया है। अब इस सीरीज़ के पहले दो वनडे न्यू चंडीगढ़ के पीसीए स्टेडियम में होंगे और आखिरी मुकाबला दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होगा।

साउथ अफ्रीका की 'ए' पुरुष टीम भी भारत दौरे पर आएगी, जिसमें वह दो बहु-दिवसीय और तीन एकदिवसीय मैच खेलेगी। यह दौरा 30 अक्टूबर से शुरू होगा। दोनों बहु-दिवसीय मैच बेंगलुरु में स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे, जबकि पहले प्रस्तावित एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले तीन एकदिवसीय मैच अब राजकोट स्थानांतरित कर दिए गए हैं। बीसीसीआई के इस फैसले को आयोजन स्थलों की वर्तमान स्थिति, सुविधाओं और मैदान की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि खिलाड़ियों और दर्शकों दोनों बेहतर अनुभव कर सकें। नए कार्यक्रम से दर्शकों की सुविधा में वृद्धि और मैच आयोजन की गुणवत्ता में सुधार की उम्मीद की जा रही है।

फ्रेंच ओपन विजेता को मिले 25 करोड़, आईपीएल कहीं मुकाबले में नहीं

पेरिस । स्पेन के कार्लोस अल्कारेज ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर को हराकर फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल का खिताब जीत लिया है। पांच सेट तक चले कड़े मुकाबले में अल्कारेज ने सिनर को 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 7-6 से हराया। इस जीत से कार्लोस अल्काराज को 2.55 मिलियन यूरो करीब 24 करोड़ 94 लाख रुपये मिले हैं। इस प्रकार उनकी पुरस्कार राशि बढ़कर 44.7 मिलियन हो गई है। अब अल्कारेज ने सबसे अधिक आय वाले खिलाड़ियों की सूची में पीट सम्प्रास को पीछे छोड़ दिया है। अल्काराज सातवें नंबर पर पहुंच गये हैं। वहीं सिनर को 1.35 मिलियन यूरो करीब 13 करोड़ 20 लाख रुपये मिले हैं और अब वह सम्प्रास से पीछे हो गये हैं। अल्कराज को फ्रेंच ओपन जीतने पर भारतीय रुपयों में देखें तो ये लगभग 25 करोड़ रुपये होते हैं। वहीं फाइनल मैच हारने वाले इटली के जैनिक सिनर को भारतीय रुपयों में 13 करोड़ रुपये मिले हैं। इसकी तुलना अगर आईपीएल से की जाये तो खिताब जीतने वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को इनाम राशि के तौर पर 20 करोड़ रुपये मिले थे। ये राशि पूरी टीम में बांटी जाएगी। इस प्रकार एक खिलाड़ी के हिस्से में एक करोड़ रुपये आना भी मुश्किल है जबकि अल्कारेज ने अकेले ही 25 करोड़ रुपये कमा लिये हैं। सिनर ने शानदार शुरुआत की, पहला सेट 6-4 से जीता और दूसरे सेट को तनावपूर्ण टाईब्रेक में 7-6(7-4) से जीत दर्ज की पर अल्काराज ने तीसरा सेट 6-4 से जीतकर मैच में वापसी की। चौथे सेट में सिनर ने बढ़त बनायी हुई थी पर अल्कारेज टाईब्रेक में इसे 7-6(7-3) से जीत लिया। अल्काराज ने पांचवें सेट के टाईब्रेक में मैच पर कब्जा कर लिया। इस जीत से अल्काराज ने लगातार दूसरा फ्रेंच ओपन खिताब और 2024 में अपना तीसरा ग्रैंड स्लैम ताज जीता। इससे पहले अल्काराज ने विंबलडन ट्रॉफी जीती थी। यह उनके करियर का पांचवां प्रमुख खिताब हैं। इस प्रकार की उपलब्धि उनके अलावा ब्योर्न बोर्ग और राफेल नडाल ने हासिल की थी।

रोहित-कोहली की गैरमौजूदगी के बावजूद दर्शकों के जोश में कमी नहीं

लंदन (यूके)। हाल ही में भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज बल्लेबाजों के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है। इसके बाद अब भारतीय टीम की कमान युवा बल्लेबाज शुभमन गिल के हाथों में सौंपी गई है। इसी बदलाव के साथ भारत इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज खेलेगा, जो 2025-27 वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत भी है। रोहित-कोहली की गैरमौजूदगी के बावजूद दर्शकों का जोश कम नहीं हुआ है। इंग्लैंड में इस टेस्ट सीरीज के सभी मुकाबलों के टिकट बिक चुके हैं, जिससे यह साफ जाहिर होता है कि भारतीय क्रिकेट का आकर्षण अब भी बना हुआ है। भारत की टीम मुंबई से लंदन पहुंच चुकी है और खिलाड़ियों ने अपनी तैयारियों की शुरुआत भी कर दी है। लंदन में टीम इंडिया ने लॉर्ड्स इंडोर क्रिकेट सेंटर में अभ्यास सत्र में हिस्सा लिया, जिसकी अगुवाई मुख्य कोच गौतम गंभीर कर रहे हैं। बीसीसीआई ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया के ट्रेनिंग सेशन की झलकियां साझा कीं और लिखा, इंग्लैंड में टीम इंडिया की लय में आने का पहला नजारा। वीडियो में देखा गया कि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा और अर्शदीप सिंह ने तेज गेंदबाजी विभाग की जिम्मेदारी संभाली, जबकि कप्तान शुभमन गिल, विकेटकीपर ऋषभ पंत और अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा भी जमकर अभ्यास करते दिखे। पंत लंबे समय बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी कर रहे हैं और उन पर सबकी निगाहें टिकी हैं। भारत की नजरें 2007 के बाद पहली बार इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने पर हैं। पिछली बार भारत ने इंग्लैंड की धरती पर 17 साल पहले टेस्ट सीरीज अपने नाम की थी। अब नए नेतृत्व और नई सोच के साथ टीम एक बार फिर इतिहास रचने का इरादा लेकर उतरेगी। शुभमन गिल की यह पहली बड़ी कप्तानी परीक्षा होगी और साथ ही गौतम गंभीर का कोचिंग प्रभाव भी इस दौरे में साफ तौर पर देखा जाएगा। इंग्लैंड के कठिन हालातों में नई भारतीय टीम किस तरह खुद को साबित करती है, यह देखना दिलचस्प होगा। जारी शेडयूल के मुताबिक पहला टेस्ट शुक्रवार 20 जून, दोपहर 3.30 बजे, हेडिंग्ले के लीड्स में होगा, वहीं दूसरा टेस्ट बुधवार 2 जुलाई, दोपहर 3.30 बजे, एजबेस्टन के बर्मिंघम में, तीसरा टेस्ट गुरुवार 10 जुलाई, दोपहर 3.30 बजे, लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में, चौथा टेस्ट बुधवार 23 जुलाई, दोपहर 3.30 बजे, मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में होगा। इसी तरह पांचवां टेस्ट गुरुवार 31 जुलाई, दोपहर 3.30 बजे, लंदन के केनिंगटन ओवल में खेला जाएगा।

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

मध्य प्रदेश शासन

कार्यालय वनमण्डल अधिकार दक्षिण (उत्पा.) वनमण्डल बालाघाट म.प्र.

ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या/ ई-टेंडरिंग/2025-26 4892 बालाघाट दिनांक 27/05/2025

दक्षिण उत्पादन वनमण्डल बालाघाट के अतंर्गत गर्रा एवं लांजी डिपो में घोष विक्रय एवं निविदाओं के समय ठेकेदारों/संविदाकारों को दिये जाने वाले जलपान सुविधा अंतर्गत जलपान व्यवस्था व्यवस्था हेतु ई-निविदा प्रस्तावित की जाती है।

क्र.	कार्य का विवरण	प्रदाय की जाने वाली समाग्री	अनुमानित मात्रा
1.	गर्रा एवं लांजी डिपो में घोष विक्रय एवं निविदाओं के समय ठेकेदारों/संविदाकारों को दिये जाने वाले जलपान सुविधा अंतर्गत जलपान व्यवस्था	जलपान/भोजन सुविधा अंतर्गत (प्रति व्यक्ति) 1.चाय- नीलाम प्रारंभ के बाद, सुबह एवं सायं में (02 बार) 2.मिनरल वाटर- 01 लीटर बोतल प्रति व्यक्ति 3. नाश्ता- नीलाम प्रारंभ के बाद (01 बार) कचौरी/समासा/आलूबोंडा/आलूपाहा (कोई एक 02नग+ मीठा/जलेबी) 4.खाना- दोहपर में (रोटी/पुडी + दाल + 02 सब्जी + रायता/दही + पापड + चावल + मीठा (01 पीस) +सलाद	आवश्यकतानुसार

ऊपर दी गयी समस्त सामग्री हेतु प्रदायकर्ताओं से ई-निविदा आमांत्रीत की जाती है। ई-निविदा संबंधित समस्त जानकारी एवं दस्तावेज www.mptender.gov.in पर प्रकाशन दिनांक 06/06/2025 से दिनांक 19/06/2025 तक समय दोपहर सांय 05:00 बजे तक देखी/प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	विवरण	दिनांक	समय
1.	Published Date	06/06/2025	11:00
2.	Document Sale Start Date	06/06/2025	12:00
3.	Bid Submission Start Date	06/06/2025	12:00
4	Bid Submission End Date	19/06/2025	17:00
5	Bid Opening Date	23/06/2025	12:00

जी-14123/25

'स्वच्छता ही सेवा'

वनमण्डलाधिकारी
दक्षिण उत्पादन वनमण्डल बालाघाट

बैठक का आयोजन कर निकाली गई जन स्वाभिमान यात्रा

आदिवासियों के हक अधिकार के लिए 24 जून तक चलेगा जनजागरण अभियान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आदिवासी समाज को उनका हक अधिकार दिलाने और उन्हें जागरूक करने सहित प्रमुख उद्देश्यो को ध्यान में रखते हुए, भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि 9 जून से 24 जून रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस तक जन स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया गया है।जिसका आगाज सोमवार 9 जून को बस स्टैंड स्थित धर्मशाला में एक बैठक के बाद भगवान बिरसा मुंडा चौक से किया गया।बालाघाट, मंडला, डिण्डौरी, वनवासियों, आदिवासियों और ग्राम सभाओं के अधिकारों की पुनर्स्थापना एवं संविधान सम्मत शासन व्यवस्था के निर्माण के उद्देश्य से आयोजित इस जन स्वाभिमान यात्रा के लिए 9 जून सोमवार को स्थानीय धर्मशाला में बैठक आयोजित कर इस यात्रा की रूपरेखा एवं रणनीति तैयार की गई वही बालाघाट से यह यात्रा प्रारंभ की गई है।बताया गया कि इस यात्रा का उद्देश्य न केवल आम जनता के स्वाभिमान को जगाना है, बल्कि मंडला, डिण्डौरी और बालाघाट जिलों के वन ग्रामों की जमीनी समस्याओं को चिन्हित कर एक समर्पित जन मंच का निर्माण करना भी है, जो इन मुद्दों पर सतत काम करेगा।

समाज से जुड़े हर कार्यो का अवलोकन किया जाएगा

बताया गया कि इस जन स्वाभिमान यात्रा के अन्य उद्देश्य भी है जिसमे जनता के स्वाभिमान के अनुरूप शासन व्यवस्था को लेकर जनचेतना का निर्माण करना, वन ग्रामों की समस्याओं पर कार्य हेतु जन मंच का गठन करना,मनरेगा, वन अधिकार अधिनियम, 5वीं अनुसूची, पेसा कानून और पंचायती राज व्यवस्था पर ग्रामीणों को जागरूक करना, रेत, मुर्रम, पत्थर जैसी गौण खनिज संपदा व अन्य प्राकृतिक संसाधनों पर ग्राम सभा और पंचायतों के अधिकार स्थापित कराना करना, बांध, रिजर्व फॉरेस्ट और खनन परियोजनाओं के नाम पर हो रहे विस्थापन के खिलाफ संगठित संघर्ष को मजबूती देना है।

ये अधिकारों की पुर्नस्थापना का सामाजिक अभियान है- धुर्वे

जन स्वाभिमान यात्रा को लेकर की गई चर्चा के दौरान यात्रा के संयोजक दिनेश धुर्वे सहित अन्य ने बताया कि यह कोई राजनीतिक आंदोलन नहीं, बल्कि संविधान और प्रकृति आधारित अधिकारों की पुर्नस्थापना का सामाजिक अभियान है। यात्रा के दौरान ग्राम सभाओं, युवाओं, महिलाओं और किसानों से संवाद किया जाएगा और हर जिले में जनसुनवाई एवं सामूहिक बैठकें होंगी। बैठक में प्रमुख रूप से जन संघर्ष मोर्चा प्रभारी विवेक पंवार, जिला पंचायत सदस्य मंशाराम मड़ावी, दलसिंह पन्द्रे, म.प्र आदिवासी विकाश परिषद युवा अध्यक्ष शुभम उइके, सीटू युनियन अध्यक्ष वाय.आर बिसेन सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

10 और 11 जून को होंगा जुम्बा योगा का आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स अकैडमी बालाघाट के तत्वधान में 10 और 11 जून को प्री मानसून खेल महोत्सव के तहत योगा ,फिटनेस एक्सरसाइज एवं जुंबा डांस, का आयोजन मुलना स्टेडियम बालाघाट में किया जा रहा है । 10 एवं 11 जून को सुबह 6 बजे से 7.30 बजे तक दो दिवसीय फिटनेस एक्सरसाइज योगा एवं जुंबा, मनोरंजन कार्यक्रम के माध्यम से बालाघाट के युवाओं एवं खिलाड़ियों एवं हर आयु वर्ग के आम नागरिकों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए किया जा रहा है। डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स अकैडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी ने बताया कि इस आयोजन बालाघाट के हर वर्ग स्कूल ,कॉलेज, युवाओं , हर उम्र के नागरिकों मनोरंजन, योगा, फिटनेस, और खेलो से जोड़ना है एवं सुबह के समय हर कोई एक घंटा रोज फिटनेस का डोज के माध्यम से अपने स्वास्थ को बेहतर बना सकते हैं। इस आयोजन में किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाएगा जो निशुल्क रहेगा। बालाघाट के आम नागरिकों से इस आयोजन का हिस्सा बने और प्रतिमाह खेल गतिविधि के माध्यम से स्वास्थ्य एवं फिटनेस के प्रति युवाओं को जागरूक किया जाएगा।निम्न संगठनों के द्वारा प्री मानसून खेल महोत्सव में शामिल होने की अपील, डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट्स अकैडमी के अध्यक्ष तपेश असाटी, अभिषेक पांडे सचिव डिस्ट्रिक्ट स्पोर्ट एकेडमी बालाघाट ,सुधीर तोमर पुलिस वालीबॉल एकेडमी बालाघाट, कन्या शिक्षक परिसर गोंगलई ,ऐश्वर्य कंप्यूटर बालाघाट, आकाशवाणी बालाघाट, सेल्फ डिफेंस ऑफ इंडियन एकेडमी, रक्षित शौर्य शक्ति फाउंडेशन, अनमोल भीमटे यूट्यूब ,सुधीर तोमर, अनिल चंदेश्वर,अजय ठाकुर, विजय सूर्यवंशी, जय सोनवाने माइक्रो कंप्यूटर बालाघाट, कमल किशोर तिलासे,सजिन्द्र कृष्णन्न कुट्टी ने शामिल होने की अपील की गई।

कोयले आधारित थर्मल पावर प्लांटों के लगाने से गहराने लगा जल संकट

महाराष्ट्र का सोलपुर जिला इसका ताजा उदाहरण

नई दिल्ली। भारत में लगातार बढ़ती जनसंख्या और तेज होते औद्योगीकरण के कारण ऊर्जा की मांग बढ़ी है। इस जरूरत को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार कोयले आधारित थर्मल पावर प्लांटों पर अधिक जोर दे रही है, क्योंकि देश में कोयले की पर्याप्त मौजूदगी है। हालांकि, इन संयंत्रों को चलाने के लिए भारी मात्रा में पानी की जरुरत होती है, जिससे उन इलाकों में जल संकट उत्पन्न होता है, जहां ये संयंत्र स्थापित किए जाते हैं। महाराष्ट्र के सोलापुर जिले का उदाहरण इस संकट को साफ तौर पर दिखाता है। यहां एनटीपीसी द्वारा 2017 में एक कोयला आधारित बिजली संयंत्र लगाया गया, इसके बाद गर्मियों में पानी की भारी किल्लत शुरू हो गई है। पहले जहां हर दूसरे दिन पानी की आपूर्ति होती थी, अब सप्ताह में केवल एक बार ही नलों में पानी आता है।

सोलापुर जैसे ही हालात उन अन्य क्षेत्रों में भी हैं जहां इसतरह के संयंत्र लगे हुए हैं। भारत में 17 प्रतिशत वैश्विक जनसंख्या है, लेकिन उसके पास केवल 4 प्रतिशत जल संसाधन हैं। इसके बावजूद सरकार 2031 तक 80 अरब डॉलर उन पावर प्रोजेक्ट्स पर खर्च करने जा रही है जो अत्यधिक जल की खपत करते हैं। ऊर्जा मंत्रालय की रिपोर्ट बताती है कि प्रस्तावित 44 नई थर्मल परियोजनाओं में से 37 जल संकटग्रस्त क्षेत्रों में स्थापित हो रही हैं। एनटीपीसी की 98.5 प्रतिशत परियोजनाएं भी उन्हीं क्षेत्रों में हैं जहां पानी की भारी कमी है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विस्तार से भविष्य में स्थानीय लोगों और उद्योगों के बीच जल को लेकर टकराव और गहरा हो सकता है।

हालांकि भारत ने कुछ वर्षो पहले कोयले पर निर्भरता घटाने की दिशा में कदम उठाए थे, लेकिन कोविड महामारी के बाद यह नीति उलट दी गई। सरकार ने सौर और जल विद्युत परियोजनाओं में निवेश जरूर किया है, फिर भी थर्मल पावर प्लांट भविष्य में भी ऊर्जा आपूर्ति में अहम भूमिका निभाने वाले है।

2014 से अब तक जल की कमी के कारण भारत को 60.33 अरब यूनिट कोयला आधारित बिजली का नुकसान हो चुका है, जो जून 2025 के अनुमानित स्तर पर 19 दिनों की बिजली आपूर्ति के बराबर है। सोलापुर के स्थानीय लोगों की दिनचर्या अब पानी जमा करने में ही बीतती है। एनटीपीसी भले ही संयंत्र में रिसायक्लिंग और ट्रीटमेंट जैसे उपाय अपना रही है, लेकिन यह संयंत्र अब भी देश के सबसे कम जल-कुशल संयंत्रों में गिना जाता है। जल संकट के इस गंभीर पहलू को अब ऊर्जा नीति में शामिल कर दीर्घकालिक समाधान ढूंढने की आवश्यकता है।

महाराष्ट्र और मराठी भाषी लोगों के हित में काम को तैयार - आदित्य ठाकरे

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों से पहले अपने चचेरे भाई राज ठाकरे के साथ संभावित पुनर्मिलन की बढ़ती अटकलों को हवा दी, इसके बाद पार्टी नेता और विधायक आदित्य ठाकरे ने अफवाहों का बाजार गर्म कर दिया है। यह बयान महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा अपने चचेरे भाई राज की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ अटकलों को संबोधित करने के कुछ दिनों बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, 卐महाराष्ट्र के दिल में जो है, वहीं होगा।卐

वहीं आदित्य ने कहा, 卐हम लगातार यह कहते रहे हैं। हम किसी भी व्यक्ति, किसी भी पार्टी के साथ काम करने के लिए तैयार हैं जो महाराष्ट्र और मराठी भाषी लोगों के हित में काम को तैयार है।卐 उन्होंने भाजपा पर निशाना साधकर सत्तारूढ़ पार्टी पर मुंबई और महाराष्ट्र को निगलने और राज्य के साथ अन्याय करने का आरोप लगाया।

आदित्य ने कहा, हमारी जिम्मेदारी बदलाव लाना है। कोई भी पार्टी जो महाराष्ट्र के हितों की रक्षा के लिए काम कर रही है, उसे एक साथ आकर लड़ना चाहिए।

कभी करीबी रहे चचेरे भाई, वैचारिक और राजनीतिक मतभेदों के बाद करीब दो दशक पहले अलग हो गए थे। हालांकि, उनके हालिया बयानों ने महाराष्ट्र में संभावित राजनीतिक पुनर्संयोजन की चर्चा को फिर से हवा दे दी है।

इस बीच, उद्धव ने जमीनी हालात की समीक्षा के लिए नेताओं की एक बैठक की। उन्होंने पार्टी नेताओं से मतदाताओं और नागरिकों तक कार्यक्रम ले जाने और समारोह आयोजित करने को कहा। उन्होंने कहा, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को जमीनी स्तर पर लोगों से संपर्क करते हुए और उनके मुद्दों पर आवाज उठाते हुए दिखना चाहिए।

उद्धव और राज ठाकरे के बीच संभावित गठबंधन को लेकर बढ़ती चर्चा पर मनसे नेता अमित ठाकरे ने कहा कि इसतरह के मामलों को सार्वजनिक बयानों के माध्यम से तय नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच केवल सीधी बातचीत ही किसी सार्थक नतीजे पर पहुंच सकती है।

अमित ने कहा, केवल दोनों भाइयों को बात करनी चाहिए। इस मामले पर हमारी टिप्पणी से कुछ नहीं बदलेगा। उन्होंने कहा, मुझे उनके साथ आने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन मैंने 2014 और 2017 में भी इसी तरह की बातचीत देखी है।

क्या आदतन पत्र का जबाव नहीं देते नीतिश, यह अधिकारी बताते ही नहीं

तेजस्वी यादव का नीतिश कुमार पर तंज

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर तीखा हमला कर संविधान की नौवीं अनुसूची में 65 प्रतिशत राज्य आरक्षण कोटा शामिल न करने पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया। तेजस्वी ने नीतीश द्वारा उनके पहले के पत्र का जवाब न देने पर सवाल उठाकर कहा, क्या नीतीश ने मेरे पत्र का जवाब इसलिए नहीं दिया क्योंकि उनके पास इसका जवाब नहीं है या वे आदतन ऐसा करते हैं या अधिकारी उन्हें पत्र नहीं दिखाते?

उन्होंने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, जीतन राम मांझी और उपेंद्र कुशवाहा सहित एनडीए नेतृत्व पर निशाना साधकर कहा कि यह दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अत्यंत पिछड़े वर्गो के अधिकारों का हनन है।

राजद नेता ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री से ये सब लोग इस छोटी सी मांग को भी पूरा नहीं करा सकते है तब इनका अपनी राजनीति एवं इस तरह के गठबंधन में रहना धिक्कार है।

दरअसल 5 जून को तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को संबोधित एक पत्र शेयर कर कहा, महागठबंधन सरकार में बढ़ाई गई 65 प्रतिशत आरक्षण सीमा को अपनी ही सरकार द्वारा संविधान की 9वीं अनुसूची में शामिल करवाने में बुरी तरह विफल रहे मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है। दलित, आदिवासी, पिछड़े और अति पिछड़े वर्गों से वोट पाकर आरएसएस-भाजपा की पालकी ढोने वाले अवसरवादी नेताओं को भी हम बिहार की न्यायप्रिय जनता की बात अच्छे से समझा दें।

इसके पहले तेजस्वी ने बिहार सरकार पर तीखा हमला कर कानून व्यवस्था को लेकर विफल रहने और स्वास्थ्य व्यवस्था को चरमराने देने का आरोप लगाया। यादव ने कहा, बिहार में अपराधी बेलगाम हैं। लगातार कई घटनाएं सामने आ रही हैं और पुलिस बेबस नजर आ रही है।

केरल तट पर जलते हुए कंटेनर जहाज से 18 चालक दल के सदस्यों को कोस्टगार्ड ने बचाया

कोच्चि। केरल तट पर जलते हुए कंटेनर जहाज से 18 चालक दल के सदस्यों को कोस्टगार्ड ने बचा लिया. इस शिप पर 22 चालक दल के सदस?य थे, जिनमें से 4 लापता बताए जा रहे हैं. वहीं, 5 घायल हुए हैं. रक्षा सूत्रों ने बताया कि केरल तट के पास सिंगापुर के ध्वजवाहक कंटेनर जहाज एमवी वान हाई 503 पर सोमवार सुबह विस्फोट होने की सूचना है. यह जानकारी एक रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने यहां दी. निचले डेक पर विस्फोट की सूचना सबसे पहले सुबह करीब 10.30 बजे मुंबई स्थित समुद्री परिचालन केंद्र द्वारा कोच्चि स्थित समुद्री परिचालन केंद्र को दी गई.

यह जहाज 270 मीटर लंबा और 12.5 मीटर व्यास वाला है और यह सात जून को कोलंबो से मुंबई के लिए रवाना हुआ था और इसके 10 जून को पहुंचने की उम्मीद थी. पीआरओ ने कहा, 'नौ जून 25 को सुबह लगभग 10-30 बजे, एमओसी (कोच्चि) को एमओसी (मुंबई) से एमवी वान हाई 503 पर निचले डेक पर विस्फोट होने के बारे में सूचना मिली. यह जहाज सिंगापुर का एक ध्वजवाहक कंटेनर जहाज है, जो 270 मीटर लंबा और 12.5 मीटर व्यास का है.

मंत्री ने सीएमओ डॉ. कुर्तिकर को हटाया, लेकिन सीएम ने कहा नहीं होगा निलंबन

पण्जी। गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत ने एक नाटकीय घटनाक्रम में घोषणा की कि गोवा मेडिकल कॉलेज के कैजुअल्टी मेडिकल ऑफिसर (सीएमओ) डॉ. रुद्रेश कुर्तीकर को राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे के पहले के आदेशों के बावजूद निलंबित नहीं किया जाएगा। विवाद की शुरुआत 8 जून को हुई, जब स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे निरीक्षण के लिए गोवा मेडिकल कॉलेज गए थे। सीएमओ डॉ. कुर्तीकर के खिलाफ एक मरीज को इंजेक्शन देने से मना करने की शिकायत मिलने पर राणे ने कर्मचारियों और मरीजों के सामने डॉक्टर को खूब खरी-खोटी सुनाई।

घटना का वीडियो फुटेज में राणे डॉ. कुर्तिकर पर चिल्लाते हुए दिखाई दे रहे हैं, उन पर लापरवाही और गैर-पेशेवर व्यवहार का आरोप लगा रहे हैं। वीडियो में, राणे एक बुजुर्ग महिला को इंजेक्शन लगाने से कथित तौर पर मना करने के लिए डॉक्टर को फटकरते दिख रहे हैं। उन्होंने डॉ. कुर्तिकर को बेहद आक्रामक तरीके से डांटते हुए कहा, आप गरीबों की सेवा करने वाले डॉक्टर हैं... मैं आपको निलंबित कर रहा हूं। इसके बाद उन्होंने मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को डॉक्टर को तुरंत उनके कर्तव्यों से मुक्त करने का आदेश दिया, यह कहते हुए कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें बहाल नहीं किया जाएगा।

मंत्री राणे के व्यवहार पर गोवा एसोसिएशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स ने इस घटना की निंदा कर सार्वजनिक अपमान और डॉक्टर को मनमाने ढंग से निलंबित करने की घटना बताया। एसोसिएशन ने निलंबन आदेश को तत्काल वापस लेने, राणे से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की।

प्रतिक्रिया के जवाब में मंत्री राणे ने अपने कार्यों का बचाव करते हुए सोशल मीडिया पर एक संदेश पोस्ट किया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने एक असहाय बुजुर्ग महिला के बचाव में काम किया, जिसे कथित तौर पर चिकित्सा देखभाल से वंचित किया था। राणे ने कहा, मैं जिस चीज के लिए माफी नहीं मांगूंगा, वह है एक इसतरह के मरीज के लिए खड़ा होना, जिसे देखभाल से वंचित किया गया था। उन्होंने कहा कि उनका स्वर और शब्द अधिक संतुलित हो सकते थे, उन्होंने स्वीकार किया कि उनका दृष्टिकोण कठोर था, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि देखभाल से इंकार करना अस्वीकार्य था।

बीते 11 साल मोदी सरकार ने भारत की राजनैतिक संस्कृति को बदला

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने के मौके पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में हम 11 साल पूरे कर रहे हैं...11 साल में जो पीएम मोदी के नेतृत्व काम हुआ है वह स्वर्ण अक्षरों में लिखे जाने वाला काम हुआ है। देश में 11 साल पहले तुष्टिकरण व समाज को खंडित करके अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना राजनी ?तिक संस्कृति का तरीका बना चुका था। लेकिन 2014 के बाद प्रधानमंत्री के नेतृत्व वाली जिम्मेदार व जवाबदेह सरकार आई है, जिस सरकार ने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू की। हम जो काम कर रहे हैं, उस काम को हम जनता के सामने रखें। बीते 11 साल में मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदला ?है। नड्डा ने कहा, ...मोदी सरकार ने ट्रिपल तलाक को खत्म करने का साहसिक फैसला लिया। एक और साहसिक फैसला नया वक्फ अधिनियम बनाना था। इस पर चर्चा चल रही है। कुछ अन्य साहसिक फैसलों में नागरिकता संशोधन अधिनियम, नोटबंदी, 33 प्रतिशत महिला आरक्षण शामिल हैं...हम सब जानते हैं कि हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से सीधे 5 वें स्थान पर आ गई और अब ये चौथे स्थान पर आ गई है। जेपी नड्डा ने कहा, आज भारत का आम नागरिक कहता है कि मोदी है तो मुमकिन है...पिछले 11 वर्षों में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र को लेकर आगे बढ़े हैं। देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया...लोकसभा में टर्नआउट 58.46 प्रतिशत रहा, जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में टर्नआउट 63 प्रतिशत रहा। ये बदलाव, मोदी सरकार की साहसिक निर्णय की वजह से आया है।

बीत 11 साल में मोदी सरकार ने लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया - खड़गे

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार के सोमवार को 11 साल पूरे हुए हैं। इस मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मोदी सरकार पर हमलावार दिखे। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने कहा पिछले 11 वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय लोकतंत्र, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को गहरा आघात पहुँचाया है। बीजेपी-आरएसएस ने हर संवैधानिक संस्था को कमजोर कर, उनकी स्वायत्तता पर कड़ा प्रहार किया। चाहे जनमत चुराकर पिछले दरवाज़े से सरकारें गिराना हो या एक-दलीय तानाशाही शासन जबरन लागू करना हो। इस दौरान, राज्यों के अधिकारों की अनदेखी हुई है और संघीय ढांचे कमजोर किया गया। समाज में नफरत, धमकी और डर का वातावरण फैलाने की कोशिश जारी है। दलित, आदिवासी, पिछड़े, अल्पसंख्यक व कमज़ोर वर्गों का शोषण बढ़ रहा है। इनके आरक्षण व बराबरी के अधिकार से वंचित रखने की साजिश जारी है। मणिपुर की ना थमने वाली हिंसा भाजपा की प्रशासनिक विफलता का सबसे बड़ा सबूत है। बीजेपी-आरएसएस ने देश के जीडीपी विकास दर को 5-6 प्रतिशत की आदत डाल दी, जो यूपीए के दौरान 8 प्रतिशत औसतन हुआ करता था। सालाना 2 करोड़ नौकरियों का वादा के बजाय युवाओं से करोड़ों नौकरियाँ छीनी। महँगाई से जनता की बचत 50 सालों में सबसे कम और आर्थिक असमानता 100 सालों में सबसे अधिक कर दी। नोटबंदी, गलत जीएसटी, अनियोजित लॉक-डाउन और असंगठित क्षेत्र पर हथौड़ा चलाकर करोड़ों युवाओं का भविष्य बर्बाद किया। मेक इन इंडिय, स्टैड अप इंडिया, डिजिटल इंडिया,नमामी गंगे, 100 स्मार्ट सिटी सब फेल हुए। रेलवे का बंटाधार किया। केवल कांग्रेस-यूपीए के बनाए गए प्रोजेक्ट के फ़ीते काटे। पिछले 11 वर्ष, मोदी सरकार ने संविधान के हर पन्ने पर तानाशाही की स्याही रगड़ने में गँवाए हैं !

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत कैशलेस क्रांति की ओर तेजी से बढ़ रहा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के कार्यालय ने कहा कि भारत यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) जैसी विश्वस्तरीय डिजिटल पहलों के साथ कैशलेस क्रांति की ओर बढ़ रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के ऑफिस ने पोस्ट में कहा, बीते 11 वर्षों में भारत ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक शानदार यात्रा का अनुभव किया। दूसरी पोस्ट में कहा गया, भारत कैशलेस क्रांति को तेजी से अपना रहा है। ह हर दिन 70,000 करोड़ रुपए से अधिक के यूपीआई ट्रांजैक्शन और एक दिन में 59.6 करोड़ लेनदेन के साथ डिजिटल पेमेंट्स अब नए मानक बना रहा हैं।

वित्त मंत्री सीतारमण के कार्यालय ने कहा कि लोगों के जीवन को आसान बनाने से लेकर कारोबारी आत्मविश्वास को बढ़ाने तक, यह रियल और विजिबल चेंज का एक दशक रहा है। भारत आज न केवल सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था है, बल्कि क्लाइमेट एक्शन और डिजिटल इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर एक प्रमुख वैश्विक भागीदार भी है। यूपीआई ने वर्ष 2025 मई में 18.68 बिलियन ट्रांजैक्शन रिकॉर्ड कर मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो अप्रैल में 17.89 बिलियन थे। नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के आंकड़ों के अनुसार, यूपीआई ट्रांजैक्शन बीते वर्ष इसी महीने 14.03 बिलियन ट्रांजैक्शन की तुलना में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दिखाता है। बीते महीने मूल्य के हिसाब से यूपीआई ट्रांजैक्शन बढ़कर 25.14 लाख करोड़ रुपए हो गया, जो अप्रैल में 23.95 लाख करोड़ से 5 प्रतिशत अधिक है। यह पिछले वर्ष मई में 20.45 लाख करोड़ रुपए से लगभग 23 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। मई में एवरेज डेली ट्रांजैक्शन की मात्रा 602 मिलियन रही, जबकि एवरेज डेली ट्रांजैक्शन अमाउंट 81,106 करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

11 सालों से पीएम मोदी के नेतृत्व में विकास की ऊंचाइयों को छू रहा भारत - पीयूष गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बीते 11 सालों से भारत के सबसे परिवर्तनकारी समय में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों के कारण आज देश अर्थव्यवस्था से लेकर तकनीक तक और समाज से लेकर समावेशी विकास तक हर क्षेत्र में नया इतिहास रच रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले जहां देश हर तरह से पिछड़ा हुआ था, वहीं मोदी सरकार के दौरान भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और उनकी सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रहा है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, यह सिर्फ मंत्र नहीं बल्कि नए भारत की ताकत है। भारत के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेजी से विकास, व्यापक बदलाव और जन भागीदारी के साथ दुनिया का नेतृत्व करते हुए विकसित बनने की राह पर अग्रसर है। आईएमएफ ने बीते महीने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर कदम बढ़ा चुका है। इस दौरान देश की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है।

फिर अज्ञात चोरों ने भगवान के घर को बनाया निशाना

शहर के बाल हनुमान मंदिर और शिवमंदिर में हुई हजारो रूपए की चोरी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बीते कुछ दिनों से अज्ञात चोर सूने मकान, दुकानों के साथ-साथ भगवान के घरों को भी अपना निशाना बनाते जा रहे हैं । मंदिरों में रखी दान पेटी सहित भगवान के जेवरात को चुरा कर चोरी की घटना को अंजाम दे रहे हैं । अभी बीते कुछ दिन पहले ही शहर के प्रमुख मंदिरों के साथ-साथ बजरंग घाट स्थित परिसर के दो मंदिरों में अज्ञात चोरों द्वारा चोरी की घटना को अंजाम दिया गया था । अभी उन मंदिरों की चोरी का खुलासा भी नहीं हुआ था कि फिर एक बार अज्ञात चोरों द्वारा शहर के दो अलग-अलग मंदिरों को अपना निशाना बनाकर चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है । जिसमें शहर के बाल हनुमान मंदिर और शिव मंदिर में अज्ञात चोरों ने हजारों रुपए की चोरी की घटना को अंजाम दिया है । मंदिरों में अज्ञात चोरों द्वारा रविवार और सोमवार की दरमियानी रात में चोरी की घटना को कारित किया गया है, जिनमें अज्ञात चोरों ने दान पेटी में रखा लगभग 6 महीने का हजारों रुपए कैश चुरा लिया है तो वहीं एक मंदिर की दान पेटी को ही चोरों ने अपने साथ लेजा लिया है। इस पूरी घटना की जानकारी यहां के पंडितों ने पुलिस को दे दी है जिसमें पुलिस द्वारा मंदिरों में हुई चोरी को प्रमुखता से लेते हुए मंदिर के रास्ते पढ़ने वाले सीसीटीवी कैमरे को खंगाल रहे हैं और जल्द ही हुई चोरी को खोलने की बात भी पुलिस के अधिकारियों द्वारा कही जा रही है।

आपको बता दे कि कोतवाली क्षेत्र में चोर फिर सक्रिय हो गए है। नगरीय क्षेत्र के बाल हनुमान मंदिर और महामृत्युंजय घाट शिवमंदिर से अज्ञात चोर, दानपेटी का ताला तोड़कर, हजारों रूपए की चोरी कर ले गए है। बीते रविवार और सोमवार की दरमियानी रात्रि, अज्ञात चोर के मंदिरो में दानपेटी को तोड़कर चोरी किए जाने की घटना का पता, सुबह मंदिर खुलने के बाद पता चला। जिसके बाद मंदिर पुजारियों ने इसकी जानकारी

कोतवाली पुलिस को दी। घटना के बाद कोतवाली पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और मामले को जांच में लिया है। कोतवाली पुलिस का कहना है कि जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस अब मंदिर मार्ग में पड़ने वाले सीसीटीव्ही कैमरे से जानकारी जुटाने में लगी है, ताकि अज्ञात चोर के बारे में पता चल सके। बताया जाता है कि नगर के मोती नगर में बाल हनुमान मंदिर और जागपुर घाट में महामृत्युंजय घटा में भगवान शिव मंदिर में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया है। नगर के मोती नगर स्थित बाल हनुमान मंदिर में देर रात को चोरों ने ताला तोड़ दिया। चोरों ने मंदिर की दान पेटी का ताला तोड़कर उसमें रखी दान की राशि को चोरी कर ले गए। साथ ही एक छोटी दान पेटी को साथ लेकर गए है। मंदिर पुजारी ने बताया कि सुबह मंदिर खोलने आने पर देखा गया कि मंदिर के ताले टूटे हैं, फिर दानपेटी देखा गया तो वह भी टूटी हुई दिखी और एक छोटी दान पेटी गायब थी। पहले भी दो बार मंदिर के ताले तोड़ कर चोरों ने दानपेटी से पैसा लें गए हैं। पुजारी बताते है कि दानपेटी को करीब 6 माह से नहीं खोला गया था। जिससे उसमें लगभग 20-30 हजार रूपए की राशि होगी। चूंकि मंदिर के बाजू, से सड़क चौड़ीकरण के चलते, निर्माण कार्य हों रहा हैं निर्माण सामग्री भी मंदिर में ही रखी गई हैं, लेकिन वह सुरक्षित हैं। इसी तरह महामृत्युंजय घाट स्थित शिव मंदिर में भी चोरों ने ताला तोड़ते हुए दानपेटी से पैसा चुरा ले गए। यहां चोरों ने त्रिशूल से दानपेटी का ताला तोड़ा। हालांकि मंदिर में चोरी की यह घटना पहली नहीं है। मंदिर के पुजारी भवन पंडा बताते हैं कि मंदिर की दानपेटी से कई बार पैसे चोरी होने की घटना हो चुकी है। जिसके चलते दानपेटी को दो-चार दिन के भीतर ही खोल लिया जाता था। अभी कई दिनों से दानपेटी को नहीं खोला गया। जिससे उसमें दान की राशि रखी थी।

दान पेटी में रखे पैसे की चोरी की गयी हैं - भवन

मृत्युंजय घाट मंदिर में सेवा देने वाले सेवक भवन बताते हैं कि वह बीते कुछ महिनों से मंदिर में सेवाएं देते हैं, हर दिन की तरह वह 9 जून को मंदिर पहुंचे जहां उन्होंने देखा कि जो सामने त्रिशूल रखे जाते हैं वह ऊपर की ओर रखे हुए थे , मंदिर में लगने वाले तीन ताले टूटे हुए थे और दान पेटी में रखे पैसे भी चोरी हो चुके थे, जबकि पीछे की ओर एक मंदिर में और भी सामग्री रखी हुई थी, पर वह का ताला नही टुटा हैं । जबकि इसके पूर्व में भी मृत्युंजय घाट स्थित मंदिर से चोरियां हो चुकी है ।

मन्दिर का ताला तोड़ कर चोरी हुई है - अशोक तिवारी

बाल हनुमान दुर्गा उत्सव समिति के सेवक अशोक तिवारी बताते हैं कि उन्हें दूरभाष पर किसी ने जानकारी दिया कि बाल हनुमान मंदिर में चोरी हो गई है , तब वह मंदिर पहुंचे और उन्होंने देखा कि ताला खुला हुआ था जबकि उन्होंने रात्रि 9:00 बजे हर दिन की तरह मंदिर को बंद कर दिया था और सुबह 7:30 बजे जाकर देखा तो ताला टूटा हुआ था , अज्ञात चोरों द्वारा दान पेटी से पैसे निकाल कर ले जाया गया है और अंदर रखें भगवान के मुकुट को चोरों ने कुछ नहीं किया है।

3 बार चोरी की घटना हो चुकी है - उमाशंकर बिसेन

उमाशंकर बिसेन बताते हैं कि उन्हें पंडित ने जानकारी दी की अज्ञात चोरों द्वारा ताला तोड़कर दान पेटी से चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है , 6 महीने से दान पेटी को नहीं खोला गया था और उसमें लगभग 15 से 20 हजार रूपये की राशि दान पेटी में रखी रही हो और इसके पहले भी तीन बार चोरी की घटना हो चुकी है और उन्हें यह संदेह है कि जिन्होंने पिछली बार चोरी की घटना को अंजाम दिया था उनके द्वारा ही दूसरी बार भी यह चोरी की घटना को अंजाम दिया गया है।

मरारी मोहल्ला में दो लोगों ने की एक युवक से मारपीट- चाकू से वार कर किये घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 7 मरारी मोहल्ला में दो लोगों ने एक युवक को हाथबुक्के और चाकू जैसे वस्तु से मार कर घायल कर दिए।घायल युवक निशिद पिता राम लखन श्रीवास्तव 27 वर्ष वार्ड नंबर 7 मरारी मोहल्ला बालाघाट निवासी का इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार निशिद श्रीवास्तव मेंस वेयर में सेल्समैन का काम करते हैं। 8 जून को 12:00 बजे निशिद श्रीवास्तव अपने दोस्त अजय सोनी के घर गए थे और अजय सोनी के घर से अपने घर आए और घर के सामने मोटरसाइकिल खड़ी कर और मोटरसाइकिल को टेक कर ही बैठा था उसी समय राजेश राऊत राजा अगासे आए और निशिद श्रीवास्तव को बोलेगी कक तू यहां क्या कर रहा है और उसे यहां से चले जाने के लिए बोले। निशिद श्रीवास्तव ने उन्हें बोला कि मैं अपने घर के सामने खड़ा हूं। तभी राजेश राऊत र और राजा अगासे ने निशिद श्रीवास्तव को गालियां देते हुए उसे हाथ बुक्के मारपीट कियर और चाकू जैसे वस्तु से वार कर दिए। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल निशिद श्रीवास्तव अपने दोस्तों के साथ इलाज करवाने के लिए जिला अस्पताल पहुंचा। जिला अस्पताल पुलिस ने निशिद श्रीवास्तव का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्रवाई हेतु कोतवाली भिजवादी है।

मोटरसाइकिल की ठोकर से साइकिल सवार व्यक्ति घायल

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। नगर के बूढ़ी आईटीआई रोड पर मोटरसाइकिल की ठोकर से साइकिल सवार एक व्यक्ति घायल हो गया घायल व्यक्ति इंद्र कुमार पिता आत्माराम मेश्राम 52 वर्ष वार्ड नंबर एक बूढ़ी बालाघाट निवासी है जिनका इलाज जिला अस्पताल बालाघाट में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 9 जून को सुबह 10:00 बजे इंद्र कुमार मेश्राम अपने घर से साइकिल में कपड़े लेकर प्रेस करवाने के लिए शिव मंदिर के पास आ रहे थे। तभी मछली बाजार के पास ढीमरटोला तरफ से तेज रफ्तार से आ रही मोटरसाइकिल ने साइकिल को ठोस मार दी। जिससे साइकिल सवार इंद्र कुमार मेश्राम घायल हो गए। बताया गया की मोटरसाइकिल में सवार दो व्यक्ति बकरे रखे हुए थे और वे साइकिल को ठोस मार कर फरार हो गये। मोटरसाइकिल की ठोकर से घायल इंद्र कुमार मेश्राम को उनकी बेटी दिशा मेश्राम ने ऑटो से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती की। जिला अस्पताल पुलिस ने घायल इंद्र कुमार मेश्राम का बयान लेकर अस्पताल तहरीर अग्रिम कार्यवाही हेतु कोतवाली भिजवा दी है।

एक ही परिवार के दो महिला सहित आधा दर्जन लोगों ने किये हमला

हाथ बुक्के और लाठी से की गई मारपीट में एक महिला उसका पति और बेटा घायल, जमीन जायदाद को लेकर हुई वारदात, दो महिला सहित आधा दर्जन लोगों के विरुद्ध अपराध दर्ज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले के बिरसा थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम बीजाटोला खेत में एक ही परिवार के दो महिला सहित आधा दर्जन लोगों ने हमला करते हुए एक महिला उसके पति और बेटे को हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट कर घायल कर दिए। 8 जून को दोपहर 2:30 बजे करीब यह घटना जमीन जायदाद के बंटवारे के विवाद को लेकर हुई। मारपीट में घायल मीराबाई कलिहारे 60 वर्ष उसके पति बुद्धू लाल कलिहारे और बेटा बसंत कलिहारे तीनो ग्राम करौंदा बहरा थाना बिरसा निवासी का इलाज बिरसा के अस्पताल में किया गया। बिरसा पुलिस ने मीराबाई कलिहारे द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके सौतेले भाई रतन गेरवे चरण गेरवे भतीजे प्रमोद गेरवे,मनोज गेरवे सहित 6 लोग बीजाटोला निवासी के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार करौंदा बहरा निवासी मीराबाई कलिहारे अपने परिवार के साथ खेती किसानी करती है। जिनका मायका बीजा टोला का है। जिसके पिता चरण गेरवे की दो पत्नी बुद्धन बाई और मनियारा बाई थी। बुद्धन बाई की मीरा बाई कलिहारे अकेली बेटी है। मनियारा बाई की पांच बेटी और दो बेटे रतन गेरवे और चेतन गेरवे है जो मीराबाई कलिहारे के सौतेले भाई है। मीराबाई कलिहारे के पिता ने जमीन का सभी के नाम से हिस्सा बंटवारा कर दिए हैं। मीराबाई कलिहारे अपने मायके ग्राम बीजाटोला में अपने हिस्से की जमीन पर खेती करती है। 8 जून को दोपहर 2:30 बजे मीराबाई कलिहारे अपने पति बुद्धू लाल कलिहारे बेटा बसंत कलिहारे और गांव के मजदूर टेकराम सहारे दुखी लाल कलिहारे बुधराम कलिहारे के साथ मिलकर अपने हिस्से के खेत में ट्रैक्टर से जुताई करवा कर धान बुवाई का काम कर रहे थे। तभी मीराबाई कलिहारे का सौतेला भाई रतन गेरवे, चेतन गेरवे ,भतीजे प्रमोद गेरवे और मनोज गेरवे अश्लील गालियां देते हुए आए और बोलने लगे कि यह जमीन तुम्हारे बाप की नहीं है भागो यहां से नहीं तो ट्रैक्टर्स को आग लगा देने की धमकी देने लगे। मीराबाई कलिहारे ने उन्हें गाली देने से मना की तो चारों ने मीराबाई को हाथ बुक्के से मारपीट करने लगे। इसी दौरान भतीजे प्रमोद गेरवे की पत्नी मोनिका बाई और मनोज गेरवे की पत्नी शारदा बाई के द्वारा भी मीराबाई कलिहारे से मारपीट की गई इसी दौरान बीच बचाव करने के लिए मीराबाई कलिहारे का पति बुद्धू लाल कलिहारे,बेटा बसंत कलिहारे आए तो उन्हें भी इन लोगों ने हाथ बुक्के और लाठी से मारपीट कर घायल कर दिए और दोबारा खेत में धान बुवाई करने आने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल मीराबाई उसका पति बुद्धू लाल कलिहारे और बेटा बसंत कलिहारे तीनों रिपोर्ट करने के लिए बिरसा पुलिस थाना पहुंचे। बिरसा पुलिस ने तीनों घायल का इलाज और मुलाहिजा बिरसा के अस्पताल में करवाये। बिरसा पुलिस थाने के सहायक उप निरीक्षक शिवलाल परते ने मीराबाई पति बुद्धू लाल कलिहारे 60 वर्ष ग्राम करौंदा बहरा निवासी द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके सौतेले भाई रतन पिता चरण गेरवे 55 वर्ष, चेतन पिता चरण गेरवे 45 वर्ष, भतीजे प्रमोद पिता रतन गेरवे 35 वर्ष, मनोज पिता रतन गेरवे30 वर्ष, मोनिका पति प्रमोद गेरवे 32 वर्ष शारदा बाई पति मनोज गेरवे 30 वर्ष सभी ग्राम बीजाटोला थाना बिरसा निवासी के विरूद्ध एक राय होकर मारपीट और जान से मार डालने की धमकी देने की आरोप में धारा 296 115(3) 351(3), 3(5)भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
▷ COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
▷ MINING ENGINEERING
▷ CIVIL ENGINEERING
▷ MECHANICAL ENGINEERING
▷ ELECTRICAL ENGINEERING
Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

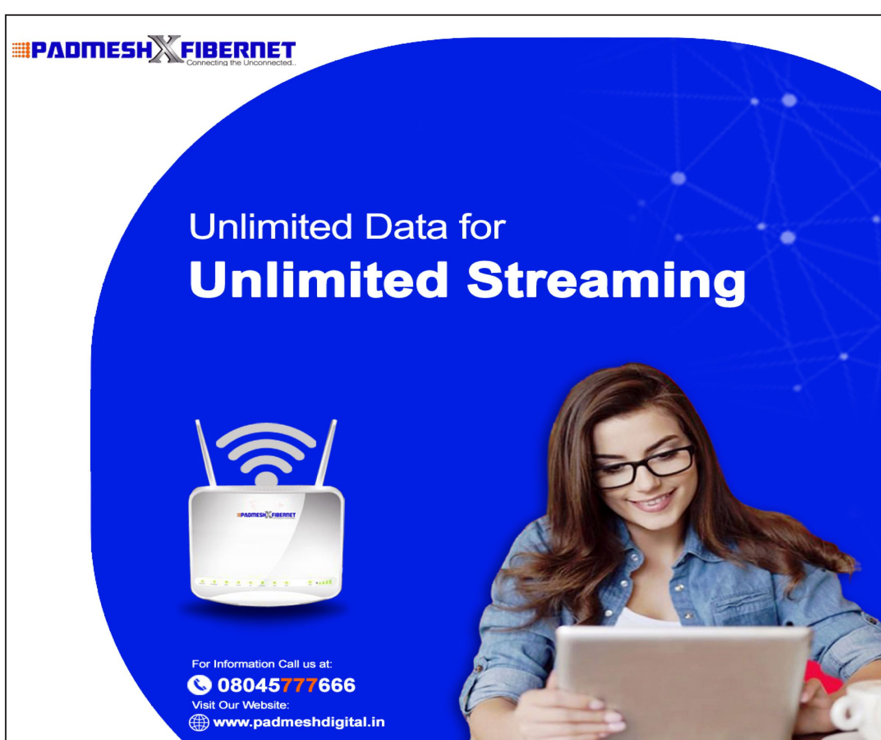

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.१, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट